सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें, सब बढ़ें

वार्षिक अहेवाल
२००४ - २००५

गुजरात काउन्सिल ओफ प्रायमरी एज्युकेशन

गांधीनगर

गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद द्वारा डीपीइपी एवं एसएसए में समाविष्ट जिले

डीपीइपी २ जिले - ४
बनासकांठा, पंचमहाल, दाहोद, डांग

डीपीइपी ४ जिले - नेधरलेन्ड फंडेड - ३
कच्छ, साबरकांठा, सुरेन्द्रनगर

डीपीइपी ४ जिले - स्टेट फंडेड - ४
भावनगर, जामनगर, जूनागढ, पोरबंदर

एसएसए (नोन डीपीइपी) जिले - १४
अहमदाबाद अमरेली, आणंद, भरुच, गांधीनगर, खेडा, महेसाणा, नर्मदा, नवसारी, पाटण, राजकोट, सुरत, वडोदरा, वलसाड

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें, सब बढ़ें

वार्षिक अहेवाल
२००४ - २००५

* एसएसए
* डीपीईपी
* एनपीईजीईएल
* केजीबीवी

गुजरात काउन्सिल ओफ प्रायमरी एज्युकेशन
स्टेट प्रोजेक्ट ओफिस
डीपीईपी - एसएसए
सेक्टर - १७
गांधीनगर

अनुक्रमणिका

अनु.	प्रकरण	विषय	पृष्ठ संख्या
१	-	प्राक्कथन	१
२	१	गुजरात : राज्य की विशेषताएं	३
३	२	अध्यापनविद्या परिप्रेक्ष्य में	६
४	३	दूरस्थ शिक्षा	१३
५	४	समुदायों का अभिप्रेरण	१७
६	५	कन्या शिक्षा की समस्याओं का समाधान	२२
७	६	विकल्प वैकल्पिक शिक्षा का	२८
८	७	विकलांग बच्चों के लिए संकलित शिक्षा	३३
९	८	मिडिया और अनुलेखन	४०
१०	९	मेनेजमेन्ट इन्फोर्मेशन सिस्टम (एमआईएस - MIS)	४३
११	१०	प्लानिंग एन्ड मेनेजमेन्ट	४४
१२	११	निर्माण कार्य	४७
१३	१२	वित्त और लेखा	५५
१४	-	अन्वेषित रिपोर्ट	६१

प्राक्कथन

एक और वित्तिय वर्ष जब कि समाप्त होने जा रहा है, पृष्ठावलोकन करते हुए, संतोष के साथ हम यह अनुभव करते है कि सर्व शिक्षा अभियान के प्रमुखतम लक्ष्यों के मापदंड के अनुसार, हमारा प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है । प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्रमें ग्रामीण विस्तारों में वर्ष २००३-०४ के दौरान गुजरात द्वारा हांसिल की गई सिद्धियों को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में निपा के प्रकाशन Where Do We Stand में प्रतिबिंबित किया गया है । ईन सिद्धियों को प्राप्त करने में कुछ योगदान सर्व शिक्षा अभियान का भी रहा है । ईस प्रकाशन के कुछ अंश: नीचे प्रस्तुत किए गए हैं ।

प्रथम क्रमांक :-

- नियमित हेड मास्टर/ मुख्य शिक्षकवाले स्कूलों में गुजरात देशभर में प्रथम क्रमांक पर है ।
- कुल प्राथमिक स्कूलों में प्राथमिक से उच्च प्राथमिक विभाग के अनुपात में गुजरात प्रथम क्रम है ।
- उच्च प्राथमिक विभागवाले प्राथमिक स्कूलों का प्रतिशत (६८%) गुजरात में सबसे अधिक है ।

द्वितीय क्रमांक :-

- गुजरात में ४४.२२% लडकों एवं ५७.४८% लडकियों ने परीक्षा में ६०% से अधिक गुण प्राप्त किए। शैक्षिक सिद्धियों की सुचि में गुजरात का क्रम आंध्रप्रदेश के बाद द्वितीय स्थान (दोनों प्रतिशत में) पर है । यहाँ लडकियों की सिद्धि का स्तर लडकों के मुकाबले में ज्यादा उँचा है ।
- शिक्षकों द्वारा बिन - शैक्षिक कार्यों में न्यूनतम दिवसों के उपयोग में तामिलनाडु के बाद गुजरात दूसरे क्रम पर है ।

तृतीय क्रम :-

- गुजरात के ६५.७४ प्रतिशत स्कूलों में कम्पाउन्ड वोल है, जब कि देशभर के सिर्फ ४६.८६ प्रतिशत स्कूलों में कम्पाउन्ड वोल हैं । इस मामले में पंजाब और हरियाणा के बाद गुजरात तीसरे क्रम पर है ।
- गुजरात में ५८.७५ प्रतिशत स्कूलों में बिजली की सुविधा है, जब कि देशभर के मात्र २०.७५ प्रतिशत स्कूलों में यह सुविधा है । बिजली की सुविधा स्कूलों को उपलब्ध कराने में केरल और पंजाब के बाद गुजरात तीसरे स्थान पर है ।

सर्व शिक्षा अभियान के तहत प्रारंभिक शिक्षा के सार्वत्रिकरण की दिशा में गुजरात लगातार आगे बढ रहा है । व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, पाठ्य - पुस्तकों एवं शैक्षिक सामग्री की बहेतर उपलब्धता तथा जिला, तालुका और क्लस्टर स्तर पर अध्यापन विद्याकीय अनुसमर्थन के लिए संरचनाओं की स्थापना के योगदान से बच्चों के स्व - अध्ययन के अनुभवों की गुणवत्ता को बढ़ावा मिला है । स्कूलों की उपलब्धता भी बेहतर हुई है, जो कि भवनहीन स्कूलों को स्थायी मकान प्रदान करना एवं नई स्कूल बनाने की दोहरी नीति का सीधा परिणाम है ।

विद्या सहायक योजना के असरदार अमलीकरण से इस वर्ष प्रारंभिक स्कूलों की अधिकतर स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त स्थानों की आपूर्ति हो सकी है, इस कारण राज्य में विद्यार्थी - शिक्षक

अनुपात (पीटीआर) में भी खासा सुधार हुआ है ।

समाविष्ट शिक्षा के क्षेत्र में प्रारंभ किए गए नवाचारों से स्कूलों में विशेष आवश्यकतावाले बच्चों का नामांकन बढने की अपेक्षा की जा रही है । विकलांग बच्चों को जरुरी उपकरण एवं सामग्री तथा स्कूलों में व्यवधानरहित पहुंच की व्यवस्था प्रदान करने की एवं शिक्षकों को संवेदित करने की दिशा में खासी प्रगति हासिल हुई है।

नेशनल प्रोग्राम फोर एज्यूकेशन ओफ गर्ल्स एट एलीमेन्टरी लेवल (एन.पी.ई.जी.ई.एल) तथा कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय (के.जी.बी.वी) कार्यक्रमों के तहत दुर्गम विस्तारों की वंचित समूहों की कन्याओं की शिक्षा संबंधित समस्याओं को असरदार ढंग से सुलझाया जा रहा है । ग्रामीण विस्तारों के मानव - समूहों की रुढिवादी और पुरानी मानसिकता को बदलने की यह प्रक्रिया काफी मुश्किल और धीमी है । स्थानिक समुदायों की सहभागीता से आधार स्तर पर एक ठोस बुनियाद रखी जा सकी है, जिस पर कि विविध क्रिया-कलापों की सफलता का दारोमदार होगा । लैंगिक एवं सामाजिक भेदों को हटाने की दिशा में अच्छी प्रगति प्राप्त हुई है ।

स्कूल एवं समुदाय के स्तर पर बच्चों की शैक्षिक सिद्धियों का मूल्यांकन करने की क्षमता का निर्माण होना निहायत जरुरी है अगर स्थानिक समुदायों के प्रयास के रुप में, माता - पिताओं से यह अपेक्षा की जा सके कि अपने बच्चों के स्कूलों की निगरानी करने में वे एक प्रभावी भूमिका अदा कर सकें । माता - पिताओं के लिए जानना जरुरी है कि उनके बच्चे स्कूल में क्या सीख रहे है, उनसे क्या सिद्ध करने की अपेक्षा है और उनकी प्रगति कैसी है । समुदायों के सशक्तिकरण की संरचना से स्कूलों का उत्तरदायित्व बढेगा और उनसे यह उम्मीद की जाएगी कि वे बच्चों के अध्ययन परिणामों में सुधार ला पाएं ।

सर्व शिक्षा अभियान एवं जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के जरिए ग्राम्य शिक्षा समितिओं ने स्कूल कार्यों की जिम्मेवारी उठा ली है । प्रवेशोत्सव के दौरान एवं उसके पश्चात भी ग्राम्य शिक्षा समितिओं ने स्कूलों के लिए रोकड रकम एवं वस्तुओं के स्वरुप में तथा स्वयं के समय और श्रम के रुप में उदारतापूर्वक दान दे कर अपना सार्थक योगदान दिया है ।

इन सबमें सर्वाधिक रुप से द्रष्टिमान है सर्व शिक्षा अभियान, एन.पी.ई.जी.ई.एल., के.जी.बी.वी. तथा डीपीईपी के क्रियान्वन से जुडे राज्य, जिला, तालुका और ग्राम्य स्तर के सभी कर्मियो की अभिप्रेरणा, प्रचंड उत्साह तथा सुद्रढ संकल्प - जो कि गुजरात में प्रारंभिक शिक्षा के सार्वत्रिकरण के लिए अत्यंत शुभ आसार के द्योतक हैं ।

(मीना भट्ट)
राज्य परियोजना निदेशक
डी.पी.इ.पी. - एस.एस.ए.
गांधीनगर, गुजरात

प्रकरण : १

गुजरात : राज्य की विशेषताएं

१.० विस्तार और जनसंख्या

गुजरात का विस्तार है करीब १.९६ वर्ग कि.मी.। राज्य २५ जिलों और २२४ तालुकों में विभाजित है। जनगणना २००१ के हंगामी आंकडों के अनुसार राज्यकी कुल आबादी ४.८४ करोड है, जिसमें भूकंपग्रस्त क्षेत्रों को शामिल नहि किया गया। भूकंपग्रस्त विस्तारों के अनुमानित आंकडों को शामिल किये जाने पर गुजरात की आबादी ५.०६ करोड की है।

भारत का ६.१९ प्रतिशत विस्तार गुजरात है। भूकंपग्रस्त विस्तारों के आंकडो सहित, राज्य की जनसंख्या देश की कुल जनसंख्या का ४.९३ प्रतिशत है।

१.१ घनता

गुजरात में आबादी की घनता २५८ व्यक्ति प्रति किलोमीटर थी वर्ष २००१ में । अहमदाबाद जिले में सर्वाधिक घनता पाई गई है, जो कि७१८ व्यक्ति प्रति किलोमीटर है, जबकि सब से कम घनता कच्छ जिले में पाई गई है, जहाँ ३५ व्यक्ति प्रति किलोमीटर विस्तार में रहते हैं।

१.२ लैंगिक अनुपात

गुजरात का लैंगिक अनुपात, जो कि १९९१ में ९३४ था, घटकर ९२१ हुआ है। डांग और अमरेली जिलो में सर्वाधिक अनुपात ९८६ है, जब कि सुरत जिले का लैंगिक अनुपात ८३५ राज्य में सबसे कम है।

अनुसूचित जाति के लिये राज्य का लैंगिक अनुपात ९२५ है, जो कि शहरी विस्तारों में ९११ और ग्रामीण विस्तारों में ९३४ हैं ।

अनुसूचित जनजाति के लिये राज्य का लैंगिक अनुपात ९७४ है, जो कि शहरी विस्तारों में ९२६ और ग्रामीण विस्तारों में ९७८ हैं ।

१.३ साक्षरता

राज्य की साक्षरता (०-६ वर्ष के बच्चों के अलावा), जो कि वर्ष १९९१ में ६१.२९ प्रतिशत थी, वर्ष २००१ में बढकर ६९.६७ प्रतिशत हुई है। पुरुषों में साक्षरता वर्ष १९९१ में ७३.१३ प्रतिशत थी, जो कि वर्ष २००१ में बढ़कर ८०.२१ प्रतिशत हुई है, जब कि महिला साक्षरता, जो कि वर्ष १९९१ में ४८.६४ प्रतिशत थी, वर्ष २००१ में बढ़कर ५८.२९ प्रतिशत हुई है। ग्रामीण विस्तारों का साक्षरता दर ६१.८२ प्रतिशत है, जब कि शहरी विस्तारों में साक्षरता दर ८२.३४ प्रतिशत है। जनगणना जहां की गइ थी उन २४ जिलों में सर्वाधिक साक्षरता दर ७९.८९ प्रतिशत अहमदाबाद जिले का रहा, जब कि न्यूनतम साक्षरता दर ४५.६५ दाहोद जिले का पाया गया।

१.४ शहरीकरण

जनगणना २००१ के हंगामी आंकडों के अनुसार गुजरात की ३७.३५ प्रतिशत आबादी शहरी विस्तारों में रहती है। कच्छ, जामनगर और राजकोट जिले के आंकडे इसमें शामिल नहि, क्युंकि भूकंप के कारण इन जिलो में जनगणना सम्पन्न नहि हो सकी थी। वर्ष १९९१ में यह शहरी जनसंख्या ३४.४९ प्रतिशत थी। राज्य में सब से अधिक शहरीकृत जिला अहमदाबाद है जहाँ ८०.०९ प्रतिशत आबादी शहरी विस्तारों मे रहती है, जब कि डांग एक ऐसा जिला है जो कि संपूर्ण ग्रामीण है जहाँ शहरी जनसंख्या बिलकुल नहि है।

१.५ अनुसूचित जातियाँ एवं अनुसूचित जनजातियाँ

जनगणना २००१ के अनुसार, राज्य में अनुसूचित जाति की आवादी ३५,९२,७१५ है, जो कि कुल आबादी का ७.९ प्रतिशत है। ईनमें १८,६६,२८३ पुरुष हैं, जो कि ७.०७ प्रतिशत है और १७,२६,४३२ महिलाएं हैं, जो कि १४.७६ प्रतिशत हैं। राज्य में अनुसूचित जाति की शहरी आबादी १४,१२,२२४ है, जो कि ३९.३१ प्रतिशत है। ग्रामीण बिस्तारों में अनुसूचित जाति की आबादी २१,८०,४४१ है जो कि ६०.६९ प्रतिशत है।

जनगणना २००१ के अनुसार, राज्य में अनुसूचित जनजाति की आबादी ७४,८१,१६० है, जो कि कुल आबादी का १४.७६ प्रतिशत है। ईनमें ३७,९०,११७ पुरुष हैं, जो कि १४.३६ प्रतिशत है और ३६,९१,०४३ महिलाएँ हैं, जो कि १५.२० प्रतिशत हैं। राज्य में अनुसूचित जनजाति की शहरी आबादी ६,१४,५२३ है, जो कि ८.२१ प्रतिशत है। ग्रामीण विस्तारो में अनुसूचित जनजाति की आबादी ६८,६६,६३७ है, जो कि ९१.७९ प्रतिशत है।

१.६ प्राथमिक शिक्षा

चूं कि शैक्षिक पिरामिड की बुनियाद प्राथमिक शिक्षा होती है, गुजरात सरकार ने इसके विकास को हंमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। राज्य में हर बस्तीसे एक किलोमीटर की त्रिज्या में एक प्राथमिक स्कूल है तथा शिक्षक विद्यार्थी अनुपात १:४० है, जो कि राष्ट्रीय मापदंडो के अनुसार ठीक ही है।

विविध योजनाओं के अमलीकरण का परिणाम यह प्राप्त हुआ है कि कक्षा १ से ७ के बच्चों का स्कूल छोड जाने का दर, जो कि १९९६ - ९७ में ४९.४९ था, घटकर वर्ष २००४-०५ में १८.७९ पर आ पहुँचा है अर्थात् स्थायीकरण दर अब ८१.२१ है। १ से ५ के बच्चों का स्कूल छोड जाने का दर वर्ष १९९६-९७ में ३५.४० था, जो कि वर्ष २००४-०५ में घटकर १०.१६ हुआ है अर्थात् इनका स्थायीकरण दर ८९.८४ है।

वर्ष २००४-०५ के दौरान राज्य में कुल ३६,३१५ प्राथमिक स्कूल्स हैं जिनमें ३२,२५८ सरकार / पंचायतों द्वारा चलाए जाते हैं जबकि ४,०५७ सहायित / असहायित निजी संस्थानों द्वारा। इस वर्ष के दौरान कक्षा १ से ७ में बच्चों का कुल नामांकन ६८,१०,१४० है, जिनमें ३६,८३,६३५ लडके तथा ३१,२६,५०५ लडकियाँ हैं।

१.७ मुफ्त पाठ्य - पुस्तकें

जिला शिक्षा समिति और म्यूनिसिपल स्कूल बोर्ड द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों में कक्षा १ से ७ के बच्चों को मुफ्त पाठ्य - पुस्तक देने की योजना का बहुत अच्छा असर हुआ है - इससे नामांकन तथा स्थायीकरण के दर में वृद्धि हुई है।

१.८ प्राथमिक स्कूलों में कक्षा की बढोतरी

यह देखा गया है कि बच्चों के प्राथमिक शिक्षा पूर्ण न करने का प्रमुख कारण है गाँव में कक्षा ५ से आगे पढने की सुविधा न होना । इस समस्या को हल करने के लिए हर गाँव में कम - से - कम एक प्राथमिक स्कूल की कक्षा की बढोतरी करके उसे उच्चत्तर प्राथमिक स्कूल बनाया गया है।

१.९ विद्या लक्ष्मी योजना

विद्या लक्ष्मी योजना राज्य के उन गाँवो में लागू की गइ है जहाँ महिला साक्षरता ३५ प्रतिशत से कम है । इस योजना का उद्देश्य है प्राथमिक स्कूलों में कन्याओं का १०० प्रतिशत नामांकन और स्थायीकरण सिद्ध करना । इस के तहत कक्षा १ में नामांकित होनेवाली हर कन्या को रु. १००० के मूल्य के नर्मदा बॉन्ड दिए जाते हैं जो कि सात वर्ष के बाद परिपक्व होते हैं जिन्हें वह सात वर्ष की प्राथमिक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् ही प्राप्त कर सकती है। नर्मदा बॉन्ड के लिए आर्थिक सहाय सामूदायिक अभिप्रेरण तथा रोकड अनुदानों से प्राप्त की जाती है। वर्ष २००४-०५ के दौरान प्राथमिक शिक्षा नियामक के कार्यालय द्वारा रु. १५ करोड का प्रावधान बजेट में किया गया और राज्य की करीब १,५५,००० कन्याएँ इस योजना से लाभान्वीत हुइ।

१.१० विद्या दीप योजना

स्कूल में पढनेवाले बच्चों को बीमे की सुरक्षा प्रदान करने के हेतु से राज्य सरकार ने विद्यादीप योजना शुरु की है। २६ जनवरी, २००१ के दिन भूकंप में जान खोनेवाले बच्चों की स्मृति में शुरु की गइ इस योजना का लाभ प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चमाध्यमिक स्कूलों के बच्चों को प्राप्त होगा। राज्य सरकार इसके प्रिमियम की सालाना किश्त अदा करेगी । इसके तहत रु. २५,००० कि रकम का बीमा प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिये एवं रु. ५०,००० की रकम का बीमा माध्यमिक और उच्चमाध्यमिक स्कूल के बच्चों के लिए लिया जाएगा ।

प्राकृतिक मृत्यु और आत्महत्या के अलावा किसी भी दुर्घटना में जान खोनेवाले बच्चे के माता - पिता को बीमा कम्पनी द्वारा बीमे की रकम अदा की जाएगी । इस विषय में स्कूल के आचार्य द्वारा, बच्चे की मृत्यु के एक सप्ताह के भीतर ही, एक नियम प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा, जिसके आधार पर बीमे की रकम १५ दिनों के भीतर ही चेक द्वारा अदा कर दी जाएगी ।

प्रकरण : २

अध्यापनविद्या परिप्रेक्ष्य में

२.० अध्यापनविद्या प्रणालि का नवीनीकरण

डीपीईपी और सर्व शिक्षा अभियान के तहत गुजरात में अध्यापनविद्या के नवीनीकरण की प्रक्रिया को अप्रतिम सफलता प्राप्त हुई है । अध्यापनविद्या प्रणालि के नवीनीकरण की प्रक्रिया में अध्यापकों, विश्व विद्यालयों के व्यवसायियों, कोलेजों और गैर-सरकारी संगठनों के साथ विचार विमर्श कर विकेन्द्रीकरण की ओर ज्यादा ध्यान दिया गया है। जिला स्तर पर भी ऐसे ही विचार विमर्शों की प्रणालि लागू करने के प्रयास किए गए है । ब्लोक एवं क्लस्टर के स्तर पर संसाधन केन्द्रों की रचना से पहले की प्रशासकीय निरीक्षण प्रणालि में भी बदलाव लाया गया है। अब शिक्षकों के प्रशिक्षण के अनुश्रवण और सहायरूप मुलाकातों पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जहाँ शिक्षको को शैक्षिक मशवरे प्रदान किये जाते हैं, ताकि वे सिखने - सिखाने की बदलती स्थितियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकें ।

उपर्युक्त संदर्भ में नई पाठ्यपुस्तकों के विकास, शैक्षिक मूल्यांकन, नई अध्यापन विद्या के प्रति शिक्षकों के अभिप्रेरण की दिशा में ठोस कदम उठाए गए, जिसे विद्यार्थी केन्द्रित, प्रवृत्ति आधारित एवं आनंददायी सिखाने / पढाने की पध्धति के विस्तृत परिप्रेक्ष्य में देखा गया । अध्यापन विद्या के लिए विशेष रूप से गठित राज्य संसाधन जूथ अध्यापन विद्या के नवीनीकरण की प्रक्रिया में अहम भूमिका निभा रहे है। ब्लोक एवं क्लस्टर संसाधन केन्द्रों को कार्यान्वित किया गया है। डीपीईपी और सर्व शिक्षा अभियान के तहत सभी विद्यालयों को टी.एल.एम. अनुदान और विद्यालय अनुदान मुहैया कराए गए है।

२.१ पाठ्य पुस्तकें

डीपीईपी के तहत कक्षा-१, कक्षा - २ और कक्षा-३ के लिए नई पाठय पुस्तकें तथा कक्षा ५ के लिए स्वाध्यायपोथि विकसित किये गये है, जिन्हें, त्रि- स्तरीय आजमायीश के बाद राज्यभर में अमलीकृत किया गया है। इन पाठय पुस्तको में बच्चों को प्रवृत्ति आधारित शिक्षा एवं संगठित स्व-विद्या प्रणालि मुहैया कराइ गई है । बच्चों में निहित विचार-शक्ति, जिज्ञासा और भागीदारी को संगठित कर ये पाठयपुस्तकें उनकी रचनात्मकता को विकसित करने का काम करेगी ।

२.१.१ कक्षा - १,२,३ के लिए नई पाठयपुस्तकें

कडी महेनत के बाद तैयार की गइ कक्षा-१ की नई पाठयपुस्तकों को वर्ष २०००-२००१ के दौरान पूरे राज्यभर में दाखिल किया गया था। इन पुस्तकों के प्रति शिक्षको और विद्यार्थिओं में काफी उत्साह देखा गया।

डीपीईपी जिलों के अंतर्गत सभी विद्यालयों में कक्षा-२ के लिए तैयार की गइ पाठयपुस्तकों को वर्ष २०००- २००१ में दाखिल किया गया था। इन पाठयपुस्तकों के बारें में शिक्षको, विद्याभ्यासियों और अध्यापन विशेषज्ञों की हिदायतें प्राप्त कर तथा जरुरी बदलाव के साथ कक्षा - २ की नई पाठयपुस्तकों को अध्यापन वर्ष २००१ - २००२ से समग्र राज्य में लागू किया गया।

गुजरात राज्य बोर्ड ऑफ स्कूल टेक्स्टबुकस (जी.एस.बी.एस.टी.बी.) द्वारा कक्षा-३ के लिए नई पाठयपुस्तकें तैयार की गई और जी.सी.ई.आर.टी. द्वारा इनके निरीक्षण के बाद इन्हे वर्ष

२०००-२००१ में डीपीईपी जिलों के उन ४०० विद्यालयों मे आजमाइश के तौर पर दाखिल किया गया, जहाँ कक्षा - १ एवं कक्षा - २ की पुस्तकें आजमायी जा चूकी थी। जून २००१ से इन नई पाठ्यपुस्तकों को डीपीईपी के तीनों जिलों के सभी विद्यालयों में जरुरी अनुग्रहण के बाद दाखिल किया गया था। जून २००२ से इन्हें राज्यभर में लागू किया गया है।

२.१.२ कक्षा - ५ के अंग्रेजी विषय के लिए स्वाध्यायपोथियां

अध्यापन वर्ष २००१ - २००२ से गुजरात के सभी विद्यालयों में कक्षा - ५ में अंग्रेजी को विशेष विषय के तौर पर दाखिल किया है। इस बात पर गौर करते हुए, गैर डीपीइपी जिलों से ६००० मास्टर ट्रेनर्स को अंग्रेजी कार्यपुस्तिकाओं पर प्रशिक्षण दिया गया और मौखिक कार्य हेतु ८० फ्लेशकार्ड का एक सेट भी तैयार किया गया। इसके बाद मार्च २००१ में गैर डीपीईपी जिलों के २२००० प्राथमिक शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान सभी शिक्षकों को अंग्रेजी पाठ्यपुस्तकें और फ्लेशकार्ड के सेट प्रदान किए गये। अंग्रेजी स्वाध्यापोथियाँ भाग - १ व २ परियोजना के तीनों जिलों के विद्यालयों में प्रदान की गई। उन कार्य पुस्तिकाओं एवं फ्लेशकार्ड में भाषा को सुनने, बोलने, पढने और लिखने की शिक्षा देने पर ज्यादा ध्यान दिया गया है, जिसे कक्षा - ५ के पाठ्यक्रम का अभिनव अंग बनाया गया है।

२.१.३ डीपीईपी - ४ की समाप्ति

भारत सरकार के आदेश के मुताबिक डीपीईपी - ४ को जून २००५ में निर्धारित समय से पहेले ही समाप्त कर दिया गया। ओपरेशन रीसर्च ग्रुप (ओआरजी), वडोदरा को डीपीईपी की वर्ष २००० से २००५ तक की कार्यवाही का मूल्यांकन सौंपा गया था, जिसके अहेवाल के अनुसार ज्यादातर लक्ष्यों को प्राप्त किया जा चुका है, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है.

१. सर्वांग रुप से विद्यार्थियों की सिद्धियों मे सुधार :

गणित एवं भाषा के विषयों में कक्षा ३ के विद्यार्थियों का प्रदर्शन कक्षा १ के विद्यार्थियों से काफी कम रहा।

- कक्षा १ के विद्यार्थियों का प्रदर्शन भाषा के विषय (औसत गुणांक ६१.५ %) की तुलना में गणित के विषय (औसत गुणांक ६५.६ %) में बेहतर रहा।

- कक्षा ३ के विद्यार्थियों का प्रदर्शन गणित के विषय (औसत गुणांक ३५.६ %) की तुलना में भाषाके विषय (औसत गुणांक ४४ %) में बेहतर रहा।

- बेसलाइन सर्वे की तुलना में टर्मीनल सर्वे के दौरान कक्षा १ तथा कक्षा ३ के विद्यार्थियों का प्रदर्शन भाषा तथा गणित के विषयों में बेहतर पाया गया।

२. बच्चों के स्कूल छोड जाने के दर में कमी :

वर्ष २००१-०२ की तुलना में वर्ष २००४-०५ के दरमियान बच्चों के स्कूल छोड जाने के दर में परियोजना जिलों में पायी गई प्रतिशत कमी नीचे दर्शायी गई है :

- कच्छ : २३.४६% (समग्र), २६.१३% (कुमार), २१.८०% (कन्या)
- सुरेन्द्रनगर : ३२.७०% (समग्र), २८.३०% (कुमार), ३६.८९% (कन्या)
- साबरकांठा : ३४.५३% (समग्र), ३३.०९% (कुमार), ३५.९८% (कन्या)

३. सार्वत्रिक नामांकन :

(अ) वर्ष २००४ - ०५ के दरमियान ९५.६९ के एनईआर (नेट एनरोलमेन्ट रेशियो) के साथ

करीब-करीब सार्वत्रिक नामांकन सिद्ध हुआ है ।

(ब) परियोजना जिलो में लडकियों से लडकों के नामांकन के अनुपात में पाया गया सुधार नीचे दर्शाया गया है ।

- कच्छ : ८०० (२००१ - ०२) से ८३५ (२००४ - ०५)
- सुरेन्द्रनगर : ८०९ (२००१ - ०२) से ८६० (२००४ - ०५)
- साबरकांठा : ८४७ (२००१ - ०२) से ८६७ (२००४ - ०५)

२.१.४ कक्षा ८ के बच्चों को मुफ्त पाठ्य - पुस्तकें

राज्य सरकार के द्वारा कक्षा १ से कक्षा ७ के सभी बच्चोंको मुफ्त पाठ्य पुस्तकें दी जाती हैं। गुजरातमें सर्व शिक्षा अभियान के तहत कक्षा ८ की मुफ्त पाठ्य पुस्तकें सभी कन्याओंको तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति के लडकों को दी जाती है । वर्ष २००४ - ०५ के दौरान कक्षा ८ की पाठ्य पुस्तकें कुल २,०९,९९४ विद्यार्थियोंको दी गई, जिनमें सभी लडकियां तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति के लडकों का समावेश होता है ।

२.२ बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को. ओर्डीनेटर्स की स्थिति

डीपीईपी और सर्व शिक्षा अभियान जिलों में नियुक्त बी.आर.सी. / सी.आर.सी. संकलनकारों की स्थिति इस प्रकार है :

क्रम	जिला	बी.आर.सी की संख्या	सी.आर.सी की संख्या	क्रम	जिला	बी.आर.सी की संख्या	सी.आर.सी की संख्या
१	अहमदाबाद	११	१४०	१६	नर्मदा	४	७०
२	अहमदाबाद कोर्पोरेशन	-	४३	१७	नवसारी	५	८४
३	अमरेली	११	१२१	१८	पंचमहाल	११	१६६
४	आणंद	८	१२५	१९	पाटण	७	६९
५	बनासकांठा	१२	२००	२०	पोरबंदर	३	३४
६	भरुच	८	१०२	२१	राजकोट	१४	१४९
७	भावनगर	११	१४५	२२	राजकोट कोर्पोरेशन	-	२३
८	दाहोद	७	९५	२३	साबरकांठा	१३	२१४
९	डांग	१	३२	२४	सुरत	१४	२१८
१०	गांधीनगर	४	५७	२५	सुरत कोर्पोरेशन	-	३३
११	जामनगर	१०	१४४	२६	सुरेन्द्रनगर	१०	१३५
१२	जूनागढ	१४	१६४	२७	वडोदरा	१२	२१०
१३	खेडा	१०	१८७	२८	वडोदरा कोर्पोरेशन	-	१६
१४	कच्छ	१०	१७६	२९	वलसाड	५	१०३
१५	महेसाणा	९	१६		कुल	२२४	३३५१

२.३ विद्यासहायकों की नियुक्ति और प्रशिक्षण

गुजरात सरकार द्वारा लागू की गइ विद्यासहायक योजना के तहत, विद्यासहायकों की नियुक्ति अलग-अलग चरणों में लागू हो रही है । वर्ष २००४-०५ के दौरान कुल १५,४६८ विद्यासहायकों को

राज्य में नियुक्त किया गया और उन्हें प्रत्यक्ष प्रशिक्षण दिया गया। पिछले वर्ष प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा इस वर्ष के दौरान बी.आर.सी. स्तर पर विद्यासहायकों को क्षमता आधारित प्रशिक्षण दिया गया। नए विद्यासहायकों को डीपीईपी और एसएसए के अमलीकरण में उनकी भूमिका और कार्य प्रणालि के अलावा प्रवृत्ति आधारित उल्लासमय सीखने / पढ़ने की प्रक्रिया की तकनीकों के बारे में अभिसंस्करित किया गया।

वर्ष १९९८ - ९९ में शुरू की गई विद्यासहायक योजना के तहत, अबतक गुजरात में कुल ८३,१४८ विद्यासहायकों की नियुक्ति की गई है।

२.४ शिक्षक प्रशिक्षण

पूर्व की व्याख्यान आधारित एकपक्षीय प्रक्रिया के स्थान पर शिक्षक प्रशिक्षण में अब अधिक आंतरक्रिया युक्त द्विपक्षी प्रक्रिया को अपनाया गया है। इस प्रकार के प्रशिक्षण में भाषण के स्थान पर प्रशिक्षार्थियों के लिए एक प्रयोगात्मक अनुभव देने का प्रयास होता है, जैसे कि कोई प्रवृत्ति करना, भूमिका अदा करना, गद्यपाठ करना अथवा कुछ विशेष कार्य या कवायत करना ताकि तालीम के दौरान ही स्वानुभव द्वारा पृथ्थकरण किया जा सके। इस प्रकार, प्रयोगात्मक प्रशिक्षणने पूर्वके उस प्रशिक्षण का स्थान लिया है जिसमें प्रतिभागी को कोइ भूमिका अदा करनी नहीं होती थी।

२.४.१ डीपीईपी में शिक्षक प्रशिक्षण

डीपीईपी के तहत परियोजना जिलों में कक्षा १ से ५ के शिक्षकोंको विविध अध्यापन विद्याकीय पहेलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया। कच्छ, साबरकांठा और सुरेन्द्रनगर जिलोंमें शिक्षकोंको कुल ९०,९९५ मानव-दिवसों के लिये प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के विषय थे एकीकृत बहुवर्गीय शिक्षा, टीएलएमका निर्माण, शिक्षकों तथा बीइसी, एमटीए और पीटीए सदस्यों का डीपीईपी में उनकी भूमिका तथा बच्चों के सार्वत्रिक नामांकन, स्थायीकरण, नियमित हाजरी, उपचारात्मक शिक्षा तथा कन्या शिक्षा के विषय में नवसंस्करण। शिक्षक प्रशिक्षण का जिलावार ब्यौरा नीचे दिया गया है :

क्रम	जिला	मानव दिवसों की संख्या
१	साबरकांठा	५६,२०१
३	कच्छ	११,७२८
४	सुरेन्द्रनगर	२३,०६६
	कुल	९०,९९५

२.४.२ एसएसए में शिक्षक प्रशिक्षण

एस.एस.ए. के तहत जिला स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षण बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. द्वारा स्थानिक डायट के साथ मिलकर आयोजित किया जाता है, जिन्हें कि अध्यापनविद्याकीय तथा शिक्षक प्रशिक्षण की आवश्यकताओं की पहचान तथा आयोजन करने की सत्ता प्रदान की गई है। इस हेतु विशेष धनराशि एस.एस.ए. के तहत इन्हें दी जाती हैं। गुजरात में वर्ष २००४-०५ के दौरान शिक्षकोंको कुल १५,५५,९२६ मानव दिवसोंके लिये प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें ९,०६,७८५ मानव दिवसों का प्रशिक्षण डिस्ट्रीकट प्रोजेक्ट ओफिस द्वारा तथा ६,४९,१४१ मानव दिवसों का प्रशिक्षण डायट द्वारा दिया गया।

गुजरात के सभी जिलों तथा म्युनिसिपल कोर्पोरेशन विस्तारो में शिक्षकों को आधुनिक अध्यापनविद्या के विविध आयामों की तालीम दी गई, उदाहरणार्थ, बालकेन्द्रित एवं संदर्भित टी.एल.एम. का निर्माण, सभी विषयों के कठिन बिंदुओंकी असरदार शिक्षा, नई पाठय पुस्तकें, स्कुल स्तर का शैक्षिक आयोजन तथा सर्व शिक्षा अभियान की अमलवारी, इत्यादि । जिला परियोजना इकाईयों द्वारा वी.आर.सी. स्तर पर तथा डायेट द्वारा वी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. स्तर पर इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित किया गया, जिसका विवरण नीचे दिया गया है ।

एसएसए कार्यक्रम अंतर्गत शिक्षक प्रशिक्षण (वर्ष २००४-०५)

क्रम	जिला	डीपीसी द्वारा प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या	डायेट द्वारा प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या	कुल
१	अहमदाबाद	५६६८२	१३७४४	७०४२६
२	अमरेली	५१९४६	११९५१	६३८९७
३	आणंद	६४४३६	४२४५६	१०६८९२
४	भरूच	१६११६	१०७३२	२६८४८
५	गांधीनगर	०	४४२५५	४४२५५
६	खेडा	७१६८५	५९६२२	१३१३०७
७	महेसाणा	०	४२४१६	४२४१६
८	नवसारी	४०५७७	१०२६४	५०८४१
९	नर्मदा	१४८८४	६५४८	२१४३२
१०	पाटण	३६२५०	२७९७७	६४२२७
११	राजकोट	१७०६६	८४१२	२५४७८
१२	सुरत	८०८१५	१६२२४	९७०३९
१३	वडोदरा	५८९१८	६७२१७	१२६१३५
१४	वलसाड	४३९६८	११५६०	५५५२८
१५	बनासकांठा	५५१६९	६०५२२	११५६९१
१६	पंचमहाल	९६८००	१०४०९९	२००८९९
१७	दाहोद	६९००३	१८३००	८७३०३
१८	डांग	५४८०	०	५४८०
१९	पोरबंदर	२९४७	०	२९४७
२०	अम. कोर्पो	२५८९	२००७२	२२६६१
२१	वडोदरा कोर्पो.	६७७३	११६४२	१८४१५
२२	सुरत कोर्पो.	१९४९९	१३४०३	३२९०२
२३	राजकोट कोर्पो.	३४३६	६३२०	९७५६
२४	सुरेन्द्रनगर	११६५७	१५०६२	२६७१९

क्रम	जिला	डीपीसी द्वारा प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या	डायेट द्वारा प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या	कुल
२५	साबरकांठा	१९२०८	२३११	२१५१९
२६	कच्छ	३६४६	४६२८	८२७४
२७	भावनगर	२५२७०	१९४०४	४४६७४
२८	जामनगर	६९६५	०	६९६५
२९	जूनागढ	२५०००	०	२५०००
	कुल	९०६७८५	६४९१४१	१५५५९२६

२.५ टी.एल.एम. सामग्री

वर्गखंड में शिक्षा के आदान-प्रदान को असरदार बनाने केलिए टी.एल. एम. अनिवार्य है। प्रवृत्ति आधारित शिक्षा और बाल केन्द्रित शिक्षा प्रणाली के प्रचलन के चलते गुजरात में डीपीईपी तथा एस.एस.ए. में 'जानकारी मुहैया' करवाने के बजाय 'अनुभवों पर आधारित' शिक्षा को अधिक महत्व दिया जाने लगा है। आमतौर पर प्राथमिक शालाओं के स्तर पर देखा जाय तो गुजरात के विभिन्न समुदायों के पास टी.एल.एम. का एक सस्ता लेकिन प्रचूर मात्रा से सभर स्त्रोत मोजूद है । इसी विचार के चलते डीपीईपी ने इस स्त्रोत का उपयोग कर कम खर्चीला टी.एल.एम. विकसित किया। शिक्षकों को वार्षिक रु. ५०० का अनुदान दिया गया, जिन्होंने उसका उपयोग टी.एल.एम. बनाने में किया । नियमित रूप से टी.एल.एम. के विकास और उत्पादन के लिए प्रशिक्षण शिबिरों का आयोजन किया गया ।

२.६ स्कुल अनुदान

स्कुलों में प्राथमिक सुविधाओं के विकास, जैसे कि, मामूली मरम्मत, अतिरिक्त प्रशिक्षण सामग्री की खरीदारी, आनंददायी तरीकों से शिक्षा प्रदान करनेके लिए कुछ नए साधन एवं स्कुल के वातावरण को मोहक बनाने के लिए स्कुल की दिवारों पर चित्र बनाने जैसे कइ छोटे- मोटे कामों के लिए रु. २००० के स्कुल अनुदान भी आबंटित किये गए । इस अनुदान की राशि के उपयोग में लचीलापन होने की वजह से अब उन्हे स्कुल के विकास हेतू छोटी सी धनराशि के अनुदान के लिए लंबे अरसे तक राह नहीं देखनी पडती ।

शिक्षक प्रशिक्षण

साबरकांठा जिले के हिंमतनगर स्थित बीआरसी पर २० - दिवसीय शिक्षण प्रशिक्षण के पहलूओं पर नवसंस्करण पा रहे सीआरसी को.ओर्डिनेटर्स ।

साबरकांठा जिले के बायड बीआरसी पर द्रष्टि एवं श्रवण की विकलांगता वाले बच्चों की शिक्षा के विषय में प्रशिक्षित होते हुए शिक्षक ।

गांधीनगर में सर्व शिक्षा अभियान के तहत सीआरसी स्तर पर कन्या शिक्षा की समस्याओं को सुलझाने के विषय में प्रशिक्षण पाते हुए शिक्षकों का एक चित्र ।

प्रकरण : ३

दूरस्थ शिक्षा

३.० डी.ई.पी. - एस.एस.ए. युनिट

डी.पी.ई.पी. के प्रशिक्षण कार्यक्रमोंमें दूरस्थ शिक्षा को एक महत्वपूर्ण अंग बनाने के उद्देश्य से सन १९९७ में डिस्टन्स एज्युकेशन प्रोग्राम (डी.ई.पी.) अर्थात् दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम इन्दिरा गांधी नेशनल ओपन युनिवर्सिटी (ईग्नू) के सहयोग से शुरु किया गया था । इसके अनुसंधान में डी.ई.पी. - डी.पी.ई.पी. युनिट गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद् के गांधीनगर स्थित राज्य परियोजना कार्यालय में शुरु किया गया था । सर्व शिक्षा अभियान (एस.एस.ए.) की शुरूआत राज्य में होने के पश्चात्, सप्टेम्बर २००३ में डी.ई.पी. - डी.पी.ई.पी. युनिट बंद कर दिया गया । उसके स्थान पर डी.ई.पी. - एस.एस.ए. युनिट को गुजरातमें प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा के कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए १ अक्तुबर, २००३ को शुरु किया गया ।

३.१ डी.आर.एस. सेट्स

डायरेक्ट रिसेप्शन सिस्टम (डी.आर.एस.) सेट्स को सभी जिलोंमें तालुका स्तर पर तथा डी.पी.इ.पी. - २ के जिलों बनासकांठा, पंचमहाल एवं डांग में क्लस्टर स्तर पर लगाया गया है। अब तक कुल ३७० डी.आर.एस. सेट्स को गुजरात में लगाया गया है । राज्य के सभी डायेट्स को भी डी.आर.एस. सेट्स प्रदान किए गए हैं। इनको लगाने से डी.पी.ई.पी. एवं एस.एस.ए. के तहत दूरस्थ शिक्षा के राज्य स्तर के विविध कार्यक्रमों को आयोजित करने में सुविधा हो गई है ।

३.२ टेलिकोन्फरन्स

टेलिकोन्फरन्सिंग बडी संख्या में लोगों को प्रशिक्षित करने के लिए मूल्यात्मक रुपसे एक असरदार माध्यम है । कास्केड मोड में देखी जानेवाली प्रसार क्षति प्रशिक्षण के इस प्रकारमें नहीं होती। इसका उपयोग बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को.ओर्डिनेटर्स, शिक्षकों तथा डायेट के लेक्चरर्स को विविध विषयों पर प्रशिक्षित करने के लिए किया जाता है । इसका प्रयोग वी.ई.सी. के सदस्यों को प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रिकरण में उनकी भूमिका के विषय में प्रशिक्षण देने के लिए भी किया गया है । अप्रैल, २००४ से वर्षान्त तक गुजरात में निम्न-दर्शित टेलिकोन्फरन्सीस आयोजित की गई हैं ।

३.२.१ प्रवेशोत्सव २००४ की आनुषांगिक कार्यवाही पर टेलिकोन्फरन्स

३० जुलाइ, २००४ को भास्कराचार्य ईन्स्टीट्यूट ओफ स्पेस एप्लीकेशन एवं जिओ-ईन्फोर्मेटिक्स (बी.आई.एस.ए.जी.) के गांधीनगर स्थित स्टूडियो में प्रवेशोत्सव २००४ की आनुषांगिक कार्यवाही पर राज्य स्तरकी टेलिकोन्फरन्स का आयोजन किया गया था । तज्ज्ञों की पेनलका नेतृत्व स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर तथा डीईपी- एसएसए (नई दिल्ली) से आये हुए फेकल्टी - इनचार्ज - गुजरात द्वारा किया गया था । कोम्युनीकेशन ऑफिसर, युनिसेफ, गुजरात तथा मिडिया एन्ड डोक्युमेन्टेशन ऑफिसर एवं डीईसी इन्चार्ज ने तज्ज्ञों की भूमिका अदा की । राज्यव्यापी प्रवेशोत्सव के दौरान नामांकित बच्चों का

स्थायीकरण सुनिश्चित करने के लिये तथा उन्हें गुणवत्तायुक्त शिक्षण प्रदान करनेके लिये क्या आनुषांगिक कार्यवाही की जाये, इसो विषय पर विस्तृत चर्चा की गई ।

प्रशिक्षार्थियोंके छौर पर टेलिकोन्फरन्स के सीधे प्रसारणको सभी डायट्स, बीआरसी भवनों तथा डीपीईपी २ जिलोंके सीआरसी भवनों पर स्थापित डीआरएस सेट्स के माध्यमसे ग्रहण किया गया । अनुमान है कि इस कार्यक्रममें करीब ४००० व्यक्तिओंने भाग लिया जिनमें बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को.ओर्डिनेटर्स, डायट लेकचरर्स, शिक्षक, बीईसीके सदस्य शामिल थे ।

३.२.२ एसएसए में आईइडीसी पर टेलिकोन्फरन्स

३० दिसम्बर, २००४ को भास्कराचार्य ईन्स्टीट्यूट ओफ स्पेस एप्लीकेशन एवं जिओ ईन्फोर्मेटिक्स (बी.आई.एस.ए.जी.) के गांधीनगर स्थित स्टूडियो से सर्व शिक्षा अभियानमें इन्टीग्रेटेड एज्युकेशन फोर डिसेबल्ड चिल्ड्रन (आईईडीसी) के विषय पर राज्य स्तरकी टेलिकोन्फरन्स का आयोजन किया गया था । तजज्ञों की पेनलका नेतृत्व स्टेट प्रोजेकट डायरेक्टर द्वारा किया गया था। ब्लाईन्ड पीपल्स एज्युकेशन (बीपीए) के आचार्य, एन.ए.बी.के एज्युकेशनल मेनेजर, राज्य के आईईडीसी को.ओर्डिन्टर एवं स्टेट प्रोजेक्ट एन्जिनीयर तथा मिडिया एन्ड डोक्युमेन्टेशन ओफिसर एवं डीईसी इन्चार्ज ने तजज्ञों की भूमिका अदा की । अहमदाबाद जिले के दसक्रोई बीआरसी से आये हुए ४ शिक्षकोंकी टीमने "शाळा प्रवेश अधिकार अमारो" शीर्षक से कठपुतलि कार्यक्रम पेश किया जिसमें विकलांग बच्चोंके स्कूलमें नामांकन की समस्याओं को दर्शाया गया था ।

प्रशिक्षार्थीयोंके छौर पर टेलिकोन्फरन्स के सीधे प्रसारणको सभी डायट्स, बीआरसी भवनों तथा डीपीईपी २ जिलोंके सीआरसी भवनों पर स्थापित डीआरएस सेट्स के माध्यमसे ग्रहण किया गया । अनुमान है कि इस कार्यक्रममें करीब ४००० व्यक्तिओंने भाग लिया जिनमें बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को.ओर्डिनेटर्स, डायट लेकचरर्स, शिक्षक, बीईसीके सदस्य शामिल थे ।

३.२.३ एस.एस.ए. के मोनीटरींग एवं अमलीकरण के विषय पर राष्ट्रीय टेलिकोन्फरन्स

सचिवश्री (प्रारंभिक शिक्षा और साक्षरता), मानव संसाधन विकास मंत्रालयने १६ सितम्बर २००४ के दिन एक राष्ट्रीय टेलिकोन्फरन्स के जरिये सर्व शिक्षा अभियान के अमलीकरण से जुडे राज्योंके प्रमुख अधिकारियों से आंतरक्रिया की, जिनमें शिक्षा सचिव, एसएसए के स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एससीईआरटी के डायरेक्टर और डायट्स के प्राचार्य शामिल थे ।

ईन्दिरा गांधी नेशनल ओपन युनिवर्सिटी, नई दिल्ली स्थित ईएमपीसी स्टुडियो से ज्ञानदर्शन २ चेनल से अपलिंक किया गया था जिसे गुजरात के रीजीयोनल सेन्टर, ईग्नो, छारोडी, अहमदावाद, पर ग्रहित किया गया था ।

इस टेलिकोन्फरन्स में श्री पी. पनीरवेल, अग्र सचिव, शिक्षा, सु.श्री मीना भट्ट, स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एसएसए - डीपीईपी, श्री आर.सी.रावल, डायरेक्टर, प्राथमिक शिक्षा तथा डो. नलिन पंडित, डायरेक्टर, जीसीईआरटी और व्याख्याताओंने भाग लिया ।

श्री पी. पनीरवेलने सर्व शिक्षा अभियानके अमलीकरणमें गुजरातकी समस्याओंको भारत सरकारके सचिवश्री, शिक्षा, के समक्ष प्रस्तुत किया । राज्यमें प्रवेशोत्सव एवं निर्माण कार्यामें प्राप्त कि गई सिद्धियोंका ब्योंरा नई दिल्ली स्थित पेनलको फेक्स द्वारा पेश किया गया ।

३.२.४ एन.पी.ई.जी.ई.एल. और के.जी.बी.वी पर राष्ट्रीय टेलिकोन्फरन्स

गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषदने १८ फरवरी, २००५ को एन.पी.ई.जी.ई.एल. और के.जी.बी.वी के विषय पर आयोजित राष्ट्रीय टेलिकोन्फरन्समें हिस्सा लिया । ईन्दिरा गांधी नेशनल ओपन युनिवर्सिटी, नई दिल्ली स्थित ईएमपीसी स्टुडियो से ज्ञानदर्शन २ चेनल से अपलिंक किया गया था जिसे गुजरातके रीजीयोनल सेन्टर, ईग्नो, छारोडी, अहमदाबाद, पर ग्रहित किया गया था ।

ईस टेलिकोन्फरन्समें स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एसएसए - डीपीईपी, डीईसी इन्चार्ज और ओआईसी मिडिया एन्ड डोक्युमेन्टेशन, ओआईसी जेन्डर एज्यूकेशन, स्टेट प्रोजेक्ट एन्जिनीयर, जिल्ला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी, अहमदाबाद, जिला ओआईसी जेन्डर, अहमदाबाद और साबरकांठा एवं बावळा, सायला और गांधीनगर के बीआरसी को.ओर्डिनेटर्सने भाग लिया ।

स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टरने एनपीईजीईएल तथा केजीबीवी के अमलीकरणमें गुजरातकी समस्याओंको भारत सरकारके सचिवश्री, शिक्षा, के समक्ष प्रस्तुत किया । राज्यमें एनपीईजीईएल तथा केजीबीवी में प्राप्त कि गई सिद्धियोंका ब्योंरा नइ दिल्ली स्थित पेनलको फेक्स द्वारा पेश किया गया ।

३.३ ओडियो प्रोग्राम्स

पर्यावरण विज्ञान, गणित, समाजविद्या एवं वैकल्पिक स्कूल व्यवस्था के शिक्षण के लिए नौ कार्यक्रमोंकी तीन ओडियो केसेट्स विकसित की गई थीं तथा उन्हें डीपीईपी जिलोंमे बी.आर.सी.स्तर तक वितरित किया गया था । सर्व शिक्षा अभियानके तहत इन ओडियो केसेट्स के सेट को नवसंस्करित किया गया तथा बाकी जिलोंमें इसकी ३७५० प्रतोंको बी.आर.सी. तथा सी.आर.सी. तक वितरित किया गया ।

३.४ मोडयुल्स एवं मेन्युअल्स

डीपीईपी के तहत विकसित किये गये निम्नलिखित मोडयुल एवं मेन्युअल्स को आवश्यकता अनुसार सुधार करके पुनःमुद्रित किया गया तथा शिक्षक प्रशिक्षण की सुविधा के लिये बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी.को.ओर्डिनेटर्स तक वितरित किया गया ।

३.४.१ ओडियो केसेट्स युझर्स मेन्युअल

मूलतः डीपीईपीके लिए विकसित किये गये ओडियो केसेट्स युझर्स मेन्युअलमें आवश्यक सुधार करके, एस.एस.ए. के तहत कुल ३७५० प्रतों को पुनःमुद्रित किया गया तथा बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को.ओर्डिनेटर्सको वितरित किया गया ।

३.४.२ एक्शन रीसर्च मोड्युल

मूलतः डीपीईपीके लिए विकसित किये गये एक्शन रीसर्च मोड्युलमें आवश्यक सुधार करके,

एस.एस.ए. के तहत कुल ३७५० प्रतों को पुनःमुद्रित किया गया तथा बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को ओर्डिनेटर्स को वितरित किया गया ।

३.५ रेडियो कार्यक्रम

सामुदायिक अभिप्रेरण के विषय पर एक फोन - ईन रेडियो कार्यक्रम निर्मित किया गया जिसे ३० मार्च, २००४ को आकाशवाणी (गुजरात) की विविध भारती और प्राथमिक चैनल पर प्रसारित किया गया ।

एनपीईजीईएल के विषय पर एक फोन - ईन रेडियो कार्यक्रम निर्मित किया गया जिसे ६ अप्रैल, २००४ को आकाशवाणी (गुजरात) की विविध भारती और प्राथमिक चैनल पर प्रसारित किया गया ।

सर्व शिक्षा अभियान के लिये जनसमर्थन प्राप्त करने के लिये प्रसार माध्यमों द्वारा मुहिम चलायी गई । प्राथमिक शिक्षा के लिये अधिक माँग और जागृति पैदा करने के लिये आकाशवाणी की विविध भारती और प्राथमिक चैनल पर रेडियो स्पोट्स लिये गये थे जिनके द्वारा मान. मुख्यमंत्रीश्री एवं मान. शिक्षा मंत्रीश्री के संदेशों का राज्यव्यापी प्रसारण किया गया । ईन रेडियो स्पोट्स को जून २००४ के प्रवेशोत्सव के दौरान अधिकतम असर प्राप्त करने के लिये प्रसारित किया गया था ।

मिडीया ऐन्ड डोक्यूमेन्टेशन यूनिट द्वारा कन्या शिक्षाको प्रोत्साहित करने के लिये दो और फोन - ईन रेडियो कार्यक्रम दिनांक १९ और २६ अक्तूबर २००४ प्रसारित किये गये । आकाशवाणी अहमदाबादसे वैकल्पिक शिक्षा के विषय पर एक अन्य फोन- ईन रेडियो कार्यक्रम दिनांक २८ अक्तूबर २००४ को प्रसारित किया गया था ।

३.६ डी.ई.पी. - एस.एस.ए. के स्टेट रीसोर्स ग्रूप की द्वितीय बैठक

डी.ई.पी. - एस.एस.ए., गुजरात के स्टेट रीसोर्स ग्रूप (एस.आर.जी.) की द्वितिय बैठक ३० जुलाई, २००४ को गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद के स्टेट प्रोजेक्ट ओफिसके कोन्फरन्स होल में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता सुश्री मीना भट्ट, स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टरने की थी । प्रो.वी.पी.गर्ग, फकल्टी इन-चार्ज डी.इ.पी. - एस.एस.ए. नइ दिल्ली ने भी इस महत्त्वपूर्ण बैठकमें हिस्सा लिया जिसमें डीईपी- एसएसए की प्रगतिकी समीक्षा की गई तथा वर्ष २००४ - ०५ के एन्युअल वर्क प्लान और बजट की चर्चा की गई ।

३.७ आईईडी विषय पर शिक्षक प्रशिक्षण के लिये सोफ्टवेर

सर्व शिक्षा अभियान के दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के तहत गुजरात द्वारा मुख्य प्रवाह की स्कूलों में विशेष आवश्यकताओंवाले बच्चों को सीखाने के लिये शिक्षकों की अध्यापनविद्याकीय जरुरतों की आपूर्ति करने का प्रयास हो रहा है जिसके लिये ब्लाईन्ड पीपल्स एसोसीयेशन (बीपीए), अहमदाबाद के साथ विचार-विमर्श किया जा रहा है । बीपीए की तज्ज्ञता द्वारा ब्रेल लिपी की शिक्षा के लिये ३० - ४५ मिनट की एक ओडियो सीडी तथा श्रवण एवं दृष्टि की विकलांगता तथा मंदबुद्धि के बच्चों की शिक्षा के लिये ३० मिनट की ३ विडीयो सीडी तैयार करने का प्रस्ताव है ।

प्रकरण : ४

समुदायों का अभिप्रेरण

४.० सामुदायिक अभिप्रेरण

गाँव के स्कूलों के प्रति लोगों में सामुदायिक मालिकी का भाव प्रस्थापित करने के हेतु समुदाय विशेष को सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करना कार्यक्रम के सामने सबसे बडी चुनौती रही है । सामुदायिक सहभागिता खडी करने के लिए डीपीईपी तथा सर्व शिक्षा अभियानके तहत गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद ने विशेष रणनीतियाँ एवं व्यवधान विकसित किए हैं तथा सहभागितापूर्ण कार्यरचनाएँ कारगर बनाई हैं ।

४.१ अभिप्रेरण मुहिम

सामुदायिक जागृति और वातावरण निर्मित करने हेतू स्थानिक स्तर पर मुहिम की पद्धति का उपयोग किया गया । मई- जून, २००४ के दौरान, प्रिन्ट एवं दृश्य- श्राव्य माध्यमों के साथ-साथ स्थानिक स्तर पर सांस्कृतिक तौर पे योग्य माध्यमों का बालमहोत्सवों, प्रभात-जुलूस, मशाल-यात्राओं के लिये लगातार उपयोग किया गया ।

पिछले वर्ष के दौरान सामुदायिक अभिप्रेरण के लिए मुख्यतः निम्न दर्शित कार्यक्रम किए गये :

- सांस्कृतिक प्रतिभा खोज प्रवृत्तिओं का आयोजन ।
- विचारवस्तुलक्षी नाटिकाएँ और लोकनाट्य स्वरुपों का (भवाई) का उपयोग।
- स्थानिक लोकमेलों में स्टोल खडे किए गए।
- स्थानिक समुदायों के लिए टी.एल.एम. प्रदर्शनियों का आयोजन ।
- सामुदायिक अभिप्रेरण की रणनीतियों पर चर्चा करने जिला स्तर पर जागृति बैठकों का आयोजन
- जागृति कार्यक्रमों का आयोजन
- आदिजाति विस्तारों में लडकियों के नामांकन हेतू विशेष मुहिमें की गई ।
- समुदायों में कन्या - शिक्षा के लिए बैठकों का आयोजन
- जेन्डर फोकस विस्तारों में महिला जागृति शिबिर, माँ - बेटी संम्मेलन जैसी विशिष्ठ अभिप्रेरण मुहिमों का आयोजन
- नामांकन के लिए मुहिम शुरु करने से पहले वी.ई.सी, पी.टी.ए., एम.टी.ए. की विशेष बैठकों का आयोजन

४.२ सामुदायिक नेताओं के लिए प्रशिक्षण

सर्व शिक्षा अभियान के तहत क्लस्टर स्तर पर सामुदायिक नेताओं के लिये बी.आर.सी. तथा सी.आर.सी. को ऑर्डिनेटर्स के सहयोग से प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । ईसके लिये प्रत्येक रेवेन्यु गाँव के वी.ई.सी., एम.टी.ए तथा पी.टी.ए. के सदस्यों में से चुने गये ८ सामुदायिक नेताओं की पहेचान

की गई तथा ग्राम स्तर पे प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने की तालीम दी गई ।

सामुदायिक नेताओं को परियोजना के अमलीकरण में भूमिका अदा करने के लिये संवेदित किया गया । ईन्हें विद्यालय अनुदान, शिक्षक अनुदान, विद्यालय मरामत तथा निभाव अनुदान के उपयोग के बारेमें ज्ञान दिया गया । प्रशिक्षण, अभिसंस्करण, कार्यशिबिर और अनुभवों को बाँटने की प्रवृत्तियों द्वारा क्षमता निर्माण करना अभिप्रेरण रणनीति के भागरुप रहा है । स्कुल - समुदाय के बीच संकलन बनाने, वी.ई.सी., एम.टी.ए. और पी.टी.ए. को कौशल प्रदान करने और उसे मजबूत बनाने के लिए उन्हें नियमित और आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षण दिया गया । वी.ई.सी., एम.टी.ए. और पी.टी.ए. के अभिसंस्करण के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार की गई । वी.ई.सी. को कास्केड मोड में प्रशिक्षण दिया गया, जब कि बी.आर.सी और सी.आर.सी. संकलनकारों का प्रमुख प्रशिक्षकों के रूप में अभिसंस्करण किया गया । वी.ई.सी.,एम.टी.ए. और पी.टी.ए. के बीच लगातार बैठकें होती रहीं।

४.३ कन्या केळवणी रथयात्रा : प्रवेशोत्सव २००४

मान. मुख्यमंत्रीश्री के नेतृत्व एवं मान. शिक्षा मंत्रीश्री की सीधी निगरानी में आयोजित राज्यव्यापी प्रवेशोत्सव के प्रमुख घटक के रुप में कन्या केळवणी रथयात्रा को समग्र गुजरात में प्रचंड सफलता प्राप्त हुई ।

दिनांक १४,१५ और १६, २००४ के दौरान ५ + वर्ष के कुल २,१२,४५० बच्चों का कक्षा १ में नामांकन हुआ जिसमें १,०३,६१६ लडकियाँ तथा १,०८,८३४ लडके थे । कार्यक्रम की ज्वलंत सफलता का अंदाजा ईस बात से लगाया जा सकता है कि प्रवेशोत्सव के ईन तीन दिनों के दौरान स्थानिक समूदायों द्वारा स्कूलों को कुल रु. १,४७,६४,७७६ के मूल्य का दान प्राप्त हुआ, जिसमें रु. २१,३३,४०२ की रोकड रकम, रु. ३५,९८,५०० की कीमत के नर्मदा बोन्ड एवं रु ९०,३२,८७४ के मूल्यकी अन्य वस्तुओं का समावेश होता है । ईन तीन दिनों के दौरान राज्यके ७७६५ गाँवों के ९४५८ स्कूलों में कन्या केळवणी रथयात्रा निकाली गई ।

सभी केबीनेट मंत्रीश्रियों, मुख्य सचिव एवं २६८ श्रेयान अधिकारियों के नेतृत्व में २० प्रतिशत से कम महिला साक्षरतावाले २०८२ गाँवों में कन्या केळवणी रथयात्रा निकाली गई । पूर्व निर्धारित रणनीति के अनुसार प्रत्येक मंत्रीश्री तथा अधिकारी ने प्रति दिन ५ गाँवों की मुलाकात ली ताकि प्रत्येक व्यक्ति द्वारा कम से कम १५ ऐसे गाँवों की मुलाकात ली जा सके जहाँ कन्याओं का १०० प्रतिशत नामांकन सिद्ध करने तथा महिला साक्षरता बढाने के लिये विशेष प्रयास करने की सख्त जरुरत है ।

नामांकन झुंबिश को स्कूलों में आनंद-उल्लास के वातावरण में मनाया गया । नामांकन के लिये माता - पिता के साथ आये हुए तथा प्रसंग के अनुरुप सजे बच्चों का स्वागत स्कूलो में शिक्षकों, बच्चों तथा वीईसी, एमटीए, पीटीए सदस्यों द्वारा किया गया । नवनामांकित बच्चों को तिलक किया गया तथा कागज की रंग-बिरंगी टोपियाँ पहेनाई गई । उन्हें मिठाइयाँ भी बाँटी गई । उन्हें ईस बात का अहेसास

कराया गया कि स्कूल एक मजेदार और आनंददायक जगह है ।

ग्राम शिक्षा समिति, एमटीए, पीटीए तथा स्व-सहाय जूथों द्वारा घनिष्ठ सहभागीता के अहेवाल राज्यभर से प्राप्त हुए । हर स्कूल में मान. शिक्षा मंत्री द्वारा प्रेषित संदेश का पठन किया गया तथा वीईसी, एमटीए, पीटीए के सदस्यों द्वारा प्रतिज्ञापत्र पर हस्ताक्षर किये गये, जिसमें यह संकल्प दर्शाया गया था कि स्कूलों में बच्चों के, विशेषतः कन्याओं के १०० प्रतिशत नामांकन एवं स्थायीकरण के लिये वे संपुर्ण प्रयास करेंगे ।

दाताओं द्वारा नव नामांकित बच्चों को बस्ते, स्लेट, पेन, पेन्सिल, पाठ्यपुस्तक, नोटबुक्स तथा गणवेश का दान किया गया । अल्प महिला साक्षरतावाले गाँवों में विद्या लक्ष्मी योजना के तहत नव नामांकित कन्याओं को रु. १००० के नर्मदा बोन्ड दिये गये । ईस उपलक्ष्य में राज्य के सभी स्कूलों में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोगों ने बडी संख्या में भाग लिया ।

४.४ मिडिया की हिमायत

प्राथमिक शिक्षा, खास करके लडकियों की शिक्षा की हिमायत, मिडिया और प्रत्यायन का केन्द्र रूप विस्तार रहा है । नामांकन और स्थायीकरण के मुद्दों पर काम करते शिक्षित जूथ, मिडिया संदेश, मिडिया के विकल्प आदि के विवरण के साथ अच्छी तरह डिझाईन की गई मिडिया मिक्स व्यूहनीति का उपयोग किया गया है । इसकी वजह से आधार स्तर पर समुदाय के द्वारा डीपीईपी और एसएसए ने बहुत अच्छी नामना पाई है । इसके अलावा डीपीईपी और एसएसए ने परियोजना के सभी स्तरो पर कार्यकर्ताओं में बहुत ही महत्त्वपूर्ण विश्वास का सिंचन किया है ।

४.५ स्थानिक नेताओं का प्रशिक्षण

सर्व शिक्षा अभियान जिलो में बीआरसी और सीआरसी को.ओर्डिनेटर्स की तजज्ञता में समुदायिक नेताओं को ग्राम्य स्तर पर प्रशिक्षण दिया गया । ईसके लिये ग्राम्य स्तर पर ८ सामुदायिक नेताओं का चयन किया गया, जिन्हें प्रारंभिक शिक्षा के सार्वत्रिकरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने की तालीम दी गई । सर्व शिक्षा अभियान के तहत कुल १,७२,२४८ सामूदायिक नेताओं को प्रशिक्षित किया गया ।

इस वर्ष कुल २२९०६ वी.ई.सी., ११५ वोर्ड एज्यूकेशन कमिटी, ३१५७८ एम.टी.ए. और ३१५७८ पी.टी.ए. के सदस्यों को प्रारंभिक शिक्षा के सार्वत्रिकरण में उनकी भूमिका के विषय में नवसंस्करण एवं प्रशिक्षण दिया गया । उन्हें सौ प्रतिशत नामांकन के लिए झुबिशों के आयोजन और स्थायीकरण के विकास और ड्रोप - आउट को घटाने के लिए प्रशिक्षण सह अभिसंस्करण दिया गया।

४.६ वी.ई.सी. के लिए पुस्तिकाएं

संस्था के भीतर ही सरल गुजराती भाषा में वी.ई.सी. के लिए पुस्तिका विकसित की गई जिसे राज्यभर की ग्राम शिक्षा समितियों को वितरित किया गया । पोकेट साईझ की ईस पुस्तिका में सर्व शिक्षा अभियान के सभी प्रमुख पहलुओं को, जैसे कि शिक्षक प्रशिक्षण, वैकल्पिक स्कूल व्यवस्था, कन्या

शिक्षा, निर्माण कार्य, विकलांग बच्चों के लिए संकलित शिक्षा (आई.ई.डी.) तथा परियोजना के आर्थिक धोरणों के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई है । इस पुस्तिका से वी.ई.सी. सभ्यो एवं समुदायों के लिए सर्व शिक्षा अभियान की बारीकियों को समझना आसान हो गया हैं, जिससे कि वे आधारस्तर पर सभी कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका अदा कर सकते हैं ।

४.५ सामुदायिक ढाँचों का सशक्तिकरण

प्रशिक्षणों, कार्यशिबिरों और अनुभवों के आदान- प्रदान की प्रवृत्तियों द्वारा क्षमता निर्माण डीपीइपी गुजरात के अभिप्रेरण व्यूह का मुख्य अंग है । वी.ई.सी., एम.टी.ए/ पी.टी.ए के सदस्यो में विद्यालय - समुदायों के बीच संबंधों के मजबूतीकरण की क्षमता का निर्माण करने के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण दिया जाता है । वी.ई.सी., एम.टी.ए / पी.टी.ए के अभिसंस्करण के लिए प्रशिक्षण सामग्री भी विकसित की गई है । वी.ई.सी. को बी.आर.सी. और सी.आर.सी द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है, जो उनके प्रमुख प्रशिक्षक है । वी.ई.सी., एम.टी.ए और पी.टी.ए के बीच निरंतर रूप से बैठकें भी होती हैं । परियोजना के जिलों में वी.ई.सी.ओं, एम.टी.ए.ओं और पी.टी.ए.ओं के गठन और प्रशिक्षण का ब्यौरा इस प्रकार है :

गुजरात में रचित वीईसी और डबल्युईसीकी संख्या :

क्रम	जिला	वीईसी की संख्या	एम.टी.ए की संख्या	पी.टी.ए की संख्या
१	अहमदावाद	८२४	८९५	८९५
२	अमरेली	७७३	७७३	७७३
३	आणंद	१०५१	१०५१	१०५१
४	बनासकांठा	८२७	२०९४	२०९४
५	भरुच	९२६	९२६	९२६
६	भावनगर	८९४	११२८	११२८
७	दाहोद	६७१	१५२७	१५२७
८	डांग	३११	४१०	४१०
९	गांधीनगर	५६३	६४०	६४०
१०	जामनगर	११६३	१३१७	१३१७
११	जूनागढ	९१३	११३२	११३२
१२	खेडा	१६७४	१६७४	१६७४
१३	कच्छ	१२८६	१४७०	१४७०
१४	महेसाणा	९२१	९२१	९२१
१५	नर्मदा	६८०	६८०	६८०
१६	नवसारी	६२३	७४७	७४७
१७	पंचमहाल	११७४	२२६२	२२६२
१८	पाटण	७२४	८०१	८०१
१९	पोरबंदर	१५६	२९९	२९९
२०	राजकोट	१०९८	१२८३	१२८३
२१	साबरकांठा	७१६	२४३०	२४३०

२२	सुरत	१६९८	१८२६	१८२६
२३	सुरेन्द्रनगर	६९२	९४०	९४०
२४	वडोदरा	१५७६	२२४८	२२४८
२५	वलसाड	९७२	९७२	९७२
	कुल	२२९०६	३०४४६	३०४४६
क्रम	**जिला**	**डब्ल्यूईसी की संख्या**	**एम.टी.ए की संख्या**	**पी.टी.ए की संख्या**
२६	अहमदाबाद कोर्पो	४३	५३२	५३२
२७	वडोदरा कोर्पो.	१६	२२५	२२५
२८	राजकोट कोर्पो.	२३	९९	९९
२९	सुरत कोर्पो.	३३	२७६	२७६
	कुल	११५	११३२	११३२
	कुल	२३०२१	३१५७८	३१५७८

सभी गाँवो में पेरेन्ट काउन्सिल गठित की गई है जिनके सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया है। अब वे माता-पिता एवं समुदायों के रुख में बदलाव लाने की दिशा में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं जिससे विभिन्न विकलांगताओं के बारे में उनमें जागृति लाई जा सके । अब तक सामने आए परिणामों के अनुसार, उन्हों ने विकलांग बच्चों के संकलित शिक्षण के प्रति उनके माता - पिता की सोच को असरदार तरीके से बदला है ।

४.६ समुदायों का योगदान

इस वर्ष नामांकन झुंबिश के दौरान परियोजना जिलों के गाँवों से स्थानिय समुदायों द्वारा बडी धनराशि तथा वस्तुओं का अनुदान प्राप्त किया गया । बी.आर.सी., अतिरिक्त वर्गखण्डो और प्राथमिक शालाओं के निर्माण हेतू गाँववालों ने जमीन के बडे प्लोट भी दान में दिए । नकद एवं जमीन के दान के अलावा स्थानिय लोगों ने पेन, पेन्सिलें, स्लेटें, नोट- बुक्स, नकशों, चार्टों वगैरह की भी भेंट - सौगाद देकर अपना योगदान दिया । डांग जिले में लोगों का योगदान मुख्यतः देशी हिसाब, पेन, पेन्सिलों जैसी वस्तुओं का रहा ।

सामुदायिक ढाँचों के सशक्तिकरण से सही मायनों में कार्यक्रम का विकेन्द्रीकरण हो पाया है। यह पता चलता है कि वी.ई.सी., एम.टी.ए / पी.टी.ए. और पेरेन्ट काउन्सिलों को विविध विद्यालयों के व्यवस्थापन प्रवृत्ति में सक्रियता से शामिल किया गया है । परियोजना के जिलों में ग्रामवासीयों का बडे पैमाने का योगदान यह दर्शाता है कि स्थानिय समुदायों में स्वामित्व की भावना पैदा करने में बडी सफलता हाँसिल हुई है ।

प्रकरण : ५

कन्या शिक्षा की समस्याओं का समाधान

५.० लडकियों की शिक्षा

एस.एस.ए, एन.पी.ई.जी.ई.एल तथा डी.पी.ई.पी. के उद्देश्यों में शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक असमानताओं को कम करने पर विशेष ध्यान दिया गया है । नामांकन के निम्न स्तर, लडकियों के स्थायीकरण और उपलब्धियों में, खास कर सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछडे हुए संवर्ग के स्तर पर विशेष ध्यान दिया जाता है। लडकियों को शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराने तथा उनके नामांकन एवं स्थायीकरण को बढाने के लिए गुजरात में विशिष्ठ व्यूहों को अपनाया गया है । लैंगिक रूप से संवेदनशील अभ्यासक्रम और पाठ्य पुस्तकों का विकास किया गया है । सारे नये विद्यालय भवनों में लडकियों के लिए अलग शौचालयों की सुविधा दी गई है । विद्यालय में लडकियों की उपस्थिति को बढावा देने के हेतू से ई.सी.सी.ई.- ए.एस. केन्द्र भी खोले गए है ।

राज्य संसाधन गुटों एवं जिला संसाधन गुटों को स्थानिय विशिष्ठ जरूरतों के आधार पर कन्या शिक्षा व्यूह बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई । जनजागरण सामग्री जैसे कि पोस्टर्स, हस्तपुस्तिका और ब्रोशर्स तैयार किए गए । लैंगिक प्रशिक्षण मोडयुल्स को विशेष रूप से शिक्षकों, प्रमुख प्रशिक्षकों और बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को.ओर्डिनेटर्स के लिए तैयार किया गया ।

कार्यक्रम में समुदायों को, विशेषतः महिलाओं को सत्ताशील बनाने पर ज्यादा महत्व दिया गया है । कार्यक्रम के हर पहलू पर उनकी निर्णायक भूमिका के निभाने पर ज्यादा जोर दिया गया है । इस दिशा में, ग्राम्य स्तर की स्थानिय ईकाइयों, जैसेकि वी.ई.सी., एम.टी.ए और पी.टी.ए को उनके अपने क्षेत्र में लडकियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने की जिम्मेदारी निभा पाने के लिए समर्थ बनाया गया । महिला समूहों, महिला समुदायों और पंचायत के सदस्यों जैसे समुदायों को लडकियों की शिक्षा के मद्देनजर सघन तालीम दी गई । इसके साथ साथ, समुदायों और महिला संगठनों को अभिप्रेरण और विद्यालय व्यावस्थापन और नामांकन के नियंत्रण तथा प्रतिधारण एवं लडकियों पर विशेषतः ध्यान देते हुए उपलब्धि के स्तर में पिरोया गया ।

५.१ प्राथमिक शिक्षा में लैंगिक असमानताओं को कम करना

गुजरात में यह माना गया है कि महिलाओं को सामर्थ्यवान बनाने का सही तरीका उन्हें शिक्षा प्रदान करना है । माताओं को सबसे पहले शिक्षित करना होगा और उन्हे अपनी लडकियों को शिक्षित कराने के महत्व के बारे में जागृत कराना होगा । शिक्षा के व्याप में प्रवर्तमान लैंगिक और सामाजिक असमानताओं को कम करने पर भार देते हुए, गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद द्वारा लडकियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए एस.एस.ए., एन.पी.इ.जी.इ.एल. तथा डी.पी.इ.पी. के तहत बहुविध व्यवधानों की आजमाईश की जा रही है। लोगों मे, खास कर महिलाओंमें अपने बच्चों को पाठशाला भेजने का उत्साह संचालित हो, इस हेतु दृढ निश्चयपूर्वक कोशिशें की जा रही हैं । प्राथमिक शिक्षा में माँग की

बढोतरी के लिए इसे जरूरी माना गया है । विद्यालयों द्वारा समुदायों और शाला के संबंधो की सुदृढता के बारे में ग्राम्य समुदायों, खास तौर पर महिलाओं की ग्रंथित मान्यताओं को बदलने का व्यूह है ।

जागृति अभियान के लिए ऐसे ब्लोक एवं क्लस्टर का चयन किया गया जहां लडकियों की शिक्षा का व्याप कम हो । सभी जिलों मे महिला जागृति संमेलन आयोजित किए गए। अभिप्रेरण के लिए रैलियां, प्रभात फेरियां, तमाशा पार्टीओं का भी उपयोग किया गया ।

एम.टी.ए. सदस्यों और महिला समूहों को स्व- जागृति के लिए और लडकियों की शिक्षा मे उनकी भूमिका के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए गुजराती में एक हस्तपुस्तिका और पोस्टरों विकसित किया गया तथा सभी स्कूलों में वितरित किया गया । एम.टी.ए. के सदस्यों के प्रशिक्षण के लिए बनाई गई हस्तपुस्तिका में कुछ खास विषयों को शामिल किया गया है, जैसे कि लडकियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए विशिष्ठ योजनाओं के बारें में जानकारी (इसीसीइ. - ए.एस.), एम.टी.ए की संरचना के लिए मार्गदर्शन, एम.टी.ए बैठकों की सारणी और बैठकों का एजन्डा, एम.टी.ए. की भूमिका और कार्य, एम.टी.ए. के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सारणी और लैंगिक संवेदीकरण के लिए करने योग्य कार्यों की सूचि ।

वर्गखंडो की आंतरक्रिया और प्रक्रियाओं मे समान अवसर उपलब्ध कराने के हेतू शिक्षकों के लिए गुजराती में एक प्रशिक्षण मोडयुल विकसित किया गया और परियोजना के जिलों की सभी पाठशालाओं में इसे वितरित किया गया ।

५.२ नेशनल प्रोग्राम फोर एज्युकेशन ओफ गर्ल्स एट अेलीमेन्टरी लेवल (एन.पी.ई.जी.ई.एल) :

सर्व शिक्षा अभियानमें कन्या शिक्षाके घटकको सशक्त बनाने के हेतूसे नेशनल प्रोग्राम फोर एज्युकेशन ओफ गर्ल्स एट अेलीमेन्टरी लेवल (एन.पी.ई.जी.ई.एल) अर्थात् प्रारंभिक शिक्षा के स्तर पर कन्या शिक्षा के राष्ट्रीय कार्यक्रम को राज्य में प्रारंभित किया गया ।

एन.पी.ई.जी.ई.एल. के धोरणों के अनुसार, इसे गुजरात के २१ जिलों (वलसाड, पोरबंदर, डांग और भरूच को छोडकर) के शैक्षिक रूप से पिछडे हुए उन ७८ तालुकों और १३ शहरी झोंपडपट्टियों के १०९३ क्लस्टर्स में शुरु किया गया जहां पर, राष्ट्रीय औसत की तुलनामें, महिला साक्षरता कम है तथा साक्षरता का लैंगिक भेद अधिक है ।

इस कार्यक्रम के तहत हर तालुके में एक स्कुल को मोडल क्लस्टर स्कुल के तौर पर विकसित किया जा रहा है जो कि उस विस्तार में कन्या शिक्षा के विविध कार्यक्रमों का केन्द्रबिंदु होगा । ईसके तहत अतिरिक्त लाभ भी दिये जा रहे है जैसे कि स्कुलों, शिक्षकोंको पारितोषिक, सिखने- सिखाने के लिए शैक्षिक साधन- सामग्री, शौच सुविधाएं, विद्युतकरण, पेयजल सुविधा तथा शिक्षकों एवं स्थानिक समुदायों के लिए प्रशिक्षण समर्थन तथा संवेदीकरण कार्यक्रम ।

एन.पी.ई.जी.ई.एल.के तहत ४५८ मोडल क्लस्टर स्कूल्स निर्मित किये गये जिनमें अतिरिक्त वर्गखंड, पेय-जल सुविधा, बिजली तथा स्वच्छता संकुल की सहुलतें प्रदान की गई । कक्षा १ से ७ की मोडल

क्लस्टर स्कुलों की लडकियों को प्रति कन्या रु.१५० के मूल्य के स्थानीयरूप से लिये गए टी.एल.एम. शैक्षिक उपकरण तथा वस्तुएं दी जा चूकी है । ईसके अतिरिक्त हर क्लस्टर के कम से कम २० शिक्षकों को एन.पी.ई.जी.ई.एल. के तहत कन्या शिक्षा के विशेष मुद्दों की तालीम दी जा रही है ।

एन.पी.ई.जी.ई.एल. के तहत ७८ ईबीबी एवं १३ शहरी झोंपडपट्टी के हर क्लस्टर के २० शिक्षकों को एक ३ दिवसीय कार्यक्रम के दौरान कन्या शिक्षा के विशेष मुद्दों पर संवेदित किया गया।

५.३ लडकियों के लिए इ.सी.सी.इ केन्द्र :

पूर्व प्राथमिक और प्राथमिक शिक्षा को जोडने के हेतु ई.सी.सी.ई. केन्द्र उन बस्तियोंमे खोले जा रहे हैं जहाँ इनकी सुविधा नहीं है । मार्च ३१, २००५ तक कुल ५३५२ ई.सी.सी.ई केन्द्र गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद द्वारा एस.एस.ए., एन.पी.ई.जी.ई.एल. तथा डीपीईपी के तहत खोले जा चूके है । विविध योजनाओं द्वारा खोले गए ई.सी.सी.ई. केन्द्रों का जिल्लावार विवरण इस प्रकार है :

नं	जिला	एन.पी.ई.जी.ई.एल.	एस.एस.ए.	डी.पी.ई.पी.	कुल
१	अहमदाबाद	८६	१९९		२८५
२	अमरेली	३८	१३२		१७०
३	आणंद	६	३५१		३५७
४	बनासकांठा	१२०			१२०
५	भरुच		१७५		१७५
६	भावनगर			५६७	५६७
७	दाहोद	२३०			२३०
८	डांग		१९		१९
९	गांधीनगर	९	२७६		२८५
१०	जामनगर			२३९	२३९
११	जूनागढ			२३७	२३७
१२	खेडा	१३	३४४		३५७
१३	कच्छ			११०	११०
१४	महेसाणा	१०	१७५		१८५
१५	नर्मदा	३५	९६		१३१
१६	नवसारी	८०			८०
१७	पंचमहाल	२४८	२०९		४५७
१८	पाटण	७०			७०
१९	पोरबंदर		८०		८०
२०	राजकोट	५८	१५२		२१०
२१	साबरकांठा			१९०	१९०
२२	सुरत	८	११०		११८
२३	सुरेन्द्रनगर			२८०	२८०
२४	वडोदरा	४३	१००		१४३
२५	वलसाड		३५७		३५७
	कुल	१०५४	२६७५	१६२३	५३५२

५.४ माँ - बेटी संमेलन

एस.एस.ए, एन.पी.ई.जी.ई.एल तथा डी.पी.ई.पी. के तहत अल्प महिला साक्षरता वाले गावों में साक्षरता बढाने के लिए माँ - बेटी संमेलन आयोजित किये जाते है। वर्ष २००४ - ०५ में लगभग १००० माँ - बेटी संमेलन आयोजित किये गये, जिनमें बी.ई.सी., एम.टी.ए तथा पी.टी.ए के सदस्यों ने कन्या शिक्षा की समस्याओं को सुलझाने के विषय पर संवेदित किया गया। गुजरात के ग्रामिण विस्तारों में शिक्षा के क्षेत्र में पाये जाने वाले लैंगिक फर्क मिटाने के लिये मनोरंजक भवाई, डायरो एवं तमाशा जैसे शिक्षादायी मनोरंजन कार्यक्रमो आयोजित किये गये ।

५.५ आंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के विशेष कार्यक्रम

एस.एस.ए, एन.पी.ई.जी.ई.एल तथा डी.पी.ई.पी. के तहत ८ मार्च २००५ आंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिये राज्य, जिला, तालुका तथा क्लस्टर स्तर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किये गये। राज्यभरमें कन्या शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिये जुलुस, झाँकियां, प्रदर्शनियाँ, प्रतियोगिताएं तथा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये ।

५.६ कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय (के.जी.बी.वी)

कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) योजना के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछडी जातियों तथा लघुमति की कठिन विस्तारों में रहनेवाली तथा प्राथमिक शिक्षा नियमित रुप से नहीं पा सकनेवाली कन्याओं के लिये कक्षा १ से ७ तक की रिहायशी सुविधा वाले स्कूल खोले जा रहे है । भारत सरकार द्वारा गुजरात के १८ जिलोंमें ३० कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय खोलने की मंजूरी दी गई है जिनमें १८ टाईप - ए स्कूल (१०० कन्याओ के लिये) और १२ टाईप - बी (५० कन्याओ के लिये) स्कूल हैं ।

स्कूल से बाहर रहनेवाली लडकियों के माता - पिताओंको रुबरु संपर्क द्वारा समझाया गया कि वे अपनी बेटियों को कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालयमें नामांकित करें । इस परियोजना के लिये जागृति पैदा करने एवं सामूदायिक जनसमर्थन के लिये बीईसी, एमटीए, पीटीए की बैठकें की गई । जिला, ब्लोक, क्लस्टर तथा ग्राम्य स्तर पर लैंगिक भेदभाव हटाने, कन्याओं के जीवन कौशल्य को बढाने तथा उन्हें गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के हेतु समितियोंकी रचना की गई ।

कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय के लिये जमीन संपादन प्रक्रिया जारी है एवं स्टेट प्रोजेक्ट ऑफिस के सिविल वर्कस युनिट द्वारा भवनों की संरचना तैयार की गई है । ईन विद्यालयों में बिस्तर एवं अन्य सामग्री प्रदान की गयी है ।

फरवरी २००५ से वैकल्पिक शिक्षा के कार्यान्वित हो चूके है जिनके लिये नियुक्त बालमित्रों को वर्गखंडमें कन्याओं के लिये अनुकूल वातावरण निर्माण करनेकी तालीम जिले स्तर पर दी गई है ।

५.७ कन्या शिक्षा के प्रोत्साहन के लिये अयोजित विशेष क्रिया - कलाप

कन्या शिक्षा के प्रोत्साहन के लिये गुजरात में इस वर्ष निम्न दर्शित विशेष क्रिया - कलाप

कन्या शिक्षा

बनासकांठा जिले के वाव स्थित एक ईसीसीई केन्द्र में विशेष तौर पर दिये गये टीएलएम के साथ खेलते हुए पूर्व प्राथमिक स्तर के बच्चे।

कन्या शिक्षा के महत्व के विषय में जनचेतना जागृत करने के हेतु से नवसारी जिले के गाँव धरमपुरी के एक स्कूल में आयोजित साईकल स्पर्धा में हिस्सा लेती हुई बालिकाऐं।

अमरेली जिले के राजुला तालुके के गाँव झिझका में आयोजित एक माँ - बेटी संमेलन के दौरान कन्याओं के अधिकारों के विषय में चर्चा करती हुई माताएं ।

आयोजित किये गये :

- स्थानांतर करनेवाले परिवारोंकी कन्याओंके लिये नवेम्बर २००४ से अप्रैल २००५ तक एक विशेष ६-माही निवासी अभ्यासक्रम के तहत भावनगर, दाहोद, पंचमहाल, सुरत एवं साबरकांठा जिलों में १२ केन्द्र खोले गये ।
- एसएसए, एनपीईजीईएल और डीपीईपी के अंतर्गत अल्प (०-३५ प्रतिशत) महिला साक्षरता वाले गाँव में कन्याओं को ३- माही उपचारात्मक शिक्षा दी गइ ।
- वैकल्पिक शिक्षा के तहत १९२३ बालसखियों को प्रशिक्षण दिया गया ।
- कन्या शिक्षा को स्कूलों में ज्यादा असरदार बनाने के लिये १०२४० शिक्षकों को कन्या शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में प्रशिक्षण दिया गया ।
- दर्पण एकडेमी, अहमदाबाद के सहयोग से शिक्षकों, बीआरसी एवं सीआरसी को ओर्डिनेटर्स को कठपुतली प्रयोग द्वारा बच्चों को शिक्षा देने तथा लोगों में जागृति पैदा करने के लिये राज्य, जिला, तालुका तथा क्लस्टर स्तर पर प्रशिक्षण दिया गया । कुल २३०० शिक्षकों, ७८ बीआरसी को ओर्डिनेटर्स एवं ११३२ सीआरसी को ओर्डिनेटर्स को प्रशिक्षण दिया गया । एनपीईजीईएल के तहत प्राथमिक शिक्षा के कठिन बिंदुओं को सिखाने के लिये कठपुतलियों का प्रयोग एक साधन की तरह किया जा रहा है ।
- ८ मार्च २००५ के दिन विविध स्तर पर कठपुतली कार्यक्रम आयोजित किये गये ।
- कठपुतली निर्माण एवं उपयोग के लिये एक विशेष मोड्युल तैयार किया गया जिसे सीआरसी स्तर पर वितरित किया गया ।
- एनपीईजीईएल एवं एसएसए के तहत जीवन कौशल्य विकसित करने के उद्देश्य से कक्षा ६ और ७ की अधिकतर कन्याओं को साईकल चलाना सिखाया गया ।
- दिसम्बर २००४ और जनवरी २००५ के दौरान क्लस्टर स्तर पर साईकल स्पर्धाओं का आयोजन किया गया ।
- स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के विषय में एक मोडयुल विकसित किया गया और स्कूलों मे वितरित किया गया ।
- वर्गखंड में कन्या शिक्षा संवेदित वातावरण निर्माण करने के लिये एक विशेष मोड्युल "बाल किल्लोल" विकसित किया गया और स्कूलों में वितरित किया गया ।
- १५००० शिक्षकों एवं विद्यार्थियोंके लिये चित्र स्पर्धा आयोजित की गई ।

प्रकरण : ६

विकल्प वैकल्पिक शिक्षा का

६.० वैकल्पिक शिक्षा प्रणाली

विभिन्न आर्थिक एवं सामाजिक कारणोंवश गुजरात में कई बच्चे औपचारिक स्कूलों में नहीं जा पाते । इसीलिए, डीपीईपी तथा एसएसए में छुट-पुट एवं दूरदराज की बस्तिओं में रहनेवाले पिछडे वर्गो के बच्चों के लिए प्राथमिक शिक्षा का लाभ पहुँचाने के हेतु से वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र शुरु किये गए हैं । इनका उद्देश्य यह है कि जो बच्चे कभी नामांकित नहि हुए तथा जो बीच में से ही अध्ययन छोड चुके है, उन्हें इस स्तर तक शिक्षा दी जाए कि वे औपचारिक प्राथमिक विद्यालय में फिर से शामिल हो सकें । शिक्षा को बीच से ही छोड चुके बच्चों की समस्याओं को ठीक तरह से समझाने के नम्र प्रयासों के दौरान सफलतम् अनुभवों से कुछ सीखने के साथ वैकल्पिक शिक्षा प्रणालि के लिए उचित मोडलों का विकास करने का भी प्रयास किया गया है ।

डीपीईपी २ के तहत विकसित किये गये वैकल्पिक शिक्षा के कार्यक्रमों को डीपीईपी ४ तथा सर्व शिक्षा अभियान में अमली किया जा रहा है ।

६.१ वैकल्पिक शिक्षा के लिये मोडल्स :

परियोजना में शामिल जिलों के शाला छोड चुके बच्चों को शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए, कुछ वैकल्पिक शिक्षा (ओल्टरनेटीव स्कूलींग) मोडलों को विकसित किया गया है, जो इस प्रकार हैं:

बेक - टू - स्कुल	ब्रिज कोर्स	
- ए.एस. केन्द्र - वैकल्पिक विद्यालय - शिक्षा केम्प	- आश्रम शालाओ में अतिरिक्त सीटे - समुदायों के लिए छात्रावास - पहचान पत्र (इन तीन श्रेणीयों में, बच्चे अपनी शिक्षा वैधिक शालाओं में जारी रख सकते हैं । आश्रम शालाओं और समुदायों के छात्रावास में बोर्डिंग सुविधा दी जाती है)	- वेकेशन कोर्स - प्रमोशन कोर्स - मीडटर्म कोर्स - फार्म विद्यालय - टेन्ट (तंबु) विद्यालय - सोल्ट पान (विद्यालय) - रात्रि वर्ग - मोबाइल विद्यालय

६.२ गुजरात में स्कूल से बाहर रहनेवाले बच्चें

स्कूल से बाहर रहनेवाले बच्चों की संख्या के बारेमें प्राप्त जानकारी के मुताबिक गुजरात के सभी जिलों में ६ - ११ वर्ष वयजूथ में कुल १,४३,९४५ बच्चे हैं, जब कि १२ - १४ वर्ष वयजूथ में कुल ७६,७७५ बच्चे है । राज्यभर में स्कूल से बाहर रहनेवाले सभी २,२०,७२० बच्चो का जिलावार विवरण नीचे दिया गया है ।

वयजूथ के अनुसार स्कूलसे बाहर रहनेवाले बच्चों का विवरण

नं	जिला	६-११ वर्ष			११-१४ वर्ष			कुल		
		कुमार	कन्या	कुल	कुमार	कन्या	कुल	कुमार	कन्या	कुल
१	अहमदाबाद	९०५	१२३६	२१४१	३०२	४१३	७१५	१२०७	१६४९	२८५६
२	अहमदाबाद को.	४८७८	४८४८	९७२६	१८३७	१८२६	३६६३	६७१५	६६७४	१३३८९
३	अमरेली	२२३६	२८१६	५०५२	२१२६	२८६७	४९९३	४३६२	५६८३	१००४५
४	आणंद	३१८२	४६५२	७८३४	२१२२	३१०१	५२२३	५३०४	७७५३	१३०५७
५	बनासकांठा	५४१४	१०८३२	१६२४६	१४२१	२८३६	४२५७	६८३५	१३६६८	२०५०३
६	भरुच	६७८	६०७	१२८५	४२७	४१६	८४३	११०५	१०२३	२१२८
७	भावनगर	१८०९	१९८७	३७९६	१२०५	१३२५	२५३०	३०१४	३३१२	६३२६
८	दाहोद	१८३२	२८३६	४६६८	२१२२	२५८०	४७०२	३९५४	५४१६	९३७०
९	डांग	२६६	८३४	११००	१४३	४४९	५९२	४०९	१२८३	१६९२
१०	गांधीनगर	२३४४	१७८६	४१३०	१५४९	९०७	२४५६	३८९३	२६९३	६५८६
११	जामनगर	२२४४	२६१४	४८५८	९५९	११७७	२१३६	३२०३	३७९१	६९९४
१२	जूनागढ	३०५६	३६२३	६६७९	४५	५३	९८	३१०१	३६७६	६७७७
१३	खेडा	९६१	१२०३	२१६४	९०५	१४५३	२३५८	१८६६	२६५६	४५२२
१४	कच्छ	२१५६	३३५४	५५१०	१६७२	३०४३	४७१५	३८२८	६३९७	१०२२५
१५	महेसाणा	१२९९	१५१५	२८१४	३४१	५३०	८७१	१६४०	२०४५	३६८५
१६	नर्मदा	८२३	९१८	१७४१	४४३	४९६	९३९	१२६६	१४१४	२६८०
१७	नवसारी	७६९	६४५	१४१४	५२१	४३९	९६०	१२९०	१०८४	२३७४
१८	पंचमहाल	२९४१	३४९२	६४३३	२१४६	२६९४	४८४०	५०८७	६१८६	११२७३
१९	पाटण	१०२६	१००६	२०३२	९५०	५८३	१५३३	१९७६	१५८९	३५६५
२०	पोरबंदर	५७८	६१७	११९५	६६४	९२१	१५८५	१२४२	१५३८	२७८०
२१	राजकोट	१२६५	१४९३	२७५८	८४३	९९५	१८३८	२१०८	२४८८	४५९६
२२	राजकोट को.	९६६	८५०	१८१६	६४४	५६८	१२१२	१६१०	१४१८	३०२८
२३	साबरकांठा	१९०	१०७०	१२६०	२५५	११३२	१३८७	४४५	२२०२	२६४७
२४	सूरत	७४३६	६२८८	१३७२४	९२१	८५८	१७७९	८३५७	७१४६	१५५०३
२५	सुरत को.	३२१३	३२३९	६४५२	१६३२	१७३१	३३६३	४८४५	४९७०	९८१५
२६	सुरेन्द्रनगर	३८२१	३०६०	६८८१	२८४०	२९०८	५७४८	६६६१	५९६८	१२६२९
२७	वडोदरा	७१४२	८२२७	१५३६९	३६०९	३९२३	७५३२	१०७५१	१२१५०	२२९०१
२८	वडोदरा को.	३४१	३७६	७१७	५१२	६०८	११२०	८५३	९८४	१८३७
२९	वलसाड	१९८९	२१६१	४१५०	१३५७	१४३०	२७८७	३३४६	३५९१	६९३७
	कुल	६५७६०	७८१८५	१४३९४५	३४५१३	४२२६२	७६७७५	१००२७३	१२०४४७	२२०७२०

वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था

पंचमहाल जिले के लीमखेडा तालुके के गाँव मोटा आंबा फलिया स्थित केन्द्र में वैकल्पिक शिक्षा के लिये निर्मित टीएलएम का उपयोग करते हुए बच्चे ।

साबरकांठा जिले के खेडब्रह्मा स्थित बीआरसी भवन में आदिवासी तालुकों के बीआरसी को.ओर्डिनेटर्स के लिये आयोजित कार्यशिबिर का द्रश्य ।

मार्च - अप्रैल २००५ दौरान मानावदर के ब्लोक रिसोर्स सेन्टर पर प्रशिक्षित बालमित्रों का सामूहिक चित्र ।

६.३ बेक - टू - स्कुल कार्यक्रम - डीपीइपी और एसएसए

गुजरातमें बेक - टू- स्कुल योजना के अंतर्गत वर्ष २००४ - ०५ में एसएसए तथा डीपीईपी के तहत कुल ७१४७ वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र खोले गये हैं, जिनमें १,४९,९१९ बच्चें नामांकित किये गये है । जिसमें ७२,२१९ लडके और ७७,७०० लडकियाँ हैं । कुल ७५२८ बालमित्रों (एएस शिक्षकों) को ईस वर्ष के दौरान प्रशिक्षण दिया गया । जिलावार विवरण नीचे दिया गया है :

गुजरातमें एसएसए तथा डीपीईपी के अंतर्गत बेक - टू - स्कुल कार्यक्रम (वर्ष २००४ - ०५)

क्रम	जिला	प्रशिक्षित बालमित्र	खोले गये ए.एस.सेन्टर	बच्चों की संख्या लडके	लडकियां	कुल
१.	अहमदाबाद	३१०	३१०	२८५६	३७६६	६६१२
२.	अमरेली	२३७	२३७	२३३०	२९६५	५२९५
३.	आणंद	३६९	३३६	२९७५	३५७६	६५५१
४	बनासकांठा	४२५	४२५	४९६८	४९३२	९९००
५	भरुच	२८७	२८७	२३६९	२५०२	४८७१
६.	भावनगर	४६७	४२७	४०४९	४६४५	८६९४
७	दाहोद	४५४	४८२	४६३६	५०६३	९६९९
८	डांग	८३	८३	८२५	८३९	१६६४
९.	गांधीनगर	९७	९६	८५२	११९६	२०४८
१०.	जामनगर	१२०	६७	४००	३३२	७३२
११.	जूनागढ	१९०	१८२	१६५९	२०३०	३६८९
१२.	खेडा	१७२	१७२	१०८१	१६१६	२६९७
१३.	कच्छ	१५२	१२९	१२७३	१५८०	२८५३
१४.	महेसाणा	१८५	१६८	१२७१	२१०२	३३७३
१५.	नर्मदा	२२९	२२६	१६१७	२००६	३६२३
१६.	नवसारी	२३	२२	२०१	२७१	४७२
१७.	पंचमहाल	१८७	१८५	१६६६	१८६६	३५३२
१८.	पाटण	३६९	३६७	३९९३	४२०५	८१९८
१९	पोरबंदर	५९	५९	५७५	६४५	१२२०
२०	राजकोट	४३	४०	२३९	३३२	५७१
२१.	साबरकांठा	५५०	३९९	४८५१	४६६३	९५१४
२२	सुरेन्द्रनगर	३०९	२८६	२५३०	२८४५	५३७५
२३.	सुरत	७२५	७२१	८३५७	७१४६	१५५०३
२४.	वडोदरा	५९०	४०२	४३९०	४४२५	८८१५
२५.	वलसाड	४३६	४३०	४९२१	४७७७	९६९८
	कुल (१-२५)	७१०८	६५३८	६४८८४	७०३१५	१३५१९९
२६.	अहमदाबाद कोर्पो.	२०२	१६९	२३१४	२१०८	४४२२
२७.	वडोदरा कोर्पो.	५५	४८	६१३	६९९	१३१२
२८.	राजकोट कोर्पो.	१०९	८६	७७८	८४४	१६२२
२९.	सुरत कोर्पो	१२९	१२९	१६२७	१५८८	३२१५
	कुल (२६-२९)	४९५	४३२	५३३२	५२३१	१०५७१

३०.	गैर सरकारी संस्थान	-	१७७	२००३	२१४६	४१४९
	कुल (१-३०)	७५२८	७१४७	७२२१९	७७७००	१४९९१९

६.४ ब्रिज कोर्स

ब्रिज कोर्स कार्यक्रम के तहत सप्टेम्बर २००४ तक कुल ३,४०२ ब्रिज कोर्स केन्द्र खोले गये, जिनमें कुल ५४११४ बच्चे नामांकित हुए जिसका विवरण नीचे दिया गया है ।

क्रम	कोर्ष का नाम	सेन्टर्सकी संख्या	समाविष्ट बच्चोंकी संख्या लडके	लडकियां	कुल
१	वेकेशन कोर्ष	१८७४	१३५२३	१३२१८	२६७४१
२	प्रमोशन कोर्ष	१४४५	११०९०	१५२८८	२६३७८
३	अर्धसत्र कोर्ष	४५	३७८	३१७	६९५
४	शिक्षा केम्प	३८	४५	२५५	३००
	कुल	३४०२	२५०३६	२९०७८	५४११४

६.५ वैकल्पिक शिक्षा के लिये हेन्ड बुक तथा ट्रेनर्स ट्रेनिंग मोड्युल

राज्य स्तर पर वैकल्पिक शिक्षा के लिये हेन्डबुक विकसित की गयी है, जोकि परियोजना के कर्मचारियों, तजज्ञों तथा बालमित्रों के लिये ट्रेनर्स ट्रेनिंग मोड्युल भी है ।

सभी जिलों में बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को.ओर्डिनेटर तथा मास्टर ट्रेनर्स को वैकल्पिक शिक्षा के ट्रेनर्स ट्रेनिंग मोड्युल वितरित किये गये ।

६.६ अनुसूचित जाति / जनजाति के बच्चों की शिक्षा

डायस २००४ के अनुसार गुजरातके प्राथमिक स्कूलों में अनुसूचित जाति के कुल ५,५७,३४२ बच्चे (कुल संख्याका ८.१८ प्रतिशत) नामांकित है जिनमें २,९५,६६७ लडके एवं २,६१,६७५ लडकियाँ है ।

डायस २००४ के अनुसार गुजरात के प्राथमिक स्कूलों में अनुसूचित जनजाति के कुल १२,४५,४०८ बच्चे (कुल संख्या का १८.२८ प्रतिशत) नामांकित हैं, जिनमें ६,५९,७७८ लडके एवं ५,८५,६३० लडकियाँ हैं ।

अनुसूचित जाति के अधिकांश बच्चे प्राथमिक स्कूलों में नामांकित हैं जहाँ वे अन्य बच्चों के साथ शिक्षा पा रहे हैं ।

अनुसूचित जनजाति के बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिये मुख्यत: आदिवासी जनसंख्यावाले जिलों डांग, पंचमहाल, बनासकांठा, कच्छ एवं जूनागढ में विशेष प्रयास किये जा रहे हैं ।

आदिवासी जनसंख्यावाले विस्तारों में हाट और अन्य संमेलनो के दौरान प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रिकरण के लिये विशेष कार्यक्रम आयोजित करने के लिये आदीवासी उत्सवों की सूचि तैयार की गई है ।

गैर आदिवासी शिक्षकों द्वारा आदिवासी बच्चों को सीखाने में आसानी हो सके इस हेतु स्थानिय बोली के शब्दों की एक पुस्तिका बनाई गई और इस विषय में प्रशिक्षण भी दिया गया ।

प्रकरण : ७

विकलांग बच्चों के लिए संकलित शिक्षा

७.० विशिष्ठ आवश्यकताओं वाले बच्चे

एसएसए तथा डीपीईपी के तहत विशेष आवश्यकताओंवाले बच्चों को उच्च गुणात्मक शिक्षा प्रदान करनेके प्रयास किये जा रहे हैं । इसके लिए उनके माता- पिताओं के साथ उनकी विकलांगता और शिक्षा के बारे में सलाह- मशवरा करना अति आवश्यक है । इसी संदर्भ में माता-पिता परिषदों की रचना की गई । विविध विकलांगताओं के बारे में जागृति पैदा करने के लिए इन परिषदों की नियमित बैठकें भी बुलाई गइ । उनमें माता - पिताओं को सकारात्मक अभिगम अपनाने और विकलांग बच्चों की क्षमताओं में विश्वास रखने की अपील की गई । इन परिषदों ने पारिवारिक, सामाजिक, शैक्षिक और पूनर्वसन के मुद्दों एवं विकलांग बच्चों की शिक्षा में अवरोधरूप विविध मानसिक विघ्नों के बारे में चर्चा करने का सही मँच प्रदान किया है ।

सभी गाँवो में विकलांग बच्चों के माता- पिताओं को वी.ई.सी.में सम्मिलित किया गया और उन्हें सघन प्रशिक्षण भी दिया गया । साथ ही, विकलांग बच्चों के माता - पिताओं को लेकर हर गाँव में एक पेरेन्ट्स काउन्सिल की भी रचना की गई है। पेरेन्ट्स काउन्सिल के सदस्यों को बच्चों में विकलांगता के कारण उद्‌भव होनेवाले कई विशिष्ठ मुद्दों को सुलझाने के बारें में प्रशिक्षण दिया गया।

७.१ जनजागृति

माता - पिता और शिक्षकों को अभिप्रेरित करने के लिए अस्थिविषयक विकलांगता, द्रष्टि विकलांगता (वी.आई), मानसिक तौर पर मंदबुद्धि (एम.आर.) और श्रवण विकलांगता (एच.आई.) पर ६ पोस्टरों के एक सेट को बनाया गया और विद्यालयों में वितरित किया गया । इन पोस्टरों में विकलांग बच्चों के परिवार और माता - पिता द्वारा उनके प्रति सकारात्मक अभिगम का निर्माण हो सके ऐसे संदेश प्रेषित किए गए हैं । पेरेन्ट्स काउन्सिल, वी.ई.सी., पी.टी.ए., एम.टी.ए. बैठकों के दौरान इन जागृति सामग्री का उपयोग किया जाएगा ।

७.२ आई.ई.डी.सी. के लिए प्रशिक्षण व्यूह रचना

कास्केड मोडमें प्रशिक्षण उपर से नीचे तक परियोजना के कर्मचारियों को जिला, ब्लोक, क्लस्टर और ग्राम्य स्तर पर दिया गया है । अनुभवी संसाधन शिक्षकों द्वारा विकलांग बच्चों के साथ काम कर रहे वर्ग शिक्षकों को वी.आर.सी. स्तर पर विकलांगताओं के बारे में विशिष्ठ प्रशिक्षण दिया जाता है ।

विकलांग बच्चों के वर्गशिक्षकों को वर्गखंड प्रबंधन, सकारात्मक अभिगम, सहपाठियों और विद्यालय में पढ रहे अन्य छात्रों, अध्ययन एवं सह-अध्ययन प्रवृत्तिओं, पूरक साहित्य, बच्चों में विकलांगता से पैदा हो रही कठिनाईयों को दूर करने के लिए साधनों के प्रयोग जैसी कई बातों से अभिसंस्कृत किया गया ।

विकलांग बच्चों के विद्यालयों के अन्य सभी शिक्षकों को वर्गखंड प्रबंध, शिक्षकों के व्यवहार,

सहपाठी और विद्यालय के अन्य छात्रों और अध्ययन एवं सह-अध्ययन गतिविधियों के बारे में प्रशिक्षित किया गया।

७.३ प्रशिक्षण मोडयुल्स

बी.आर.सी. और सी.आर.सी. स्तर पर प्रमुख प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण मोडयुल विकसित कर वितरित किया गया। शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण मोडयुल तैयार किया गया और सभी विद्यालयों में उसे वितरित किया गया। इस मोडयुल द्वारा शिक्षकों को वर्गखंडों में आदान - प्रदान और विकलांग बच्चों के प्रति उनके दृष्टिकोण में बदलाव लाने का मार्गदर्शन मिलता है। साथ ही, मोडयुल की विषयवस्तु से शिक्षकों को सह-अध्ययन प्रवृत्तियों की रचना करने में, विभिन्न प्रकार की विकलांगता धारण किए बच्चों की जरूरतों के अनुसार विषय-वस्तु पर आधारित शिक्षा पध्धति अपनाने, टी.एल.एम. (दोनों ही प्रकार के वर्ग और विषय अनुसार) में साहित्य के उपयोग और विशिष्ठ साधनों के उपयोग करने में सहायता मिलती है।

७.४ कार्यशिबिर और प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्लस्टर स्तर पर परियोजना जिलों में वैधिक विद्यालयों में विकलांग बच्चों के शिक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार थे :

- विभिन्न विकलांगताओं के प्रति शिक्षकों में जागृति के स्तर को उपर उठाना
- विभिन्न प्रकार की विकलांगता के लिए सह-अध्ययन प्रवृत्तिओं की रचना करना और
- विषयवस्तु आधारित शिक्षा पद्धति

प्रशिक्षण का संचालन संसाधन शिक्षकों और गैर-सरकारी संगठनों के विशेषज्ञों जैसे प्रमुख प्रशिक्षकों द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स ने शिक्षक प्रशिक्षण मोडयुल और अन्य कई आई.ई.डी. जागृति सामग्री का इस्तेमाल किया। इसके अतिरिक्त, शिक्षकों में अभिगम परिवर्तन के साथ-साथ वर्गखंडों के आदान-प्रदान में विशिष्ठ आवश्यकताओंवाले बच्चों के खास मसलों पर चर्चा करने की उनकी शक्ति का विकास करने में भी यह प्रशिक्षण बहुत कारगर साबित होगा।

७.५ जी.सी.ई.आर.टी. में आई.ई.डी.सी. सेल

केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित आई.ई.डी.सी योजना के तहत जी.सी.ई.आर.टी., आई.ई.डी.सी.सेल द्वारा इसका अमल करते हुए गैर सरकारी संगठनो पर विशेष जरूरतवाले बच्चों की पहचान, वर्गीकरण, अनुमापन तथा प्रमाणित करनेकी जिम्मेदारी सौंपी गई। कुछ चुनी हुई एन.जी.ओ. ने तो ४०% से अधिक विकलांग बच्चों को प्रमाणित करने का काम पूर्ण भी कर लिया है, जिन्हें सहायक साधनों एवं उपकरण प्रदान किये जाने हैं।

७.६ विश्व विकलांग दिवस का उत्सव

विश्व विकलांग दिवस - ३ दिसम्बर २००४ को सभी जिलों मे मनाया गया। विद्यार्थिओं ने जागृति रेलियाँ निकालते हुए नारे लगाए 'रस्ता अमने साचा आपो, ईश्वर अमने वाचा आपो' (हे ईश्वर,

विकलांग बच्चों के लिए संकलित शिक्षा

महेसाणा जिले के सतलासणा में आंतर राष्ट्रीय ध्वज दिन के समारोह में म्युझीकल चेर खेलते हुए विकलांग बच्चे ।

डांग जिले के आहवा में श्रवण विकलांगता के अनुमापन के लिये आयोजित शिबिर के दौरान एक बच्चे की जाँच करते हुए विशेषज्ञ डॉक्टर ।

डांग जिले के आहव में ग्रुप हीयरींग सिस्ट के उपयोग के विषय प्रशिक्षण पाते हुए शिक्षक का एक द्रश्य ।

७.७.१ स्कूलों में नामांकित विकलांग बच्चे

सर्वेक्षण के अनुसार विभिन्न विकलांगता वाले कुल ६५,५५८ बच्चे स्कूलों में नामांकित है । विकलांगता के अनुसार स्कूलों मे नामांकित बच्चों का जिलावार विवरण नीचे दिया गया है :

स्कूलों में नामांकित विकलांग बच्चे

क्रम	जिला	दृष्टि विकलांगता	श्रवण विकलांगता	अस्थिविषयक विकलांगता	मानसिक क्षति	अन्य	कुल
१	अहमदाबाद	८१७	२८५	९५२	१०७०	०	३१२४
२	अहमदाबाद कोर्पो.	१२३२	६	२८२	५४	१	१५७५
३	अमरेली	४८८	२२१	११८५	७७५	७२	२७४१
४	आणंद	८०४	४७३	९१७	९१०	०	३१०४
५	बनासकांठा	१२९१	७२५	२४१६	१४८०	११६	६०२८
६	भरुच	२०७	८८	४३२	४१७	८७	१२३१
७	भावनगर	५११	४७४	८७३	७५७	०	२६१५
८	दाहोद	७००	२१३	१६४३	४२६	३५	३०१७
९	डांग	१२२	१०९	१६३	९०	१४३	६२७
१०	गांधीनगर	३५९	१३३	६४१	६१०	७७	१८२०
११	जामनगर	६१५	१२३	६०२	८४५	१	२१८६
१२	जूनागढ	६९८	४३४	१२५५	१०९१	१११	३५८९
१३	खेडा	१५११	५५१	११३०	१०७०	०	४२६२
१४	कच्छ	४७२	२८८	८६७	६६८	६५	२३६०
१५	महेसाणा	४९६	२१०	११४९	७५६	०	२६११
१६	नर्मदा	२०२	८२	२६२	१३९	०	६८५
१७	नवसारी	२३८	११४	३०६	३४७	६	१०११
१८	पंचमहाल	७३७	३९५	१२२०	७१२	४४	३१०८
१९	पाटण	६९८	२६२	९८३	५७०	५९	२५७२
२०	पोरबंदर	९०	४१	१२४	१२५	३१	४११
२१	राजकोट	७७७	१२८	७६३	७२८	१२७	२५२३
२२	राजकोट कोर्पो.	८९	१	१३८	२८	२	२५८
२३	साबरकांठा	७५७	३३०	१३१०	११५५	८३	३६३५
२४	सुरत	४०७	१८१	५४०	४०६	६३	१५९७
२५	सुरत कोर्पो.	९२	३१	१३३	७८	०	३३४
२६	सुरेन्द्रनगर	८०८	३१६	११८६	९९१	०	३३०१
२७	वडोदरा	७५५	४०५	१२००	८६६	०	३२२६
२८	वडोदरा कोर्पो.	१०८	१७	१६९	१४९	०	४४३
२९	वलसाड	३२७	१६१	५११	३७९	२८	१४०६
	कुल	१६३२८	६८७७	२३४३०	१७६९२	१२३१	६५५५८

७.७.२ स्कूल से बाहर रहने वाले विकलांग बच्चे

सर्वेक्षण के अनुसार विभिन्न विकलांगता वाले कुल ११,९७२ बच्चे स्कूल से बाहर है । विकलांगता के अनुसार स्कूल से बाहर रहने वाले बच्चोंका जिलावार विवरण नीचे दिया गया है :

गुजरात में स्कूलसे बाहर रहनेवाले विकलांग बच्चे

क्रम	जिला	द्रष्टि विकलांगता	श्रवण विकलांगता	अस्थिविषयक विकलांगता	मानसिक क्षति	अन्य	कुल
१	अहमदाबाद	११०	५६	१११	१५०	०	४२७
२	अहमदाबाद कोर्पो.	११०	६८	२२	३०	०	२३०
३	अमरेली	८६	५५	३७२	१९९	२१	७३३
४	आणंद	१२०	७७	१५९	१२०	०	४७६
५	बनासकांठा	८८	८७	३८४	१८९	४५	७९३
६	भरुच	३२	६९	२२१	९९	५	४२६
७	भावनगर	७२	९३	२२८	७९	०	४७१
८	दाहोद	९९	६९	२०२	६९	०	४३९
९	डांग	२१	१६	१०	१६	०	६३
१०	गांधीनगर	८८	४७	१२७	३५४	२९	६४५
११	जामनगर	५९	८	६९	९२	०	२२८
१२	जूनागढ	७७	५७	२७७	२३५	३७	६८३
१३	खेडा	१२२	६८	१६८	२०६	३७	६०१
१४	कच्छ	३७	५९	२११	११३	०	४२०
१५	महेसाणा	२४	४२	१५१	९२	०	३०९
१६	नर्मदा	८	३	९	१	०	२१
१७	नवसारी	९८	५३	१४९	२२१	०	५२१
१८	पंचमहाल	५२	४०	१३२	६२	१९	३०५
१९	पाटण	१५	१४	३६	४०	२	१०७
२०	पोरबंदर	३६	१७	६२	६८	१०	१९३
२१	राजकोट	५०	४६	१०५	१२०	२५	३४६
२२	राजकोट कोर्पो.	३८	३	८५	४९	३	१५८
२३	साबरकांठा	७६	१४७	३२	१६३	०	४१८
२४	सुरत	१६६	१७६	४४६	२७०	७०	११२८
२५	सुरत कोर्पो.	२९	२५	२४	२९	३	११०
२६	सुरेन्द्रनगर	१९२	१०८	२४४	३१३	०	८५७
२७	वडोदरा	८८	७२	११८	११७	०	३९५
२८	वडोदरा कोर्पो.	६५	२१	७५	७०	०	२३१
२९	वलसाड	६०	३७	७९	३६	६	२१८
	कुल	२११८	१६३२	४३०८	३६०२	३१२	११९७२

७.८ फाउन्डेशन कोर्स

इस वर्ष आर.सी.आई., महाराजा भोज युनिवर्सिटी (भोपाल) और अंधजन मंडल (अहमदाबाद) के सहकार से आयोजित विकलांग बच्चों की शिक्षा के लिये फाउन्डेशन कोर्स के दौरान कुल ६५३ शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया, जिसका विवरण इस प्रकार है:

फाउन्डेशन कोर्ष	प्रशिक्षण समयकाल	संपर्क कार्यक्रम	अभ्यास केन्द्र की संख्या	शिक्षकोंकी कुल संख्या	प्रशिक्षित शिक्षक
बेच : १	जान्यु. : २००४ से मार्च : २००४ २२/३/०४ से ३०/३/०४	२२/१/०४ से ४/२/०४	१७	६८७	५६६
बेच : २	जून : २००४ से ऑग. : २००४ २३/८/०४ से २८/८/०४	२८/६/०४ से १०/७/०४	३	१२१	८७

७.९ एसएसए के तहत आईईडीसी का रिजीयोनल वर्कशोप

एड.सील., नई दिल्ली, के सौजन्यसे दिसम्बर २००४ के दौरान अहमदाबाद में ईन्टिग्रेटेड एज्युकेशन फोर डिसेबल्ड चिल्ड्रन योजना के विषय में पश्चिम क्षेत्र का रिजीयोनल वर्कशोप आयोजित किया गया, जिसमें गुजरात, छत्तीस गढ, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, दादरा नगर हवेली और दमन एवं दीव ने हिस्सा लिया ।

७.१० साधन एवं उपकरण

एसएसए- आईईडीसी के तहत श्रवण की विकलांगता वाले बच्चों के लिये ओडियो मीटर एवं स्पीच ट्रेनर जिला स्तर दिये गये । तथापि, तालुका स्तर पर श्रवणकी विकलांगता वाले बच्चों के लिये ग्रुप हीयरींग सिस्टम भी दिये गये ।

प्रकरण : ८

मिडिया और अनुलेखन

८.० मिडिया हिमायत

गुजरातमें एसएसए और डीपीईपी के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा, और खास करके, लडकियों की शिक्षा की हिमायत मिडिया और अनुलेखन ईकाइ का केन्द्ररूप विस्तार रहा है । नामांकन और स्थायीकरण के मुद्दों पर काम करते शिक्षित जूथ, मिडिया संदेश, मिडिया के विकल्प आदि के विवरण के साथ अच्छी तरह डिझाईन की गइ मिडिया मिक्स व्यूहनीति का उपयोग किया गया है। इनकी वजह से आधार स्तर पर समूदाय के सहयोगके द्वारा एसएसए और डीपीईपी ने बहुत अच्छी नामना एवं स्वीकृति पायी है । इसके अलावा परियोजना के सभी स्तरों पर कार्यकर्ताओं में बहुत ही महत्त्वपूर्ण विश्वास का सिंचन किया गया है ।

८.१ लोक माध्यम

बनासकांठा की जिला मिडिया ईकाइ ने जिले में नामांकन अभियान से पहले 'भवाई' नाटकों का आयोजन किया । बच्चों का पाठशालाओं में नामांकन करवाने के प्रति लोगों की विचारधारा को सकारात्मक तरीके से बदलने में स्थानिय लोक माध्यम को उपयोग में लाया गया ।

डांग में जनजातिओं में प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रिकरण को सहायभूत करने के लिए तमाशा पार्टीओं का सफल उपयोग किया गया । एसएसए और डीपीईपी के प्रचार के लिए, जिले के गाँवो में निरंतर रूप से लगनेवाले परंपरागत मेलों- हाट का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया गया ।

८.२ अनुलेखन

राज्य की मिडिया और अनुलेखन ईकाइ द्वारा वर्ष के दौरान निम्न लिखित अनुलेखन और प्रकाशन तैयार किए गए :

(१) गुजरात प्राथमिक शिक्षण परिषद की कार्यपालक समितिकी २०वीं, २१वीं, २२वीं और २३वीं बैठकों के लिये प्रगति अहेवाल

(२) डीपीइपी के २०वें और २१वें जोइन्ट रिव्यु मिशन के लिये प्रगति अहेवाल, भाग - १,२,३

(३) सर्व शिक्षा अभियान के प्रथम और द्वितीय जोईन्ट रिव्यु मिशन के लिये प्रगति अहेवाल ।

(४) वर्ष २००३ - ०४ के वार्षिक अहेवाल (अंग्रेजी और हिन्दी) और ओडिटेड अेकाउन्ट्स

८.३ बी.ई.सी.के लिये पुस्तिकायें

सर्व शिक्षा अभियान के विविध पहेलुओं पर जानकारी फैलाने के हेतु से सरल गुजराती में पुस्तिकायें तैयार की गई, जिन्हें राज्यभरकी बीईसीओं में वितरित किया गया। पोकेट साईझकी इन पुस्तिकाओं में सर्व शिक्षा अभियान के सभी प्रमुख पहेलुओं की जानकारी दी गई है, जैसे के शिक्षक प्रशिक्षण, वैकल्पिक स्कुल व्यवस्था, कन्या शिक्षा, निर्माण कार्यों, विकलांग बच्चोंके लिये संकलित शिक्षा (आईईडी) तथा परियोजनाके आर्थिक धोरण । इन पुस्तिकाओं ने बीईसी सभ्यों तथा समुदायों के लिये सर्व शिक्षा अभियानकी बारीकियों को समझना तथा आधार स्तर पर किये जानेवाले प्रयासो में सक्रिय योगदान देना एवं निगरानी करना आसान हो गया है।

८.४ मिडिया कवरेज

राज्यमें एसएसए और डीपीईपी के तहत आयोजित महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों को व्यापक मिडिया कवरेज दी गयी । राज्य, जिला, ब्लोक और क्लस्टर स्तर पर आयोजित प्रमुख कार्यक्रम जैसे कि सेमिनार, कार्यशिबिरों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और राज्य में महानुभावों की मुलाकातों को अंग्रेजी और गुजराती अखबारों द्वारा प्रसारित किया गया ।

८.५ रेडियो

एसएसए में समुदायों का समर्थन प्राप्त करने के हेतु से रेडियो पर मास मिडीया केम्पेन शुरु किया गया । आकाशवाणी, अहमदाबाद द्वारा बच्चों के - विशेषतः कन्याओं के - नामांकन एवं स्थायिकरण को बढावा देने के लिये दो रेडियो जिंगल का निर्माण किया गया । ओल ईन्डिया रेडियो के प्रायमरी चेनल पर शाम के ७: ०० बजे के प्रादेशिक समाचार के पहेले इन दोनों रेडियो जिंगल्स को प्राथमिक शिक्षा के विषय मे जनजागृति पेदा करने के लिये प्रसारित किया गया । इन्हें जून २००४ में आयोजित प्रवेशोत्सव के दौरान आकाशवाणी के अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट और भूज से प्रसारित किया गया ।

८.६ एस.टी.बसों पर विज्ञापन

वर्ष २००४ के दौरान अर्थात इसी वर्ष सभी बच्चे प्राथमिक स्कुलो में नामांकित हों यह सुनिश्चित करने के लिये मिडीया प्रवृत्तियों को बढावा दिया गया। परियोजना जिलो में सेवा देनेवाली एस.टी.बसों के साईड पेनल पर (२०' X ३.५') डीपीईपी तथा एसएसए के संदेशों को प्रदर्शित किया गया । इसी प्रकार के विज्ञापन राज्य के सभी जिलो में एस.टी.बसों के तालुका मुख्य मथक पर होर्डिंग (२०' X १०') द्वारा प्रदर्शित किये गये।

८.७ पोस्टर्स एवं मेईलर्स

ग्राम्य जनता में प्राथमिक शिक्षा के महत्त्व के विषय में जागृति लाने के उद्देश्य से पोस्टर्स विकसित किये गये । जून २००४ में प्रवेशोत्सव के दौरान पोस्टर्स, मेईलर्स एवं प्रतिज्ञापत्रो का एक सेट सभी स्कुलों में कन्याओं तथा अन्य वंचित तथा स्कुल से बाहर रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढावा देने के लिये वितरित किया गया।

८.८ टीवी तथा रेडियो विज्ञापनों का प्रसारण

'स्कुल चलें हम' टीवी तथा रेडियो विज्ञापनों को, दूरदर्शन केन्द्र, अहमदाबाद और आकाशवाणी के सभी केन्द्रों द्वारा राज्यभर में प्रसारित किया गया।

८.९ टेलिविझन कार्यक्रम

स्टेट प्रोजेक्ट ओफिस द्वारा कन्या शिक्षा को बढावा देने के लिये निर्मित कठपुतलि फिल्म को दूरदर्शन केन्द्र अहमदाबाद द्वारा मार्च ७ एवं मार्च १५, २००५ क्रमशः डीडी - १ एवं डीडी - ११ चैनल पर प्रसारित किया गया ।

दूरदर्शन केन्द्र अहमदाबाद द्वारा जुलाई १८, २००४ को प्रवेशोत्सव के विषय में एक विशेष पेनल चर्चा प्रसारित की गई, जिसमें राज्य के मान. शिक्षा मंत्रीश्री, सर्व शिक्षा अभियान के राज्य परियोजना निदेशक एवं प्राथमिक शिक्षा निदेशक शामिल हुए । ईस कार्यक्रम को १८ दिसम्बर, २००४ को पूनः प्रसारित किया गया ।

प्रकरण - ९

मेनेजमेन्ट इन्फोर्मेशन सिस्टम

एसएसए तथा डीपीईपी गुजरात अपनी गतिविधियों को कम्प्युटराइज्ड सूचना व्यवस्था के जरिए नियंत्रित करते हैं, जिससे परियोजना के विभिन्न क्षेत्रों की प्रगति तथा वित्तिय खर्च का असरदार ढंग से नियमन किया जा सके और निगरानी रखी जा सके ।

कार्यक्रम की जरुरतों को ध्यान में रखते हुए शैक्षिक प्रबंध सूचना व्यवस्था (ई.एम.आई.एस) सोफटवेर पेकेज का प्रयोग किया जाता है । ई.एम.आई.एस. कार्यक्रम के पहलूओं और शैक्षिक कार्यो को नियंत्रित करता है । अपेक्षित परिणामों और आर्थिक प्रवृत्तियों के आयोजन की सूचना से आयोजकों और अमलकर्ताओं को कार्यक्रम की असरकारता और प्रभावों का मूल्यांकन करने में मदद मिलती है ।

एसएसए तथा डीपीईपी के तहत स्टेट प्रोजेक्ट ओफिस और डिस्ट्रीक्ट प्रोजेक्ट ओफिसीस में मेनेजमेन्ट इन्फोर्मेशन सिस्टम सेल क्रियान्वीत किये गये है, जिन्हें पर्याप्त साधनों, सुविधाओं और मानवबल से संपन्न किया गया है ।

वर्ष के दौरान एम.आई.एस. द्वारा मुख्यतः निम्नदर्शित प्रवृतियाँ की गई :

* एस.एस.ए के लिये सभी २५ जिलोंके एन्युअल वर्क प्लान और बजेट तैयार किये गये । ६ डीपीइपी जिलों के लिये एन्युअल वर्क प्लान और बजेट भी तैयार किये गए ।
* कार्यालय के दैनिक कार्यो में कम्प्युटरों के उपयोग के लिए राज्य और जिला एमआईएस कर्मचारियों द्वारा बीआरसी को.ऑर्डिनेटर्स को निरंतर सहयोग दिया गया ।
* ई.एम.आई.एस. (डायस) सिस्टम को सभी जिलों में अमली बनाया गया।
* राज्य तथा जिला स्तर पर डायस के अमलीकरण के लिये श्रृंखलाबद्ध कार्यशिबिरों का आयोजन किया गया ।
* डायस डेटा रिपोर्ट (२००४-२००५) सभी जिलों के लिए तैयार किया गया और भारत सरकार को भेजा गया । साथ ही, परियोजना कर्मचारियों के साथ जिला, राज्य और ब्लोक स्तर पर वितरित किया गया ।
* अझीम प्रेमजी फाउन्डेशन, बेंगलोर द्वारा विकसित २३ शैक्षिक सीडी के सेट की गुजराती आवृति तैयार की गई ।

प्रकरण - १०

प्लानिंग एन्ड मेनेजमेन्ट

१०.० वर्ष २००४-२००५ के लियें वार्षिक कार्य योजना और बजट की तैयारी

वर्ष २००४ - ०५ के लिये वार्षिक कार्य योजना और बजट ग्राम्य समुदाय स्तर से जिला स्तर के सहयोग से सहभागितापूर्ण प्रक्रिया द्वारा तैयार किया गया। जिला और ब्लोक स्तरों पर किए गए सूक्ष्म - आयोजन और बिभिन्न अभ्यासों का लेखा आयोजन को तैयार करने में लिया गया। व्यूहरचना के निर्माण में २००४-२००५ के इएमआईएस आंकडों का भी उपयोग किया गया।

१०.१ पी. एन्ड एम. के मुख्य क्रिया-कलाप

गुजरात के परियोजना जिलों में, हर गाँव से १ कि.मी. की त्रिज्या में एक प्राथमिक शाला है, जिसके कारण शिक्षा की सुविधा सर्वत्र उपलब्ध है। हालांकि, परिवारों के स्थानांतर या गरीबी जैसे सामाजिक और आर्थिक कारणों की वजह से राज्यभर में २,२०,७२० बच्चे स्कूल से बाहर पाये गये थे।

* वार्षिक आयोजन में वैकल्पिक शिक्षा प्रणालि को मजबूत करने के कार्य को प्राथमिकता दी गई। जिन गाँवों में सिर्फ ५ बच्चों की ऐसी संख्या हो जो शिक्षा के लाभ से वंचित हों तब भी वहाँ इस तरह के कोई अन्य केन्द्र शुरु करने का प्रस्ताव किया गया।
* डांग जिले में ब्रिज कोर्स कार्यक्रम की सफलता के चलते ऐसे ही कार्यक्रमों को अन्य दो जिलों में भी निश्चित समय के लिए स्थानांतरित होते बच्चों को मुख्यधारा में लाने के लिए शुरु करवाया गया।
* कन्याओं के नामांकन और पूर्णता दर को सुधारने के लिए खास लडकियों के लिए ए.एस. केन्द्रों को खोला गया।
* समुदायों की सहभागिता और सहयोग प्राप्त हो, इसहेतु तीनों जिलों में जागृति मुहिम को और तेज किया गया। विगत अनुभवों के आधार पर अभिप्रेरण व्यूहरचनाओं में सुधार लाया गया। इस वर्ष के वार्षिक आयोजन में स्थायीकरण और गुणात्मक सुधार पर ज्यादा ध्यान दिया गया।
* वस्तु-आधारित शिक्षण प्रणालि, जिसे डायट और जी.सी.ई.आर.टी. द्वारा नियमित प्रशिक्षण के भागरुप नहीं लिया जाता, एक अन्य क्षेत्र है जिसे अध्यापन विद्या में सुधार का अंग समझकर इस पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा।
* शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मजबूत करने के लिए डायट, बीआरसी और सीआरसी

की क्षमता में बढ़ोतरी करने पर भी विचार किया गया है ।

* मकानों की मरम्मत के बाद निर्माण कार्यों का मुख्य केन्द्र बिंदु वर्गखंडों और भवनों के निर्माण पर रहा ।
* आई.ई.डी और ई.सी.ई के संसाधनों के मजबूतीकरण के साथ ही आंगनवाडी कार्यकरों के लिये मोडयुल्स, प्रशिक्षण किट, और बिभिन्न प्रकार की विकलांगताओं के लिए सहाय और साधन हस्तगत करवाये जाएँगे ।

१०.२ माईक्रोप्लानिंग

माईक्रोप्लानिंग की तालीम को कासकेड मोड में बीआरसी, सीआरसी एवं स्कूल स्तर पर आयोजित किया गया। अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट और सूरत के म्युनिसिपल कोर्पोरेशन के विस्तारों के सभी सीआरसी को.ओर्डिनेटर्स को प्रशिक्षित किया गया। समुदायोंके समर्थन से स्कुल तथा ग्राम स्तर पर अनुमापन कवायतें की गइ । डीपीइपी तथा एसएसए के तहत विलेज एज्युकेशन रजिस्टर सभी जिलो में निभाये जाते है।

१०.३ संशोधन एवं मूल्यांकन

संशोधन अनुदान राज्यके सभी डायट्स को दिये जा चुके हैं । सभी बीआरसी तथा सीआरसी को.ओर्डिनेटर्स को क्रियात्मक संशोधन के विषय में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। ३ संशोधन अभ्यास पूर्ण हो चुके हैं, जिन्हें राष्ट्रीय स्तर की कार्यशिबिर में पेश किया गया था । राज्य में वर्ष २००४ - २००५ के दौरान प्रत्येक डायट द्वारा ३० संशोधन अभ्यास किये गये ।

एसएसए के लिये बेस लाईन ऐसेसमेन्ट सर्वे, पसंद किये गये ४ जिलों के २०० स्कुलों में संपन्न किया गया, जिसमें एन. एम. सद्‌गुरु वोटर एन्ड डेवलोपमेन्ट फाउन्डेशन, दाहोद, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद तथा सी.ए.एस.ई., फेकल्टी ओफ एज्युकेशन, एम. एस. युनिवर्सिटी, वडोदरा शामिल थे ।

१०.३.१ पूर्ण किये गये संशोधन

वर्ष २००४ - ०५ के दरम्यान निम्न दर्शित संशोधन पूर्ण किये गये :

- स्वच्छता संकुल व्यवस्था का प्राथमिक स्कूलों में कन्याओं के नामांकन एवं स्थायीकरण पर असर ।
- मध्याह्न भोजन योजना का प्राथमिक स्कूलों में बच्चों के नामांकन, स्थायीकरण एवं स्वास्थ्य पर असर ।

- सीआरसी को.ओर्डिनेटर्स की मासिक बैठकोंका शिक्षको के सशक्तिकरण पर असर ।
- डीपीईपी के क्रिया - कलापों का प्राथमिक स्कूलों में बच्चों के नामांकन और स्थायीकरण एवं शिक्षा की गुणवत्ता पर असर ।
- गुजरात में अल्प महिला साक्षरता दरों का मूल्यांकन तथा उपचारात्मक शिक्षा । - प्रगति में
- गुजरात में डायस (DISE) डेटा का सेम्पल चेकींग और विलेज एज्यूकेशन रजिस्टर का अपडेशन ।

गुजरात में अल्प महिला साक्षरता दरों के मूल्यांकन तथा उपचारात्मक शिक्षा के विषय पर आयोजित एक महत्त्वपूर्ण संशोधन पूर्णताकी कगार है । विलेज / वोर्ड एज्यूकेशन रजिस्टर्स का अपडेशन भी निकट के भविष्य में पूर्ण होने की अपेक्षा है, जिन्हें तालुका स्तर पर कोम्प्युटराइझ किया जायेगा ।

१०.४ मोनीटरिंग और सुपरवीझन

सर्व शिक्षा अभियान के गुणात्मक एवं गणनात्मक आयामों के मोनीटरिंग तथा सुपरवीझन के लिये एन.सी.ई.आर.टी. तथा एन.आई.ई.पी.ए द्वारा तैयार किये गये फोर्मेट्स को गुजराती में अनुवादित किया गया तथा जिला, बीआरसी, सीआरसी तथा स्कुल स्तर पर वितरित किया गया । राज्य से ग्राम्य स्तर पर कास्केड मोड में प्रशिक्षण दिया गया है । कलस्टर स्तर पर बीईसी के सदस्यों को सर्व शिक्षा अभियान के स्कुल में मोनीटरींग तथा सुपरवीझन के लिये नवसंस्करित किया गया। मोनीटरींग और सुपरवीझन के लिये मार्च २००५ अंतित त्रिमासिक अहेवाल भारत सरकार को भेज दिया गया है ।

१०.५ रिजीयोनल रीसर्च ईन्स्टीट्युट्स फोर एज्युकेशन

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ही द्वारा सर्व शिक्षा अभियान के राज्य स्तरीय अमलीकरण के मोनीटरिंग और सुपरवीझन का जिम्मा सरदार पटेल ईन्स्टीट्युट ओफ सोश्यल एन्ड इकोनोमीक रीसर्च, अहमदाबाद तथा सेन्टर फोर एडवान्स्ड स्टडीस इन एज्युकेशन, एम. एस. युनिवर्सिटी, वडोदरा, को सौंपा गया है। ईन दोनो रिजीयोनल रीसर्च ईन्स्टीट्यूट्स फोर एज्युकेशन द्वारा एसएसए जिलों में क्षेत्रिय प्रवास किया जाता है, तथा भारत सरकार को इसका अहेवाल पेश किया जाता है ।

प्रकरण - ११
निर्माण कार्य

११.० जीसीपीई के द्वारा डीपीईपी और एसएसए के तहत निर्माण कार्य

नामांकन जुंबिशों और ऐसी ही कुछ अन्य प्रोत्साहक प्रवृतियों के परिणाम स्वरुप विद्यालयों में नामांकन में कई गुना वृद्धि हुइ है । नामांकन में हुइ इस तीव्र वृद्धि के कारण प्रवर्तमान शिक्षा सुविधाएं अपर्याप्त होने लगी हैं । इस परिस्थिति से निपटने के लिए, नए विद्यालयों का निर्माण, अतिरिक्त वर्गखंडों, लडकियों के लिए अलग शौचालय, पीने के पानी की व्यवस्था, जैसे कइ जरुरी कार्यों को डीपीईपी और एसएसए के तहत जीसीपीई ने अपने हाथ में लिया है। परियोजना जिलों की प्राथमिक शालाओं में इन क्रिया कलापों से समग्र अध्यापन वातावरण में निश्चित विकास हाँसिल हुआ है ।

११.१ डीपीईपी के तहत निर्माण कार्य

जिला परियोजना इकाइयों द्वारा वी.सी.डबल्यु.सी. और स्थानिक समूदायों के समर्थन से निर्माण कार्य डीपीईपी के तहत किये गये । डीपीईपी ४ के छः जिलों में नयी स्कूलों के निर्माण, अतिरिक्त वर्गखंड, शौचालयों, ब्लोक रिसोर्स भवनों तथा मरामत के काम किये गये ।

११.१.१ अतिरिक्त वर्गखंड, नए विद्यालयों, बीआरसी और सीआरसी का निर्माण

डीपीईपी ४ के तहत जिला ईकाइयों द्वारा अपने-अपने एन्युअल वर्क प्लान और बजेट में प्रस्तावित अतिरिक्त वर्गखंड, नयी स्कूलों, बीआरसी एवं सीआरसी के भवनों का निर्माण कार्य किया गया, जिसकी विस्तृत जानकारी नीचे दी गई है :

क्रम	जिला	अतिरिक्त वर्गखंड		नए स्कूल		बीआरसी		सीआरसी	
		लक्षित	पूर्ण	लक्षित	पूर्ण	लक्षित	पूर्ण	लक्षित	पूर्ण
१.	कच्छ	१४	१४	०	०	०	०	०	०
२.	साबरकांठा	७८	७८	२	२	०	०	१०	१०
३.	सुरेन्द्रनगर	१५१	१५१	०	०	२	२	३	३
	कुल	२४३	२४३	२	२	२	२	१३	१३

११.१.२ शौचालय, पीने के पानी की सुविधा और मरम्मतका निर्माण

डीपीईपी ४ के तहत जिला इकाइयों द्वारा अपने-अपने एन्युअल वर्क प्लान और बजेट में प्रस्तावित शौचालय, पीने के पानी की सुविधा और मरम्मतका निर्माण कार्य किया गया, जिसकी विस्तृत जानकारी नीचे दी गई है :

क्रम	जिला	शौचालय		पीने के पानी की सुविधा		मरम्मत	
		लक्षित	पूर्ण	लक्षित	पूर्ण	लक्षित	पूर्ण
१.	कच्छ	५०	५०	५०	५०	०	०
२.	साबरकांठा	२५	२५	२६	२६	६९	६९
३.	सुरेन्द्रनगर	२५	२५	५०	५०	५	५
	कुल	१००	१००	१२६	१२६	७४	७४

११.२ एस.एस.ए में निर्माण कार्य

जिला परियोजना ईकाइयों द्वारा बी.सी.डबल्यु.सी. और स्थानिक समुदायों के समर्थन से निर्माण कार्य एसएसए के तहत किये गये । एसएसए के अंतर्गत २५ जिलों तथा ४ म्युनिसिपल कोर्पोरेशन विस्तारों में नयी स्कूलों के निर्माण, अतिरिक्त वर्गखंड, भवन हीन स्कुल, हेड मास्टर्स रुम, शौचालयों, पेशाबघरों, कम्पाउन्ड वोल, ब्लोक रिसोर्स भवनों, क्लस्टर रिसोर्स भवनों तथा मरामत के काम किये गये।

११.२.१ एस.एस.ए. में अतिरिक्त वर्गखंड, नए विद्यालय और भवनहीन विद्यालयों के लिये भवनों का निर्माण

एसएसए के तहत अतिरिक्त वर्गखंड, नए विद्यालय और भवनहीन विद्यालयों के लिये भवनों का निर्माण काफी जोशोखरोश से शुरु किया गया । कुल १३३२ अतिरिक्त वर्गखंड का निर्माण पूर्ण हो चुका है जबकि ३२१ कार्य प्रगति में है । १९ नये विद्यालयों का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि १३ का कार्य प्रगति में हैं । साथ ही, ९ बिना मकान के विद्यालयों के लिये भवनों का निर्माण पूर्ण हो चुका है जबकि ४ में कार्य प्रगति में हैं ।

निर्माण कार्य

दाहोद जिले के लीमखेडा तालुके की जूना वाडिया प्राथमिक स्कूल में निर्मित की गई पेय जल सुविधा के उपयोग द्वारा प्यास मिटाते बच्चे ।

पाटण जिले के अमरगढ में एन.पी.ई.जी.ई.एल. के तहत निर्मित मोडल कलस्टर स्कूल का एक द्रश्य । इस स्कूल द्वारा कन्याओ की शिक्षा के लिए इच्छनीय मुख्य सुविधाएं एवं स्थितियां प्रदान की जाती हैं ।

ईस चित्र में मध्याह्न भोजन योजना के तहत जूनागढ जिले के केशोद में निर्मित किचन शेड को दर्शाया गया है ।

निर्माण कार्य

यह द्रश्य है जूनागढ जिले के सूत्रापाडा तालुके में चेतना हनुमान सीम शाला में निर्मित अतिरिक्त वर्गखंड का।

यह चित्र है पोरबंदर के बीआरसी भवन का जिसे डी.आर.एस. सेट जैसे उपकरणों द्वारा सुसज्जित किया गया है।

भरुच जिले के नबीपुर में बनाये गये सीआरसी भवन का एक द्रश्य।

एस.एस.ए में अतिरिक्त वर्गखंड, नए विद्यालय और भवनहीन विद्यालयों के भवनका निर्माण

क्रम	जिला	अतिरिक्त वर्गखंड			नए विद्यालय			भवनहीन विद्यालय		
		लक्ष्यांक	प्रगति में	पूर्ण	लक्ष्यांक	प्रगति में	पूर्ण	लक्ष्यांक	प्रगति में	पूर्ण
१.	अहमदाबाद	१०६	१५	९१	५	१	४	२	-	२
२.	अहमदाबाद कोर्पोरेशन	३७	-	-	४	-	-	-	-	-
३.	अमरेली	१००	१०	९०	-	-	-	-	-	-
४.	आणंद	१००	१०	८९	-	-	-	-	-	-
५.	बनासकांठा	१७५	४५	१२८	५	१	४	५	२	३
६.	भरुच	३३	-	३३	२	१	१	-	-	-
७.	भावनगर	५०	१४	३६	-	-	-	-	-	-
८.	दाहोद	७२	३	६९	-	-	-	-	-	-
९.	डांग	५	-	५	-	-	-	-	-	-
१०.	गांधीनगर	३६	१४	२२	४	२	२	-	-	-
११.	जामनगर	५०	१५	३५	-	-	-	-	-	-
१२.	जूनागढ	५०	३	४७	-	-	-	-	-	-
१३.	खेडा	८०	३४	४६	-	-	-	-	-	-
१४.	कच्छ	६०	२	५८	-	-	-	-	-	-
१५.	महेसाणा	७२	१५	५७	५	३	२	-	-	-
१६.	नर्मदा	२५	७	१८	-	-	-	-	-	-
१७.	नवसारी	२६	१४	१२	२	१	१	-	-	-
१८.	पंचमहाल	१५०	१७	१३३	-	-	-	-	-	-
१९.	पाटण	८०	११	६९	४	१	३	-	-	-
२०.	पोरबंदर	२१	७	१४	-	-	-	-	-	-
२१.	राजकोट	९०	७	८३	-	-	-	३	-	३
२२.	राजकोट कोर्पोरेशन	१२	४	६	-	-	-	-	-	-
२३.	साबरकांठा	३७	४	३३	-	-	-	-	-	-
२४.	सुरत	२१	३	१८	५	३	३	१	-	१
२५.	सुरत कोर्पोरेशन	-	-	-	-	-	-	-	-	-
२६.	सुरेन्द्रनगर	२०	१	१९	-	-	-	-	-	-
२७.	वडोदरा	१४०	५२	८७	-	-	-	-	-	-
२८.	वडोदरा कोर्पोरेशन	२	-	२	४	-	-	१	-	-
२९.	वलसाड	४६	१४	३२	-	-	-	२	२	-
	कुल	१६९६	३२१	१३३२	४०	१३	१९	१४	४	९

११.२.२ एस.एस.ए. में पीने के पानी की सुविधा, शौचालय और कम्पाउन्ड वोल का निर्माण

एसएसए के तहत परियोजना जिलों में पीनेके पानी की सुविधाओं तथा शौचालय संकुलों का निर्माण शुरु किया गया है । ८४३ जगहों पर पीने के पानी की सुविधाओं का निर्माण पूर्ण हो चुका है जबकि ३३ स्कूलों मे कार्य जारी है । एसएसए में कुल ११११ शौचालय संकुलों का निर्माण पूर्ण हो चुका है जबकि ५४ का कार्य जारी हैं । कम्पाउन्ड वोल का निर्माण १७५० विद्यालयों में पूर्ण हो चुका है, जबकि ८५ में कार्य जारी है ।

एस.एस.ए में पीने के पानी, शौचालय और कम्पाउन्ड वोल की सुविधा

क्रम	जिला	पीने के पानी की सुविधा			शौचालय			कम्पाउन्ड वोल		
		लक्षित	प्रगतिमें	पूर्ण	लक्षित	प्रगतिमें	पूर्ण	लक्षित	प्रगतिमें	पूर्ण
१.	अहमदाबाद	१०	-	१०	२५	१	२४	७५	१	७४
२.	अहमदाबाद कोर्पो.	२०	१०	-	२०	१०	९	२०	२	७
३.	अमरेली	२०	१	१९	२०	१	१९	४०	-	४०
४.	आणंद	५०	-	५०	६०	-	६०	८०	२	७८
५.	बनासकांठा	२५	३	२२	४०	२	३८	५०	२	४८
६.	भरुच	-	-	-	-	-	-	१७२	२	१७०
७.	भावनगर	५०	२	४८	१२५	४	१२१	१००	२	९८
८.	दाहोद	३०	१	२९	५०	२	४८	२००	४	१९६
९.	डांग	२०	५	१५	२०	६	१४	१५५	४२	११३
१०.	गांधीनगर	१०	१	९	३०	१	२८	१००	७	९३
११.	जामनगर	५	-	५	१०	-	१०	१००	३	९७
१२.	जूनागढ	२५०	-	२५०	२००	२	१९८	-	-	-
१३.	खेडा	३०	-	३०	३०	५	२५	६१	२	५९
१४.	कच्छ	३०	-	३०	३०	४	२६	-	-	-
१५.	महेसाणा	४०	-	४०	८०	-	८०	१२५	-	१२५
१६.	नर्मदा	१५	-	१५	५०	-	५०	९०	२	८८
१७.	नवसारी	२१	५	१६	३८	८	३०	८०	५	७५
१८.	पंचमहाल	१०	-	१०	५०	-	५०	५०	-	५०
१९.	पाटण	१०	-	१०	१०	-	१०	२५	-	२५
२०.	पोरबंदर	१३	-	१३	२५	३	२२	१०	१	९
२१.	राजकोट	३०	-	३०	३०	१	२९	९०	१	८९
२२.	राजकोट कोर्पो.	१०	१	६	१०	-	८	९	१	६
२३.	साबरकांठा	२५	-	२५	२५	-	२५	-	-	-
२४.	सुरत	५०	-	५०	५२	-	५२	५०	-	५०
२५.	सुरत कोर्पो.	-	-	-	-	-	-	-	-	-
२६.	सुरेन्द्रनगर	५०	-	५०	५०	१	४९	७०	२	६८
२७.	वडोदरा	५०	४	४६	५०	३	४७	५०	४	४६
२८.	वडोदरा कोर्पो.	५	-	५	५	-	५	६	-	६
२९.	वलसाड	१०	-	१०	५०	-	५०	४०	-	४०
	कुल	८८९	३३	८४३	११६५	५४	११११	१८४८	८५	१७५०

११.२.३ एस.एस.ए में बीआरसी भवन और सीआरसी भवन का निर्माण

एसएसए के तहत परियोजना जिलों में बीआरसी तथा सीआरसी भवनों का निर्माण शुरु किया गया है। ४ बीआरसी भवनों का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि १ में कार्य प्रगति में है । २६७ सीआरसी भवनों का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि १७ में कार्य प्रगति में है।

क्रम	जिला	बीआरसी भवन			सीआरसी भवन		
		लक्षित	प्रगतिमें	पूर्ण	लक्षित	प्रगतिमें	पूर्ण
१.	अहमदाबाद	१	१	-	२०	-	२०
२.	अहमदाबाद कोर्पो.	-	-	-	५	५	-
३.	अमरेली	२	-	२	१०	-	१०
४.	आणंद	-	-	-	१२	२	१०
५.	बनासकांठा	-	-	-	३०	६	२४
६.	भरुच	-	-	-	१३	१	१२
७.	भावनगर	-	-	-	-	-	-
८.	दाहोद	-	-	-	२१	४	१७
९.	डांग	-	-	-	-	-	-
१०.	गांधीनगर	-	-	-	१२	३	९
११.	जामनगर	-	-	-	-	-	-
१२.	जूनागढ	२	-	२	९	१	८
१३.	खेडा	-	-	-	२०	८	१२
१४.	कच्छ	-	-	-	-	-	-
१५.	महेसाणा	-	-	-	२०	९	११
१६.	नर्मता	-	-	-	८	२	६
१७.	नवसारी	-	-	-	२१	१६	५
१८.	पंचमहाल	-	-	-	२४	४	२०
१९.	पाटण	-	-	-	१०	३	७
२०.	पोरबंदर	-	-	-	५	१	४
२१.	राजकोट	-	-	-	२४	२	२२
२२.	राजकोट कोर्पो.	-	-	-	२	१	१
२३.	साबरकांठा	-	-	-	११	२	९
२४.	सुरत	-	-	-	२६	५	२१
२५.	सुरत कोर्पो.	-	-	-	-	-	-
२६.	सुरेन्द्रनगर	-	-	-	१०	१	९
२७.	वडोदरा	-	-	-	३२	१४	१८
२८.	वडोदरा कोर्पो.	-	-	-	२	२	-
२९.	वलसाड	-	-	-	१७	५	१२
	कुल	५	१	४	३६४	१७	२६७

११.३ जी.सी.ई.आर.टी. भवन का निर्माण

गुजरात काउन्सील ओफ एज्युकेशन, रिसर्च ओन्ड ट्रेनींग (जी.सी.ई.आर.टी) के भवन का निर्माण पूर्ण किया गया । इसे डिस्ट्रीकट प्रायमरी एज्युकेशन प्रोग्राम के तहत निर्मित किया गया । इस संकुल में डायट के लिये भी अलग भवन का प्रावधान है । जी.सी.ई.आर.टी. - डायट भवन संकुल की संरचना भूकंप अवरोधक है, जिसमें अध्यापन विद्या के संशोधन एवं प्रशिक्षण के लिये विडीयो कोन्फरन्सींग सहित अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान की गयी है ।

प्रकरण - १२

वित्त और लेखा

१२.० ओडिट एन्ड एकाउन्ट्स

वर्ल्ड बेंक के साथ हुए करार के मुताबिक, राज्य अमलीकरण संस्थान द्वारा डीपीईपी के स्वतंत्र हिसाब निभाये गये, जिसके आखरीकृत अहेवालों को वर्ल्ड बेंक के नियमो के अनुसार ओडीट किया गया तथा वर्ल्ड बेंक को भेजा गया। वर्ष २००३ - ०४ के अहेवाल वर्ल्ड बेंक को निश्चित समयावधि में भेजा गया। इस वर्ष के वार्षिक अहेवाल को भारत सरकार को भेजा जा चुका है।

ईसी प्रकार सर्व शिक्षा अभियान के अहेवाल को ओडिट किये गये हिसाब के साथ भारत सरकार को भेजा गया। सर्व शिक्षा अभियान के वर्ष २००३ - ०४ के वार्षिक अहेवाल तथा ओडिटेड अेकाउन्ट्स को निश्चित समयावधि में भारत सरकार को भेजा गया।

१२.१ डीपीईपी ४ में खर्च

वर्ष २००४ - ०५ के लिये कुल रु. ४३२८.७१ लाख का बजेट मंजुर हुआ था, जब कि परियोजना जिलों कच्छ, साबरकांठा और सुरुन्द्रनगर में विविध प्रवृत्तिओं के लिये कुल रु. २५९१.६३ लाख खर्च किये गये है। डीपीईपी ४ में खर्च का विवरण नीचे दिया है :

क्रम	जिला	खर्च (रु. लाखमे.)
१	कच्छ	७४०.०६
२	सुरेन्द्रनगर	७३५.०४
३	साबरकांठा	९७५.०२
४	अेस.पी.ओ	१४१.५१
	कुल	२५९१.६३

डीपीइपी ४ में धनराशि वितरण

वर्ष २००४ - ०५ के दौरान डीपीईपी ४ के जिलों कच्छ, साबरकांठा और सुरेन्द्रनगर में कुल रु. १५२३.९५ लाख के री-ईम्बर्समेन्ट दावों की आपुर्ति की गयी, जिसका विवरण नीचे दिया है :

क्रम	जिला	खर्च (रु. लाखमे.)
१	कच्छ	२९१.५७
२	सुरेन्द्रनगर	४५६.९७
३	साबरकांठा	७७५.४१
	कुल	१५२३.९५

डीपीइपी ४: समग्र परियोजना का प्रति वर्ष प्रदर्शन

डीपीइपी ४ (रु. लाखमे.)

वर्ष	बजट	प्राप्त धनराशि			खर्च
		जीओआई	जीओजी	कुल	
२००१-२००२	१८०५.८६	८००.००	२९२.५०	१०९२.५०	३४८.५०
२००२-२००३	३३१७.८८	२२००.००	२४७.५०	२४४७.५०	१२४२.१९
२००३-२००४	३७८४.१०	१६७३.३१	३१९.००	१९९२.३१	२२५९.७४
२००४-२००५	४३२८.७१	२२७९.३८	६५०.००	२९२९.३८	२५११.६३

१२.२ एसएसए में वित्तिय प्रदर्शन

गुजरात में सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष २००४-०५ के लिये कुल र. २४५.०७ करोड का बजेट मंजुर हुआ था, जबकि परियोजना जिलों में विविध प्रवृत्तिओं के लिये कुल र. १५३.६३ करोड खर्च किये गये हैं। धनराशि की मुक्ति एवं प्राप्ति की स्थिति सरल रही, जिसके अंतर्गत भारत सरकार द्वारा रु. ११२.४५ करोड तथा गुजरात सरकार द्वारा रु. ६१.२१ करोड प्राप्त हुए, जिसके कारण एन्युअल वर्क प्लान और बजेट के कार्यक्रमो के मुताबिक असरदार अमलीकरण में सुगमता हुई।

(रु. करोड मे.)

वर्ष	बजट	प्राप्त धनराशि			खर्च
		जीओआई	जीओजी	कुल	
२००१-२००२	३७.९८	१७.६६	३.११	२०.७७	१४.६१
२००२-२००३	१२९.५८	९८.७२	२२.५०	१२१.२२	९६.५२
२००३-२००४	२२७.७४	११५.२५	२१.५८	१३६.८३	१४३.११
२००४-२००५	२४५.०७	११२.४५	६१.२१	१७३.६६	१५३.६३

१२.३ एसएसए में प्रवृत्ति के अनुसार वित्तिय प्रदर्शन

वर्ष २००४ - ०५ सर्व शिक्षा अभियान के तहत विविध प्रवृत्तियों के लिये किये गये खर्च का विवरण ईस प्रकार है :

प्रवृत्तियों के अनुसार वर्ष २००४ - ०५ में वित्तिय प्रदर्शन

(रु. लाख मे.)

प्रवृत्तियों	स्वीकृत		प्रगति		प्रदर्शन %
	लक्ष्य	आर्थिक	लक्ष्य	आर्थिक	आर्थिक
शिक्षक वेतन	२९	८.७०			
निर्माण कार्य		८६८९.६३		७११४.४२	८२.७९
विद्यालयोमें मरम्मत कार्य	५३६४	११७८.६१	४८६८६	१५४७.४४	८९.३९
प्रायमरी स्कूलमें टीएलई	३५८९	१५९४.६४	१०९९	४४९.३३	३०.६१
स्कूल ग्रान्ट	४४५९७	८९९.१४	३९८७६	७९७.५२	८६.७०
शिक्षको के लिये टीएलएम ग्रान्ट	१३०६४२	६४२.३५	१३३९६०	६६९.८०	१०४.२७
शिक्षक प्रशिक्षण	१४१२६७	२०५२.१०		८९९.२३	४३.८२

मुफ्त पाठ्यपुस्तकें	३४८८८३	५२३.३४	२००१०७	३००.१६	५७.३५
समुदायिक अभिप्रेरण	१६३१६१	९७.८९		४३.३६	४४.२९
विकलांग बच्चों के लिए संकलित शिक्षा	५३११५	६३७.३९	५३११५	१४८.२७	२३.२६
संशोधन और मुल्यांकन	५२९२५	७९३.६४		२७५.०४	३४.६६
व्यवस्थापन		११५३.८०		८३१.९७	७२.११
नवाचारी शिक्षा - कलाप		१२५०.००		२८७.९५	२३.०३
बीआरसी भवन		१२०.८५		७६.३२	६३.२५
सीआरसी भवन		८६१.८२		७१०.१३	८२.४०
वैकल्पिक शिक्षण	३४०३२५	२८०३.३८	१४९९११	६३१.७१	२२.५३
कुल		२४५०७.१८		१५३६२.६५	६२.६९

१२.४ एसएसए के तहत राज्य एवं जिला स्तर के लिये स्वीकृत बजट और खर्च

गुजरात में सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष २००४ - ०५ के लिये राज्य एवं जिला स्तर के लिए स्वीकृत बजट और खर्च का विवरण नीचे दिया गया है :

एसएसए के तहत राज्य एवं जिला स्तर के लिये स्वीकृत बजट और खर्च

(३१/३/२००५ की स्थिति)

(रु. लाख में.)

क्रम	जिला	बजट	खर्च	क्रम	जिला	बजट	खर्च
१	अमहदाबाद	११६६.७७	७८१.२६	१६	नर्मदा	५३५.२३	४११.८७
२	अमहदाबाद कोर्पो	७६२.६७	३७६.३०	१७	नवसारी	८३०.७०	४५३.१०
३	अमरेली	८८७.४९	५४४.६३	१८	पंचमहाल	१३१८.०८	८७६.३०
४	आणंद	१०८८.९३	७०६.३९	१९	पाटण	८६९.१०	५२७.५३
५	बनासकांठा	१७७७.४०	९९३.४८	२०	पोरबंदर	३२१.९५	१४१.५२
६	भरुच	७८८.३७	५७८.४४	२१	राजकोट	११४३.६३	८०४.४५
७	भावनगर	५९२.५३	३९४.३०	२२	राजकोट कोर्पो	१६४.६०	१०४.५६
८	दाहोद	१०८६.४२	८३६.४६	२३	साबरकांठा	६७३.५१	४६३.२७
९	डांग	२८६.२५	१८१.३६	२४	सुरत	१०५४.७०	७१८.१६
१०	गांधीनगर	६३८.९४	३५९.३६	२५	सुरत कोर्पो	२१५.०४	३९.९०
११	जामनगर	११०८.८६	४९७.६६	२६	सुरेन्द्रनगर	५१६.३१	२४५.८७
१२	जूनागढ	७८१.८०	४३८.९५	२७	वडोदरा	१६९१.८७	११७७.१९
१३	खेडा	५११.७१	८५९.९५	२८	वडोदरा कोर्पो	११४.६५	६२.११
१४	कच्छ	१३२८.२६	२७७.११	२९	वलसाड	७७५.७७	५२०.५२
१५	महेसाणा	१०४६.१८	६१४.१६	३०	स्टेट विभाग	४२९.४६	३७६.४१
					कुल	२४५०७.१८	१५३६२.६५

१२.५ एन.पी.इ.जी.इ.एल

गुजरात में एन.पी.इ.जी.इ.एल का प्रारंभ ओकटोबर २००३ में किया गया। वर्ष के दौरान

परियोजना की मजबुत बुनियाद डालने की दिशा में खासी प्रगति हुइ है। वर्ष २००४ - ०५ में मंजुर कुल बजेट रु. ४६७६.८७ लाख के मुकाबले में रु. ३२४६.३२ लाख का खर्च विवध प्रवृत्तिओं के लिये गुजरात में किया गया, जिसका ब्यौरा नीचे दिया गया है :

(रु. लाख मे.)

वर्ष	बजट	प्राप्त धनराशि			खर्च
		जीओआई	जीओजी	कुल	
२००३-२००४	७१८.५१	१३४.७२	-	१३४.७२	४०६.२६
२००४-२००५	४६७६.८७	२८२७.००	११७५.००	४००२.००	३२४६.३२
कुल	५३९५.३८	२९६१.७२	११७५.००	४१३६.७२	३६५२.५८

१२.६ एन.पी.ई.जी.ई.एल. के तहत राज्य एवं जिला स्तर के लिये स्वीकृत बजट और खर्च

गुजरात में एन.पी.ई.जी.ई.एल. कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष २००४ - ०५ के लिये राज्य एवं जिला स्तर के लिये स्वीकृत बजट और खर्च का विवरण नीचे दिया गया है :

एन.पी.ई.जी.ई.एल. के तहत राज्य एवं जिला स्तर के लिये स्वीकृत बजट और खर्च

(३१/३/२००५ की स्थिति)

(रु. लाख मे.)

क्रम	जिला	बजट	खर्च	क्रम	जिला	बजट	खर्च
१	अहमदाबाद	२४२.८४	१५०.४७	१६	नर्मदा	१२९.१७	६९.२९
२	अहमदाबाद कोर्पो.	-	-	१७	नवसारी	२९.७७	११.३१
३	अमरेली	८९.४७	६४.२३	१८	पंचमहाल	५२३.७३	३४६.८०
४	आणंद	८.२३	१३.९९	१९	पाटण	१७६.५३	११७.७६
५	बनासकांठा	७३९.७३	५१३.१६	२०	पोरबंदर	०.४२	०.८४
६	भरुच	-	-	२१	राजकोट	१४३.५१	१०८.४८
७	भावनगर	३५५.९०	२६८.९२	२२	राजकोट कोर्पो.	-	-
८	दाहोद	४१६.१३	३६५.९३	२३	साबरकांठा	१५१.७९	११०.३८
९	डांग	०.२३	१.१३	२४	सुरत	९३.१४	७१.४६
१०	गांधीनगर	३४.४१	१०.७३	२५	सुरत कोर्पो.	-	-
११	जामनगर	२१९.१५	१५१.१७	२६	सुरेन्द्रनगर	४५१.११	३०५.७७
१२	जूनागढ	२२३.५०	१५४.३०	२७	वडोदरा	११६.२१	१२६.५७
१३	खेडा	४५.८५	३९.०७	२८	वडोदरा कोर्पो.	-	-
१४	कच्छ	३१०.३८	२०६.८९	२९	वलसाड	-	-
१५	महेसाणा	४६.२१	३७.६७	३०	स्टेट विभाग	-	-
					कुल	४६२७.४१	३२४६.३२

१२.७ के.जी.बी.वी

वर्ष २००४ - ०५ के दौरान लघुमति, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के वंचित जूथोंकी कन्याओं के लिये रिहायशी स्कूल सुविधा प्रदान करने के हेतु सर्व शिक्षा अभियान की छत्रछाया में एक नवाचारी कार्यक्रम कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) चुनिंदा दुर्गम विस्तारों में क्रियान्वीत किया गया। वर्ष २००४ - ०५ के दौरान बजटके अनुसार रु. ६६२.७० लाख के प्रावधान था, जबकि विविध प्रवृत्तियोंमें कुल रु. २१.१४ लाख का खर्च किया गया ।

(रु. लाख मे.)

वर्ष	बजट	प्राप्त धनराशि			खर्च
		जीओआई	जीओजी	कुल	
२००४-२००५	६६२.७०	४९७.०३	-	४९७.०३	२१.१४

१२.८ के.जी.बी.वी के तहत प्रवृत्तियों के अनुसार वर्ष २००४ - ०५ में वित्तिय प्रदर्शन

गुजरात में के.जी.बी.वी. के तहत विविध प्रवृत्तियों के लिये किये गये खर्च का विवरण ईस प्रकार है:

के.जी.बी.वी के तहत प्रवृत्तियों के अनुसार वर्ष २००४ - ०५ में वित्तिय प्रदर्शन

(रु. लाख मे.)

प्रवृत्ति	खर्च
(१) बच्चोंके लिये निभाव खर्च	२१.१०
(२) व्यवस्थापन खर्च	००.०४
कुल	२१.१४

१२.९ फायनान्स कन्ट्रोलर्स का राष्ट्रीय कार्यशिबिर

सर्व शिक्षा अभियान के तहत मोनीटरींग और सुपरविझन के विषय पर दिनांक २०- २१ जनवरी, २००५ को अहमदाबाद में राज्यों के फायनान्स कन्ट्रोलर्स के लिए एक राष्ट्रीय कार्यशिबिर का आयोजन किया गया ।

एड.सील, नई दिल्ली के कन्सल्टन्ट्स द्वारा विभिन्न वित्तिय पहेलुओं पर चर्चा की गई । सभी राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों के फायनान्स कन्ट्रोलर्स ने कार्य शिबिरमें हिस्सा लिया ।

सर्व शिक्षा अभियान के तहत वित्तिय मोनीटरींग एवं सुपरविझन के विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्य शिबिर

सर्व शिक्षा अभियान के तहत वित्तिय मोनीटरींग एवं सुपरविझन के विषय पर अहमदाबाद में आयोजित राष्ट्रीय कार्य शिबिर का एक द्रश्य ।

सर्व शिक्षा अभियान के तहत वित्तिय मोनीटरींग एवं सुपरविझन के राष्ट्रीय मापदंडो को पेश करते हुए श्री के.आर. मीना, जिनकी बाँयी ओर हैं स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुश्री. मीना भट्ट ।

सर्व शिक्षा अभियान के तहत वित्तिय मोनीटरींग एवं सुपरविझन के कार्यशिबिर में भाग लेने के लिये आये हुए तजज्ञों तथा विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों का समूह चित्र ।

A. S. Merchant F.C.A
A. K. Shah F.C.A
D. P. Shah F.C.A
P. R. Patel F.C.A
B. M. Vashi F.C.A

SHAH MERCHANT & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS
14/4, 'L' Colony,
Nr Sahjanand College,
Ambavadi, Ahmedabad-380 015
Tel. : (079) 2630 9829/2630 7809
Fax : (079) 2630 6243
Email : shahmerchant@hotmail.com

SARVA SHIKSHA ABHIYAN PROGRAMME - GUJARAT STATE

AUDITOR'S REPORT

1. We have audited the attached Balance Sheet of **Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat State** as at 31st March 2005 and its Income and Expenditure Account, to be read with Notes forming part of Accounts for the year ended on that date. These financial statements are the responsibility of the management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. Our Audit coverage includes audit of All District Project Offices also.

2. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those Standards required that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

3. 'Sarva Shiksha Abhiyan' is a programme of Government of India. The objectives of this programme are being implemented in a Mission mode by a Society formed under the Societies Registration Act, by the name, State Project Office of Gujarat Council of Primary Education.

   The Grants received by the Society's State Project Office are either released to various District Levels for utilization or State Project Office themselves utilize the Grants for various Districts.

   The Grant received, Grant Returned (Savings), Undisbursed Grant of previous years, Bank Interest, Tender Fees Received and various Other Incomes are taken as Income and amount expended under various activities of this programme are treated as Expenditure. The amount expended under various activities may include disbursement for construction and/or acquisition of Fixed Assets for the purpose or object of this Programme, all such expenditure are considered as revenue expenditure.

Subject to Clause No. 3 above we report that:-

a. The Grant Receipts and Disbursements have been properly and correctly shown in the books of accounts. And the accounts have been maintained using double entry accounting principles.

b. The cash balance, if any, and vouchers were in the custody of the Officer In-charge of the respective offices on the date of our audit. The cash balances, if any, at the year end has not been physically verified by us.

c. The balances of amount in current liabilities and current assets are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties.

d. Books, deeds, accounts, vouchers and other documents and records required by us were produced before us for our audit, except register for journal / magazine / newspapers, establishment register, stock register, non consumable and consumable article register, and register for works, register for grants of advances to mobilization agencies/NGOs/Voluntary Agencies and temporary advance to VECs.,

e. It has been observed during the course of our audit no Grant fund or any part thereof have been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the Office of the State Project Director.

f. The Books of Accounts of all Sarva Shiksha Abhiyan District / Municipal Corporations have been consolidated at State Project Office, Gandhinagar.

g. The Audit has been conducted as per the Term of Reference TOR provided to us and audit depth and scope of work has been prepared in accordance with the Manual.

For, **Shah Merchant & Associates**

Chartered Accountants

(Ashok K Shah)

Partner M.No. 30331

Place : Ahmedabad

Date : 12.09.2005.

CONSOLIDATED BALANCE SHEET AS ON 31st March, 2005

SARVA SHIKSHA ABHIYAN, Gujarat State

LIABLITIES	Amount Rs. Current year	Amount Rs. Previous year
Capital Fund		
Opening Balance	666131896	308807642
Funds recd. From Govt. of India		
(a) SSA	1124500000	1152541000
(b) NPEGEL	282700000	13472000
Funds recd. From State Govt.		
(a) SSA	612100000	215800000
(b) NPEGEL	117500000	0
Interest		
(a) SSA	19742520	14686904
(b) NPEGEL	170395	0
Others	72598480	169100
Balances at Districts		
(a) Funds Refunded	0	6809979
(b) Undisbursed Grant	0	425558132
	2895443290	2137843757
Less :		
Funds for Utilisation	1860897639	1471711861
Closing Balance	1034545651	666131896
Advances Repayable		
Commissioner MDM Balance	1042298	0
Staff Deduction Payables	2420	19336
KGBV Project	984430	0
DPEO Account	1350	5605
Retention Money	2485271	1268766
Security Deposite	308727	0
GCPE Account	303157295	0
Payable to Others	0.00	18582794
Payable to District Panchayat	0.00	6189901
DPEP IV Projects	0.00	57065172
NEQ Projects	0.00	364867816
SSA Earthquake Project	0.00	177113200
SSA Preparatory Project	0.00	7426741
Pending Adjustments	0.00	8722
Total	**1342527443**	**1298679949**

ASSETS	Amount Rs. Current year	Amount Rs. Previous year
Fixed Assets		
Civil Works	0	0
Vehicle	0	0
Equipements	0	0
Deposites		
(a) Fixed Deposits with Banks	0	0
(b) Deposits with Others	0	0
Balances at Districts		
(a) Cash at Bank	166051634	700935114
(b) Cash in Hand	87693	95686
(c) Advances Outstanding	16665572	51000
(d) Receivable From Districts		
Closing Balance at SPO		
(a) Cash at Bank	1159678940	74429514
(b) Cash in Hand	43604	14462
(c) Advances Outstanding	0	1453901
DPE Project	0.00	496375
Diet Project	0.00	1500000
DPEP Project	0.00	357025
GCPE	0.00	311495000
GCPE (NEQ)	0.00	2500000
NCERT	0.00	99000
State Aided Project	0.00	2500000
DPEP II Project	0.00	194837544
SSA Preprojects	0.00	7915328
Total	**1342527443**	**1298679949**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date attached
For Shah Merchant & Associates
Chartered Accountants

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat
State Project Office

MEENA BHATT
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat
State Project Office

(Ashok K Shah)
Partner M.No. 30337

Place : Gandhinagar.
Date : 12.09.2005

Place : Ahmedabad
Date : 12.09.2005.

CONSOLIDATED ANNUAL FINANCIAL STATEMENT FOR THE YEAR ENDED 31st March, 2005

SARVA SHIKSHA ABHIYAN, Gujarat State

SOURCE & APPLICATION

	SOURCE (RECEIPTS)	SSA	NPEGEL	TOTAL
	Opening Balance			
(a)	Cash in hand	110148	0	110148
(b)	Cash at Bank	775364628	0	775364628
	Total	**775474776**	**0**	**775474776**
(a)	**Source (Receipt)**			**0**
(b)	Funds received from Government of India	1124500000	282700000	1407200000
(c)	Funds received from State Government	612100000	117500000	729600000
(d)	Interest	19742520	170395	19912914
(e)	**Others**			
	Grant Returned Savings	72554277	0	72554277
	Tender Fees	43300	0	43300
	Notice pay Income	903	0	903
	Balance Payment / Receivable Inflow net	198638912	0	198638912
	TOTAL RECEIPTS	**2803054688**	**400370395**	**3203425082**

	APPLICATION (EXPENDITURE)	Approved AWP&B Including spill over	Expenditure Incurred	Savings
	Payments			
(a)	Teachers Salary	270000	0	270000
(b)	BRC	12085000	7631811	4453189
(c)	CRC	85834000	71012754	14821246
(d)	Civil Work	869717000	719441690	150275310
(e)	EGS / AIE	280328000	63171114	217156886
(f)	Free Text Book	52334000	30016143	22317857
(g)	Innovative Acitivities	125000000	28794625	96205375
(h)	IED	63739000	14827392	48911608
(i)	NPEGEL	462741700	324632298	138109402
(j)	School Maintenance Grant	217861000	194744570	23116430
(k)	Management Cost	76345000	58088998	18256002
(l)	Research & Evaluation	79364000	14971723	64392277
(m)	School Grant	89914000	79751512	10162488
(n)	Teacher Grant	64235000	66980508	-2745508
(o)	TLE	179464000	54932600	124531400
(p)	Teachers Trainning	205210000	89923112	115286888
(q)	Community Trainning	9788000	4336061	5451939
(r)	SIEMAT	0	0	0
(s)	State Component	39035000	37640728	1394272
(t)	Others	0	0	
	Advance Outstanding	0	16665572	
	TOTAL EXPENDITURE	**2913264700**	**1877563211**	**1035701489**
	Closing Balance		**1325861871**	
(a)	Cash in hand		131297	
(b)	Cash at Bank		1325730574	
	Total		**1325861871**	

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date attached
For Shah Merchant & Associates
Chartered Accountants

S D SOLANKI
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat
State Project Office

MEENA BHATT
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat
State Project Office

(Ashok K. Shah)
Partner M. No. 30331

Place : Gandhinagar
Date : 12.09.2005

Place : Ahmedabad
Date : 12.09.2005

CONSOLIDATED INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st March, 2005

SARVA SHIKSHA ABHIYAN, Gujarat State

EXPENDITURE	*Amount Rs Current Year*	*Amount Rs Previous Year*	INCOME	*Amount Rs. Current Year*	*Amount Rs. Previous Year*
Expenditure at Districts and			**Funds recd. from Govt. of India**		
Sub districts level			(a) SSA	1124500000	1152541000
			(b) NPEGEL	282700000	13472000
Teachers Salary	0	1620000	**Funds recd. from State Govt.**		
BRC	7631811	22389167	(a) SSA	612100000	215800000
CRC	71012754	97109939	(b) NPEGEL	117500000	0
Civil Work	719441690	569505637	**Interest**		
EGS/AIE	63171114	26030868	(a) SSA	19742520	14685904
Free Text Book	30016143	0	(b) NPEGEL	170395	0
Innovative Activity	28794625	182884938	**Others**		
IED	14827392	4869347	Grant Returned Savings	72554277	0
NPEGEL	324632298	40625988	Tender Fees	43300	0
School Maintenance Grant	194744570	158648936	Notice Pay Income	903	0
Management Cost	58088998	64905672	Miscellaneous Receipts	0	169100
Research & Evaluation	14971723	12416335	**Balances at districts**		
School Grant	79751512	39891500	(a) Funds Refunded	0	6809979
Teachers Grant	66980508	60476482	(b) Undisbursed Grant (Opening)	666131896	425558132
TLE	54932600	105804000			
Teachers Training	89923112	77930322			
Community Training	4336061	6594883			
State Component					
SIEMAT	0	0			
Management Cost	25108540	0			
Research & Evaluation	12532188	5852			
Others	0	0			
	1860897639	*1471711861*			
Excess of Income over Expenditure	1034545651	357324254			
Total	2895443290	1829036115	**Total**	2895443290	1829036115

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date attached
For Shah Merchant & Associates
Chartered Accountants

AHMEDABAD

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat
State Project Office

MEENA BHATT
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat
State Project Office

(Ashok K Shah)
Partner M No. 30031

Place : Gandhinagar
Date : 12.09.2005

Place : Ahmedabad
Date : 12.09.2005

CONSOLIDATED RECEIPT AND PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st March, 2005

SARVA SHIKSHA ABHIYAN, Gujarat State

RECEIPTS	Amount Rs. Current Year	Amount Rs Previous Year	PAYMENTS	Amount Rs. Current Year	Amount Rs Previous Year
Opening Balance			**Amount paid to districts**		
(a) Cash in Hand	110148	546144317	**and sub-districts level**		
(b) Cash at Bank	775364628	36023	**Expenditure at District**		
Funds recd. From Govt of India			**and sub-districts level**		
(a) SSA	1124500000	1152541000	Teachers Salary	0	1620000
(b) NPEGEL	282700000	13472000	BRC	7631811	22389167
Funds recd. From State Govt.			CRC	71012754	97109939
(a) SSA	612100000	215800000	Civil Work	719441690	569505637
(b) NPEGEL	117500000	0	EGS / AIE	63171114	26030866
Interest			Free Text Book	30016143	0
(a) SSA	19742520	14685904	Innovative Activities	28794625	182884938
(b) NPEGEL	170395	0	IED	14827392	4869347
Others			NPEGEL	324632298	40625988
Grant Returned Savings	72554277	0	School Maintenance	194744570	158648935
Tender Fees	43300	0	Management Cost	58088998	64905672
Notice pay Income	903	0	Research and Evaluation	14971723	12418335
			School Grant	79751512	39891500
Decrease in Amount Receivable	523205174	0	Teacher Grant	66980508	60476482
Miscellaneous Receipts	0	169100	TLE	54932600	105804000
Funds refunded by Districts	0	6809979	Teacher Training	89923112	77930322
Increase in Amount Payable	0	295432614	Community Training	4336061	6594883
Decrease in Amount Receivable	0	3600601	*State Component*		
			SIEMAT		
			Management Cost	25108540	0
			Research and Evaluation	12532188	5862
			Other	0	0
			Advances Outstanding		
			(a) State Level	0	1453901
			(b) District Level	16665572	51000
			(c) Sub-District Level	0	0
			Closing Balance		
			(a) Cash at Bank	1325730574	775364628
			(b) Cash in Hand	131297	110148
			Decrease in Amount Payable	324566262	0
Total	**3527991344**	**2248691538**	**Total**	**3527991344**	**2248691538**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date attached
For Shah Merchant & Associates
Chartered Accountants

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat
State Project Office

MEENA BHATT
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat
State Project Office

(Ashok K.Shah)
Partner M.No. 36331

Place : Gandhinagar
Date : 12.09.2005

Place : Ahmedabad
Date : 12.09.2005

ANNEXURE "F" NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS

SARVA SHIKSHA ABHIYAN PROGRAMME – GUJARAT STATE

a. 'Sarva Shiksha Abhiyan' is a programme of Government of India. The objectives of this programme are being implemented in a Mission mode by a Society formed under the Societies Registration Act, by the name, State Project Office of Gujarat Council of Primary Education.

The Grants received by the Society's State Project Office are either released to various District Levels for utilization or State Project Office themselves utilize the Grants for varions Districts.

b. The Financial Statements have been prepared under the historical cost convention and on cash basis.

c. The Grant Received, Grant Returned (Savings), Undisbursed Grant or previous years, Bank interest, Tender Fees Received and various Other Incomes are taken as Income and amount expended under various activities may include disbursement for construction and/or acquisition of Fixed Assets for the purpose or object of this Programme, all such expenditure are considered as revenue expenditure.

d. Grant amount disbursed under a particular budget head in the current financial year and returned as unspent / unutilized in the current financial year are reversed in that same budget head itself. And Grant amount disbursed under a particular budget head in the previous financial years and returned as unspent / unutilized in the current financial year are considered as Grant Returned (Savings) and treated as Income.

In terms of the Programme, in a particular year, if an outlay approved is not spent fully the same becomes outlay saved and this shall be treated under non-recurrent heads and becomes eligible for being considered as spill over activities for the forthcoming year.

e. The financial management and procurement procedure done by State Project Office is generally in accordance with the guidelines issues under Manual on Financial Management and Procurement by Department of Elementary Education and Literacy, Ministry of Human Resources Development, Government of India.

f. No Grant fund or any part there of have been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the Office of State Project Director, the implementing authority of this Programme.

g. The balances of amount in current liabilities and current assets are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties. The bank balances are reconciling with respective bank's balances

h. The Opening Balance of Grant Fund amounting to Rs. 66,61,31,896 has been treated as Income – Balances at District – Undisbursed Grant and in its consequence Excess of the Income over Expenditure reflect the total unutilized balance available as on the year end.

i. The State Project Office, during the course of implementation of this Program has complied with all the relevant business laws as applicable to each transaction. The Programme does not have any liabilities for breach or non compliance of any law in the year under review.

j. The books of accounts of all District Offices / Municipal Corporations are consolidated at State Project Office.

k. Figures have been rounded to nearest rupee.

S.D.Solanki
Finance & Account Officer
Sarva Shiksha Abhiyan *Programme*
Gujarat State
State Project Office
Gandhinagar

Meena Bhatt
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan *Programme*
Gujarat State
State Project Office
Gandhinagar

Place : Gandhinagar
Date : 12.09.2005

For, **Shah Merchant & Associates**
Chartered Accountants

(Ashok K Shah)
Partner M.No. 30331

SHAH MERCHANT & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

Place : Ahmedabad
Date : 12.09.2005

Utilization Certificate under SSA for the year ended 31.3.2005

Sr.No.	Sanction Letter No. and Date	Amount Rs.	Amount Rs.	Amount Rs.
		SSA	NPEGEL	TOTAL
1	F-39/2004/EE-10(I) dated 10/08/2004.	624500000	162700000	787200000
2	F-39/2004/EE-10-EE6 dated 22/02/2005	500000000	0	500000000
3	B.No.939/-2003-2004(Grant) 14/03/2005.	0	120000000	120000000
	TOTAL	1124500000	282700000	1407200000

1. Certified that out of **Rs.14072.00 Lacs** *(One Hundred Forty Crores Seventy Two Lacs only)* grant in aid sanctioned **during the year 2004-2005** vide **Ministry of Human Resource Development, Department Elementary Education and Literacy** letter Nos. noted against each and **Rs. 149.35 Lacs (Refer Annexure A)** (*One Crores Forty Nine Lacs Thirty Five Thousand only*) on account of interest earned during the period 2004-2005 and **Rs. 544.16 Lacs (Refer Annexure A)** (*Five Crores Forty Four Lacs Sixteen Thousand Only)* on account Grant Return Savings during the period 2004-2005 and **Rs. 0.33 Lacs (Refer Annexure A)** (*Thirty Three Thousand Only*) on account of Other Income earned during the period 2004-2005 and **Rs. 3780.70 Lacs (Refer Annexure A)** (*Rupees Thirty Seven Crores Eighty Lacs Seventy Thousand Only*) on account of unspent balance of the Previous year and **Rs.3354.02 Lacs (Refer Annexure A)**, (Rupees Thirty Three Crores Fifty Four Lacs Two Thousand Only) on account of Adjustment done to match the outstanding grant balance as on 31.03.2004 i.e. **Rs.6661.32 Lacs** on account of non adjustments of interest income / other income / grant Returns-savings in the previous years. a sum of **Rs.13263.23 Lacs (Refer Annexure A)** (*One Hundred Thirty Two Crores Sixty Three Lacs Twenty Three Thousand*) has been utilized for the purpose for which it was sanctioned and that the balance of **Rs. 7943.82 Lacs (Refer Annexure A)** (*Seventy Nine Crores Forty Three Lacs Eight Two Thousand Only)* remaining unutilized at the end of the year will be adjusted towards the grants in aid payable during the next year i.e. 2005-2006
2. Certified that I have satisfied myself that the conditions on which the grant in aid was sanctioned have been fully fulfilled and that I have exercised the following checks to see that the money was actually utilized for the purpose for which is was sanctioned.

Kinds of Checks exercised

1. Audited Statement of Accounts (Copy enclosed)
2. Utilization Certificate
3. Progress Report (Copy enclosed)
4. Annexure - A

(Meena Bhatt)
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan
State Project Office
Gujarat

Date: 13.09.2005.

AUDITORS CERTIFICATE

We have verified the above statement with the books and records produced before us for our verification and found the same has been drawn in accordance therewith.

Date 13.09.2005

For, **Shah Merchant & Associates**
Chartered Accountants

(Ashok K Shah)
Partner M. No. 30331.

Annexure A Part of the Utilization Certificate

Particulars	G.O.I 75%	G.O.G 25%	Total 100%
Unutilised Opening Balance *(As per Previous Certificate)*	**3,780.70**	**(1,591.60)**	**2,189.10**
Add / Less			
Adjustment done to match the outstanding Grant balance as on 31.03.2004 i.e Rs.6661.32 Lacs and this is on account of non adjustment of Interest Income / Other Income / Grant Returns- Savings in the previous year	3,354.02	1,118.01	4,472.03
Add :			
Grant Received During the Year	14,072.00	7,296.00	21,368.00
Add:			
Interest Earned *(Total Amount Shared in 75:25 Ratio)*	149.35	49.78	199.13
Other Income *(Total Amount Shared in 75:25 Ratio)*	0.33	0.11	0.44
Grant Returned Savings *(Total Amount Shared in 75:25 Ratio)*	544.16	181.39	725.54
Less:			
Expenditure for the year 2004-2005 *(Total Amount Shared in 75:25 Ratio)*	13,956.73	4,652.24	18,608.98
Unutilised Closing Balance of Grant	**7,943.82**	**2,401.44**	**10,345.27**

To be carried forward to the next year i.e. 2005- 2006

JAYDEV PARMAR & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS
Phone No. : (079) 23222897

Jaydev R. Parmar
B.Com., GRAD. C.W.A., F.C.A.
Plot No. 332-A/4, Sector-23,
Gandhinagar - 382 023,
GUJARAT, INDIA

DISTRICT PRIMARY EDUCATION PROGRAMME IV KUTCH, SURENDRANAGAR & SABARKANTHA DISTRICTS - EXTRNAL AIDED PROGRAMME, AS AT 31ST MARCH 2005

AUDITOR'S REPORT

We have audited the attached Balance Sheet of *DISTRICT PRIMARY EDUCATION PROGRAMME IV - Kutch, Surendranagar & Sabarkantha Districts - Extrnal Aided Programme*, as at 31st March 2005 and also annexed Income and Expenditure Account for the year ended on that date. These financial statements are the responsibility of the management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those Standards required that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement.

We report that :-

a. Receipts and Payments have been properly and correctly shown in the books of accounts.

b. The cash balance and vouchers were in the custody of the Officer In-charge on the date of our audit.

c. We had physically verified the cash during the course of our audit and found the same tallying with the cash book.

d. The cash balance at the year end has not been physically verified by us. The Fixed assets register is under preparation and we have not conducted physical verification of the same in the year under our report.

e. The balances of Advances, Payables and Receivables are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties.

f. Books, deeds, accounts, vouchers and other documents and records required by us were produced before us for our audit.

g. It has been observed during the course of our audit that no fund has been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the State Project Director.

For Jaydev Parmar & Co.
Chartered Accountants

(Jaydev R Parmar)
Proprietor M.No. 47031

Place : Ahmedabad
Date : 14-09-2005

District Primary Education Programme IV - *Gujarat State*

[Kutch, Sabarkantha & Surendranagar Districts] - External Aided

BALANCE SHEET

AS AT 31.03.2005

SOURCES		Amount Rs.
GRANT DETAILS		
Unutilised Grant		
Opening Balance	172454865	
Add		
Balance B/f from Income & Expenditure Account	38122012	**210576878**
PAYABLES		
[At State & District Level]		
Perfomance Security	173743	
Retention Money	4567906	
Security Deposite	4384	4746033
TOTAL		**215322911**

APPLICATION		Amount Rs.
BANK & CASH BALANCES		
[At State & District Level]		
Balance with Bank	188310707	**188310707**
BALANCE WITH DISTRICTS		
Kutch District	1908386	
Surendranagar District	3843204	
Sabarkantha District	3834067	**9585657**
RECEIVABLES		
[At State & District Level]		
GCPE Account		17426546
TOTAL		**215322911**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE II ATTACHED HEREWITH

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director

District Primary Education Programme IV
Kutch, Sabarkantha & Surendranagar District
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 14-09-2005

For Jaydev Parmar & Co.,
Chartered Accountants

(Jaydev R Parmar)
Proprietor M No 47031

Place : Gandhinagar
Date : 14-09-2005

District Primary Education Programme IV - *Gujarat State*

[Kutch, Sabarkantha & Surendranagar Districts] - External Aided

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT *For the period ending 31 03.2005.*

INCOME *(Receipts)*		*Amount Rs.*	**EXPENDITURE** *(Payments)* **ANN**		*Amount Rs.*
GRANT FOR UTILIZATION			GRANT DISBURSED		
[At State & District Level]			*[At State & District Level]*		
Grant Recd During the Year					
From G.O.I	227938000		Kutch District	74005653	
From G.O.G	65000000	292938000	Sabarkantha District	97502029	
			Surendarnagar District	73504478	
Bank Interest Earned		2359948	SPO Office	14150834	259162994
Interest Earned at District level		181151			
Savings and others Income at district level		1564732			
Tender Fees Earned		241175			
			Balance of Income over Expenditure Carried Forward to Balance Sheet		38122012
TOTAL		**297285006**	**TOTAL**		**297285006**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE II ATTACHED HEREWITH

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director

District Primary Education Programme IV
Kutch, Sabarkantha & Surendranagar District
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 14-09-2005

For Jaydev Parmar & Co.,
Chartered Accountants

(Jaydev R Parmar)
Proprietor M.No.

JAYDEV PARMAR & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS MEMBERSHIP No 47031

Place : Gandhinagar
Date : 14-09-2005

ANNEXURE I

		GRANT DISBURSED	KUTCH DISTRICT	SURENDRANAGAR DISTRICT	SABARKANTHA DISTRICT	STATE PROJECT OFFICE	TOTAL
ALS	A1	Honorarium of ALS Bal Mitra		615712	2615719		3231431
ALS	A1	Alternative Schooling SPO				10310	10310
ALS	A1	Salary of ALS Bal Mitrars ALS School	1230565				1230565
ALS	A2	Honorarium of ALS Supervisior		5806	1880275		1886081
ALS	A4	Co Ordinatior Salary	14710				14710
ALS	T5	Training to ALS Teacher (Balmitra)		440770	1503648		1944418
ALS	T5	Training to ALS Teacher (Balmitra Bridge Course)			102893		102893
ALS	V1	Hired of Vehilce			18725		18725
ALS	O9	TA/DA other than workshop (1 OIC & 5 Supervi	3117	696	5433		9246
ALS	O5	Meeting Arrangement	980				980
ALS	O4	Special capaign for ALS			19038		19038
ALS	I4	Education Kits for ALS Center	140000	54000			194000
ALS	I4	Supply of training material			220000		220000
ALS	QC	Production and Supply of Awareness Material	6580				6580
ALS	T8	Training to Project Staff		42256			42256
ALS	W1	Workshop any type		5145			5145
ALS	O8	Contingency		150422	605800		756222
BRC	A5	Salary of BRC, Ad.BRC, Clerk, Peon	1094422	971460	1954535		4020417
BRC	O5	Meeting Arragement	10369				10369
BRC	O8	Contingency	127521	121352	157082		405955
BRC	O9	TA/DA other than workshop	34377	62799			97176
BRC	O6	Telephone expenses		63977	87962		151939
BRC	O7	Electricity bill			110873		110873
BRC	C7	Constraction of BRC	4235780				4235780
BRC	M1	Maintenance of Equipment		26810			26810
BRC	C8	Electricity	158955				158955
BRC	C8	Compound wall	12708676				12708676
CRC	C1	CRC Room	8213808				8213808
CRC	A3	CRC Salary		14141382			14141382
CRC	A5	Salary of CRC	10906518		25529200		36435718
CRC	F2	Furniture At CRC		98280			98280
CRC	B9	Equipment DRS set	1786347	1796195	2269077		5851619
CRC	D6	Development of TLM			90890		90890
CRC	O5	CRG Meeting (4 Time Per Year)	75				75
CRC	O5	Monhtly Meeting			43166		43166
CRC	O8	Contingency		301800	532392		834192
CRC	O9	TA/DA Other than workshop training	276991	634838	929686		1841515
CRC	T1	Monthly Meeting		1136660			1136660
CRC	T3	Training for faculty members			51073		51073
DIET		Construction of DIET Hostel Building & GCERT Pay				3225838	3225838
DEP		Distence Education Programme SPO				37000	37000
GE		Gender Education				252519	252519
ECE	A1	Honoranium for ECCE Worker		743790			743790
ECE	A5	Salary for ECCE Worker			432000		432000
ECE	I.6	Kit Box for ICDs Workers		1101875			1101875
ECE		ECCE Infrastructure Development				371840	371840
ECE		ECCE IA Printing of Training Material SPO				153375	153375
ECE	I2	Books and Education Material / Kit for ECE			529205		529205
ECE	O5	Meetings of ECCE Worker			19678		19678
ECE	F3	Infrastructure facility to ECCE Center	448550				448550
ECE	IA	Printing & Supply Material	162922				162922
ECE	T1	Master Trainers for ICDs Worker		49644			49644

ECE	T8	Nutrition for ECE Child			317625		317625
IED	A2	Salary Resource Teachers		6400			6400
IED	A4	Salary - Officers	25161				25161
IED	A3	Salary - Officers			55137		55137
IED	D1	Development of awarness material	11571				11571
IED	D7	Development of AW Matrials				36023	36023
IED	D1	Development of TLM Module					0
IED	L3	Books & Education Material	63816				63816
IED	I1	Disables Instr. Help & Appl	253555				253555
IED	O5	Meeting arragement			70200	140000	210200
IED	O9	TA/DA Other than workshop	10650	524	2784		13958
IED	R3	Survey / Mobilization Medical Camp		472443			472443
IED	Q4	Special campaign mobilization programme for parents	22912		655260		678172
IED	T1	Training of Master Trainers					0
IED	T1	Training of RPs/MTs					0
IED	T5	Training to General Teachers	110856		203709		314565
IED		Integrated Information Education				37552	37552
IED	W1	Workshop any type					0
MED	I8	Printing of Pamphlat & Poster	9055				9055
MED	L2	Books & Education Material for enrollment drive					0
MED	O9	TA/DA Other than Work shop					0
MED	Q1	community Mobilization		5645			5645
MED	Q2	Cultural Programme for Community			130500		130500
MED	Q3	Oroganization of Enrollment drive		281400	720900		1002300
MED	Q4	Organization of Enrollment Drive	432900				432900
MED	Q4	Oroganization of Special Campaign			55663		55663
MED	Q5	Mobilization Programme of Village Level			15000		15000
MED	Q8	Exhibition in Tarnetar		34596			34596
MED	Q9	Mater Cassetts for Mobilization		11550			11550
MED	Q8	Metrix Mela			29650		29650
MED	W1	Awarness Campaign for Parents		96190			96190
MED		Media & Documents				231815	231815
MED	W1	Workshop any Type			12879		12879
MED	W2	Perpared Audio Visual Cassettee					0
MGT	A3	Salary for Officer		56052	53336	2601181	2710569
MGT	A3	Salry of sr/Clerk	135471	33802		1868678	2037951
MGT	A4	Salary of clerk cu typist		33600	61746		95346
MGT	A4	Salary of Peon/sweepar & watchman		24000	46000		70000
MGT	B2	Equipment other equipments			154568		154568
MGT	B4	Air cooler					0
MGT	B9	Equipment of District Office	105530				105530
MGT	B9	DRS SET					0
MGT	C9	Repairs & Maintenance of Building					0
MGT	F2	Furniture for office		8538	11532		20070
MGT	O1	Rent for District Project Office					0
MGT	O3	Vehicle POL	84993			142040	227033
MGT	O4	Office Expenses	203246	193609	103605	2350596	2851056
MGT	O5	Meeting arrangment			67694	75173	142867
MGT	O6	Telephone expenses		51606	68865	173132	293603
MGT	O7	Electricity		53236	24121	151998	229357
MGT	O9	TA/DA Other than Work shop	57637				57637
MGT	O8	Contingency	214515	403728	130378	87[illegible]	835835
MGT	P3	Fax,Telephone,Internet Expenses		27056			27056
MGT	M3	Repair Vehicle	23235				23235
MGT	V1	Vehicle Hire for ADPC Office		55740		53635	109375
MGT	L1	Educational Magazine & Periodicals					0
MIS	A3	Salary for Officer		44934	72122		117056
MIS	A4	Staff Salary	100467	6416	63000		169883

MIS	B1	Computer Hardware				70775	70775
MIS	B2	Equipment Software			120048		120048
MIS	B4	Air Conditioner					0
MIS	F2	Office Furniture				178925	178925
MIS	M1	Repairs and Maintenance	135848	75068		102960	313876
MIS	O4	Consumable office Expenses	14044	46501	129190	392688	582423
MIS	O9	TA/DA Other than Work shop	8773			79560	88333
MIS	O8	Contingency		7282	13490		20772
MIS	R3	Survey & Apprisal					0
MIS	T1	Training of data Entry Operator		434			434
MIS	T1	Training for all district OIC dist Level					0
MIS	T1	Training for CRC Each Block in One & Celected teacher					0
MIS	W1	Training for DISE			4062		4062
PFE	C3	New School Building	4145381				4145381
PFE	C4	Drinking water Facility	972937				972937
PFE	C5	Toilet / Urinal	1802487				1802487
PFE	C1	Additional Classroom Exiting Building	15169577				15169577
PFE	A4	Salary for TRP	819705		1348770		2168475
PFE	A4	Salary for OIC / T.T		66000			66000
PFE	I4	Printing & supply of supplimentary			26300		26300
PFE	I8	Printing & Supply of workbook					0
PFE	L1	Educational Magazines & Periodicals	262555				262555
PFE	L2	Books and Educational Material	819140	703134	2695030		4217304
PFE	O5	Monthly Meeting CRG at BRC					0
PFE	O9	TA/DA Other than Work shop		17392			17392
PFE	R1	Reserch				326000	326000
PFE	O5	Monthly meeting of BRC/DRG at district level					0
PFE	Q3	Enrollment Motivation Litrature		627081			627081
PFE	Q8	Balmela / Metrix mela					0
PFE	T1	Training to CRG Members At Cluster Level		154440			154440
PFE	T1	Trainingof MTs for vidhyasahayak					0
PFE	T1	MTs training for TLM Workshop					0
PFE	T5	Training for Vidhyasahayak					0
PFE	T5	TLM training to std 1 to 5 teacher	1116953			59840	1176793
PFE	T5	Monthly reinforcement training to the teacher			2792787		2792787
PFE	T5	Training for TLM					0
PFE	V1	Hired for Vehicle		75407	147394		222801
PFE	W1	Reserch Grants for Teachers		25000			25000
PFE	W1	Workshop of CRC/BRC/DIET Aels					0
PFE	W2	Teleconferences			14085		14085
PFE	W2	Conferences / teachers training					0
TRI	D1	Development for awarness materials					0
TRI	D4	Development for Supplymentrary TLM					0
TRI	D6	Development for Teaching Learning					0
TRI	D7	Development of awarness material for					0
TRI	DA	Development & review of training					0
TRI	I7	Printing & education materials					0
TRI	L2	Books and Education Materials					0
TRI	O5	Meeting arrangments					0
TRI	O5	Meeting arragements (BRC)					0
TRI	Q4	Organization of special campaign			182240		182240
TRI	QB	Promotion of education exhitbion			40000		40000
TRI	T1	Training to RPs / MTs					0
TRI	X1	Tribal Corner					0
TRI	W1	Workshop and type			67401		67401
TRI	W2	Conference					0
TRI	W2	Conference and Seminars					0
P & M	O5	Meeting for AWP & B		2097			2097
P & M	R4	Micro Planning		59535			59535

P & M	R1	Preparation of SIF & VER in			37297		37297
P & M	T1	Reorientation training to VEC, MTA			15600		15600
P & M	W1	Acadanic planing workshop for BRC					0
P & M		Planning & Management SPO				725358	725358
P & M	W2	Teleconference					0
VEC	E1	School Grant	2962000	1974000	4806000		9742000
VEC	E2	School Grant / New School		40000			40000
VEC	E2	Teachers Grant	2225500	2294000	4081000		8600500
VEC	X1	Awards any type					0
WDP	A4	Salary for Staff	46649				46649
WDP	A3	TA/DA for Gender OIC		9637			9637
WDP	A3	Salary for Officer		61679	65975		127654
WDP	O5	Meeting of BRC,CRC & HM of Pay Center School		23769			23769
WDP	O5	Mahila Shibir		130977			130977
WDP	O5	Meeting of DRG (gender) out district			2969		2969
WDP	O5	Meeting of MTA members		70150	181334		251484
WDP	O8	Contingency	5121				5121
WDP	O5	Meeting of BRG Gender at Block Level			30487		30487
WDP	O9	Gender Awarness Suppoorter Training	72150				72150
WDP	O9	TA/DA other than workshop			3336		3336
WDP	Q2	Mobilization Programme of Girls Education		863335			863335
WDP	Q2	Mobilization Programme in Focues Area		178899			178899
WDP	Q4	Community sammalans & mahila					0
WDP	Q4	Maa Beti Sammelan			83887		83887
WDP	Q4(2)	Kishor sibir for low literacy taluka & village			41625		41625
WDP	Q4(3)	Cultural programming in law literacy village			110950		110950
WDP	T1	Gender Awareness training to CRC					0
WDP	T1	Gender Awareness training			35800		35800
WDP	T5	Awarness Campaign for Parents		219730			219730
WDP	T5	Gender Awarness Training for Female Teachers		487347			487347
WDP	T6	Training for mahila sarpanch & mahila		11150			11150
WDP		Women Development Programme				132800	132800
WDP	W2	Mahila Jagruti Sammelam		130000			130000
WDP	W2	Teleconference					0
WDP	V1	Hired of Vehilce		21916	20500		42416
INV	N2	Innovation funds					0
CW	A4	Salary for DPE		69600			69600
CW	A4	Salary for TRP		596543			596543
CW	C1	Additional Classroom		26818800	12934152		39752952
CW	C2	CRC Building			10733754		10733754
CW	C3	New School Building		455584	7949102		8404686
CW	C4	Drinking water in school		819669	462338		1282007
CW	C5	Toilet in School		737500	887232		1624732
CW	C7	Construction of BRC Building		4910259	616918		5527177
CW	C8	Repairs of school		336233	3986352		4322585
CW	O9	TA/DA other than workshop		410718			410718
CW	C8	CRC Building		5284236			5284236
CW	C8	Electrification		222440			222440
CW	C	Compound wall					0
CW		Exhibition Hall at SPO				82909	82909
		Total	74006653	73564478	97582029	14150834	259162994

ANNEXURE "II" NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS

a. The Financial Statements have been prepared under the historical cost convention on an accrual basis.

b. The Books of Accounts have been maintained in accordance with the Project Agreement and reflects the Grant Received and Grant Utilized in a financial year. Any unutilsed Grant shall be reversed and adjusted at its confirmation.

c. All the relevant accounting has been done in accordance with the sound accounting principles.

d. No fund has been applied for any object or purpose other than the object or purpose of the Project Agreement or purpose approved by the State Project Director.

e. Grant received under this program are disbursed to each district for utilization, the balance undisbursed or unutilized amount at each district level are treated as Balance with respective district.

f. In terms of the Programme, Interest or any other income / receipts received have been treated as Funds of the Programme and in that accordance the same has been accounted.

g. Balances of Advances, Payables and Receivables are as per books of accounts and subject to confirmation from respective parties.

h. Grant received and utilized for acquisition or construction of moveable and immoveable assets at districts have been treated as Grant Disbursed at each district level in the year of disbursement.

i. Figures have been rounded to nearest rupee.

S.D. Solanki
Finance & Accounts Officer
District Primary Education Programme IV
(Kutch, Surendranagar &
Sabarkantha Districts) External Aided
State Project Office

Meena Bhatt
State Project Director
District Primary Education Programme IV
(Kutch, Surendranagar &
Sabarkantha Districts) External Aided
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 14-09-2005

For Jaydev Parmar & Co.
Chartered Accountants

(Jaydev R Parmar)
Proprietor M.No. 47031

Place : Ahmedabad
Date : 14-09-2005

FORMS

FORM GFR 19-A

[See Government of India's Decision (I) below Rule 150]

Form of Utilization Certificate

Sr.No.	Letter No. & Date	Amount
1	No.F.3-12/2004-EE.10 dated 04/11/2004	795.10
2	No.F.3-12/2004-EE-6 dated 02/02/2005	1484.28
	Total	**2279.38**
1	Date 28/05/2004	100
2	Date 11/06/2004	100
3	Date 09/09/2004	200
4	Date 13/10/2004	100
5	Date 10/11/2004	100
6	Date 07/03/2005	50
	Total	**650.00**

Certified that Total Receipt Rs **2929.38 Lacs (Rupees Twenty Nine Crores Twenty Nine Lacs & Thirty Eight Thousand** (from GOI Rs. **2279.38 Lacs (Rupees Twenty Two Crores Seventy Nine Lacs Thirty Eight Thousand Only)** and receipt from GOG is Rs. **650.00 Lacs (Rupees Six Crore Fifty Lacs)**) of grants-in-aid sanctioned during the year **2004-2005** in favour of **Gujarat Council of Primary Education Sector : 17 Gandhinagar** under this Ministry / Department Letter No. given in the margin and Total unspent balance is Rs.**1724.53 Lacs (Rs. 1400.02 Lacs (Rupees Fourteen Crores Two Thousand Only)** unspent balance of GOI and Rs **324.53 Lacs (Rupees Three Crores Twenty Four Lacs Fifty Three Thousand)** unspent balance of GOG) for previous year, & Total expenditure of Rs. **2591.63 Lacs (Rupees Twenty Five Crores Ninety One Lacs & Sixty Three Thousand) (Rs. 2202.89 Lacs (Rupees Twenty Two Crores Two Lacs Eighty Nine Thousand Only)** under GOI share & Rs. **388.74 Lacs (Rupees Three Crore Eighty Eight Lacs & Seventy Four Thousand)**. under GOG share) has been utilized for the purpose for which it was sanctioned and that the Total balance of Rs. **2062.28 Lacs (Rupess Twenty Crores Sixty Two Lacs & Twenty Eight Thousand) (Rs. 1476.51 Lacs (Rupees Fourteen Crores Seventy Six Lacs Fifty One Thousand Only)** of GOI share & Rs. **585.79 Lacs (Rupees Five Crores Eighty Five Lacs & Seventy Nine Thousand Only)** remaining unutilized at the end of the year has been surrendered to Government (vide No............... dated ....) / **will be adjusted towards the grants-in-aid payable during the next year ....**

2. Certified that I have satisfied myself that the conditions on which the grants-in-aid was sanctioned have been duly fulfilled/are being fulfilled and that I have exercised the following checks to see that the money was actually utilized for the purpose for which it was sanctioned.

Kinds of checks exercised

1. **Books of Account**
2. **Progress Report**
3. **Audit Report**

JAYDEV PARMAR & CO. MEMBERSHIP No. 47031 CHARTERED ACCOUNTANTS

FOR JAYDEV PARMAR & CO.

JAYDEV RATILAL PARMAR
PROPRIETOR
CHARTERED ACCOUNTANTS

Meena Bhatt
State Project Director
DPEP/SSA
B/h Old M.L.A Canteen, Sec.17
Gandhinagar

Place : Gandhinagar
Date : 15-09-2005

Annexure 1 **2004-2005** **(Rs.in Lacs)**

Particulars	GOI	GOG	Total
Unutilised Opening Balance	1400.02	324.53	1724.55
Add:			
Grant Received during the Year	2279.38	650.00	2929.38
Less:			
Expenditure for the Year 2004-2005	2202.89	388.74	2591.63
Unutilised Closing Balance of Grant	**1476.51**	**585.79**	**2062.30**

JAYDEV PARMAR & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS MEMBERSHIP No. 47031

FOR JAYDEV PARMAR & CO

JAYDEV RATILAL PARMAR
PROPRIETOR
CHARTERED ACCOUNTANTS

Place : Gandhinagar
Date : 15-09-2005

JAYDEV PARMAR & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS
Phone No. : (079) 23222897

Jaydev R. Parmar
B.Com., GRAD. C.W.A., F.C.A.
Plot No. 332-A/4, Sector-23,
Gandhinagar - 382 023,
GUJARAT, INDIA

DISTRICT PRIMARY EDUCATION PROGRAMME IV KUTCH, SURENDRANAGAR & SABARKANTHA DISTRICTS - EXTRNAL AIDED PROGRAMME, AS AT 30th JUNE 2005

AUDITOR'S REPORT

We have audited the attached Balance Sheet of *DISTRICT PRIMARY EDUCATION PROGRAMME IV – Kutch, Surendranagar & Sabarkantha Districts - Extrnal Aided Programme*, as at 30th June 2005 and also annexed Income and Expenditure Account for the quarter ended on that date. These financial statements are the responsibility of the management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those Standards required that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement

We report that :-

a. Receipts and Payments have been properly and correctly shown in the books of accounts.

b. The cash balance and vouchers were in the custody of the Officer In-charge on the date of our audit.

c. We had physically verified the cash during the course of our audit and found the same tallying with the cash book.

d. The cash balance at the year end has not been physically verified by us. The Fixed assets register is under preparation and we have not conducted physical verification of the same in the year under our report.

e. The balances of Advances, Payables and Receivables are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties.

f. Books, deeds, accounts, vouchers and other documents and records required by us were produced before us for our audit.

g. It has been observed during the course of our audit that no fund has been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the State Project Director.

For Jaydev Parmar & Co.
Chartered Accountants

(Jaydev R Parmar)
Proprietor M.No. 47031

Place : Ahmedabad
Date : 27-09-2005

District Primary Education Programme IV - *Gujarat State*

[Kutch, Sabarkantha & Surendranagar Districts] - External Aided

BALANCE SHEET

AS AT 30.06.2005

SOURCES		Amount Rs.
GRANT DETAILS		
Unutilised Grant		
Opening Balance	210576878	
Less :		
Balance B/f from Income & Expenditure Account	123791868	**86785010**
PAYABLES		
[At State & District Level]		
Sundry Creditors	5900749	
Earnest Money Deposit	58000	
Jaydev Parmar & Co.	69375	
Pension Contribution	204300	
Perfomance Security	3734609	
Retention Money	3474964	
Security Deposite	742966	14184963
TOTAL		**100969973**

APPLICATION		Amount Rs
BANK & CASH BALANCES		
[At State & District Level]		
Balance with Bank	89249877	**89:49877**
BALANCE WITH DISTRICTS		
Kutch District	1443458	
Surendranagar District	1856665	
Sabarkantha District	978427	**4:78550**
RECEIVABLES		
[At State & District Level]		
Gujarat Council of P E	7426546	
Advances towards activities	15000	7:41546
TOTAL		**100:69973**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE II ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date.

For Jaydev Parmar & Co.,
Chartered Accountants

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director

District Primary Education Programme IV
Kutch, Sabarkantha & Surendranagar District
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 27.09.2005

(Jaydev R Parmar)
Proprietor M.No. 47031

JAYDEV PARMAR & CO. MEMBERSHIP No. 47031 CHARTERED ACCOUNTANTS

Place : Gandhinagar
Date : 27.09.2005

Disirict Primary Education Programme IV - *Gujarat State*

[Kutch, Sabarkantha & Surendranagar Districts] - External Aided

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT *For the period ending 30.06.2005*

INCOME *(Receipts)*		*Amount Rs.*	**EXPENDITURE** *(Payments)* **ANN**		*Amount Rs.*
GRANT FOR UTILIZATION			GRANT DISBURSED	I	
[At Sate & District Level]			*[At State & District Level]*		
GrantRecd During the Year					
From G.O.I	79510000		Kutch District	61589241	
From G.O.G.	9625000	89135000	Sabarkantha District	77357274	
			Surendarnagar District	68399587	
Bank Interest Earned		81918	SPO Office	6086825	213432927
Savings and others Income at district level		424141			
Balance of Expenditure over Income Carried Forward to Balance Sheet		***123791868***			
TOTAL		**213432927**	**TOTAL**		**213432927**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE II ATTACHED HEREWITH

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director

District Primary Education Programme IV
Kutch, Sabarkantha & Surendranagar District
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 27.09.2005.

For Jaydev Parmar & Co.,
Chartered Accountants

(Jaydev R Parmar)
Proprietor M.No.47031

JAYDEV PARMAR & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS MEMBERSHIP No 47031

Place : Gandhinagar
Date : 27.09.2005

ANNEXURE I

Statement of the District Wise Expenditure

		GRANT DISBURSED	KUTCH DISTRICT	SURENDRANAGAR DISTRICT	SABARKANTHA DISTRICT	STATE PROJECT OFFICE	TOTAL
ALS	A1	Honorarium of ALS Bal Mitra	773316	476000	441325		1690641
ALS	A1	Alternative Schooling		456135	242118		698253
ALS	A1	Salary of ALS Bal Mitrars ALS School					0
ALS	A2	Honorarium of ALS Supervisior	16000	16128			32128
ALS	A3	OIC for Mis	22000				22000
ALS	A4	Data Entry Operator	14000				14000
ALS	A4	Salary of Driver/Staff/Gender	58130				58130
ALS	A4	Salary TA/DA for TRP/DPE	316042				316042
ALS	A4	Salary for Resource person	16000				16000
ALS	A4	Co-Ordinatior Salary					0
ALS	A5	Salary for BRC	440296				440296
ALS	A5	Salary for CRC	4367617				4367617
ALS	A5	Training to ALS Teacher (Balmitra)	30000				30000
ALS	T5	Training for VCWC's	31151				31151
ALS	T5	Training for Pre Services	12847				12847
ALS	T5	Training to ALS Teacher (Balmitra Bridge Course	31188	181653	0		212841
ALS	Q4	Special campaign mobilization programme for parents			44050		44050
ALS	O9	TA/DA other than workshop (1 OIC & 5 Supervisor)		4887	7850		12737
ALS	O5	Meeting Arrangement					0
ALS	O4	Special capaign for ALS					0
ALS	I4	Education Kits for ALS Center					0
ALS	I4	Supply of training material					0
ALS	L6	Teaching Learning Material	386667	386666	386667		1160000
ALS	QC	Production and Supply of Awareness Material	628692				628692
ALS	T8	Training to Project Staff					0
ALS	W1	Workshop any type			76523		76523
ALS	O8	Contingency		182000	39900		221900
		Books & Peroidical	277544	317700	403356		998600
BRC	A5	Salary of BRC, Ad BRC, Clark, Peon		489217	724800		1214017
BRC	B7	TV/DVD	655200	432600	802200		1890000
BRC	O5	Meeting Arragement					0
BRC	O8	Contingency	25578	30000	4504		60082
BRC	O9	TA/DA other than workshop		30658			30658
BRC	O6	Telephone expenses		31315			31315
BRC	O7	Electricity bill					0
BRC	C7	Constraction of BRC	1159654	2771357	6211481		10142492
BRC	M1	Maintenance of Equipment		63719			63719
BRC	C8	Electricity Supply & Maintenance	107500				107500
BRC	C8	Compound wall					0
BRC	F3	Furniture		16000			16000
	C1	Additional Classroom	1295836	2913907	4225610		8435353
	C4	Drinking Water	15000	11250			26250
	C5	Toilet / Urinal	21893	29200			51093
	CW1	Const. Of Compound Wall	326721	344415		448043	1119179
	CW3	TA/DA DPE/TRP		160829			160829
	CW4	Salary for DPE/TRP		216407	418530		634937
		Child Friendly Equipment	6098970	4061250	6090336		16250556
		Computer Hardware	1995942				1995942
	E1	Annual Grant for School	3004000				3004000
	E2	Annual Grant for Teachers	2212500				2212500
CRC	C1	CRC Building	1370238	266355	507761		2144354
CRC	A3	CRC Salary		5569229			5569229
CRC	A6	Salary of CRC			9104543		9104543
CRC	F2	Furniture At CRC		117450	2200		119650
CRC	B9	Equipment DRS set		8862	44312		53174
CRC	O6	Development of TLM					0
CRC	O5	CRG Meeting (4 Time Per Year)					0
CRC	O6	Monhtly Meeting					0
CRC	O8	Contingency		76400			76400
CRC	O9	TA DA Other than workshop training		315216			315216
CRC	T4	Monthly Meeting			10978		10978
CRC	W1	Workshop	88434		709916		798350

DIET		Construction of DIET Hostel Building & GCERT Pay					0
DEP		Distence Education Programme SPO					0
GE		Gender Education					0
ECE		Early Childhood Education	140172	260319	182983		583473
		Electric Supply & Maintenance	3511296				3511296
		Gender Awarness Mobilisation	118200	117905	155605		391710
	I4	Educational Kit	20000				20000
ECE	A1	Honorarium for ECCE Worker		302576			302576
ECE	A5	Salary for ECCE Worker			140500		140500
ECE	I 6	Kit Box for ICDs Workers		275083			275083
ECE		ECCE Infrastructure Development	359000				359000
ECE		ECCE IA Printing of Training Material SPO					0
ECE	L2	Books and Education Material / Kit for ECE			23057		23057
ECE	O5	Meetings of ECCE Worker					0
ECE	F3	Infrastructure facility to ECCE Center					0
ECE	IA	Printing & Supply Material					0
ECE	T1	Master Trainers for ICDs Worker					0
ECE	T6	Nutrition for ECE Child					0
IED		Intigreted Education for Disable	25620	16650	40230		82500
	M1	Repair & Maintenance	26000				26000
	M3	Repair Vehicle	29675				29675
IED	A2	Salary Resource Teachers		5161			5161
IED	A4	Salary - Officers					0
IED	A3	Salary - Officers					0
IED	D1	Development of awarness material					0
IED	D7	Development of AW Matrials					0
IED	D1	Development of TLM Module					0
IED	L3	Books & Education Material					0
IED	I1	Disables Instr. Help & Appl					0
IED	O5	Meeting arragement					0
IED	O9	TA/DA Other than workshop		2849			2849
IED	R3	Survey / Mobilization Medical Camp		60615			60615
IED	Q4	Special campaign mobilization programme for parents			170103		170103
IED	T1	Training of Master Trainers					0
IED	T1	Training of RPs/MTs					0
IED	T5	Training to General Teachers			259995		259995
IED		Integrated Information Education					0
IED	W1	Workshop any type					0
INV	N2	Innovation funds		30000			30000
MED		Media & Documents	134000	201500	201500		537000
MED	I8	Printing of Pamphlat & Poster	228330	228330	317340		774000
MED	L2	Books & Education Material for enrollment drive					0
MED	O9	TA/DA Other than Work shop					0
MED	Q1	community Mobilization					0
MED	Q2	Cultural Programme for Community			12000		12000
MED	Q3	Oroganization of Enrollment drive			729900		/29900
MED	Q4	Organization of Enrollment Drive			16740		16740
MED	Q4	Oroganization of Special Campaign					0
MED	Q5	Mobilization Programme of Village Level			97500		97500
MED	Q8	Exhibition In Tarnetar			30000		30000
MED	Q9	Mater Cassetts for Mobilization					0
MED	Q8	Metrix Mela					0
MED	W1	Awarness Campaign for Parents					0
MED		Media & Documents					0
MED	W1	Workshop any Type					0
MED	W2	Perpared Audio Visual Cassettee			84000		84000
MGT		Management	365894	118363	185295	3090649	3760201
MGT	A3	Salary for Officer		23720	22903	661180	707803
MGT	A3	Salry of sr/Clerk		6452		232727	239179
MGT	A4	Salary of clerk cu typist		11200	24500	391931	427631
MGT	A4	Salary of Peon/sweepar & watchman		8000	13419	57578	78997
MGT	B2	Equipment other equipments			55300		55300
MGT	B4	Air cooler					0
MGT	B7	TV/VCR	38400	38400	57600		134400
MGT	B9	DHS SET					0
MGT	C9	Repairs & Maintenance of Building					0
MGT	F2	Furniture for office		26550		603476	630026
MGT	O1	Rent for District Project Office					0
		Micro Planning	50517				50517

MGT	O3	Vehicle POL				79299	79299
MGT	O4	Office Expenses	46056	28436	61667	83657	219816
MGT	O5	Meeting arrangment	3426		15000		18426
MGT	O6	Telephone expenses		20367	36545	69157	126069
MGT	O7	Electricity	1332231	3222	26769	31519	1393741
MGT	O9	TA/DA Other than Work shop	115074		0		115074
MGT	O8	Contingency	24331	71590	29805		125726
MGT	P3	Fax,Telephone,Internet Expenses					0
MGT	M3	Repair Vehicle					0
MGT	V1	Vehicle Hire for ADPC Office		18531			18531
MGT	L1	Educational Magazine & Periodicals					0
MGT	J1	Local Consultant	0	22293			22293
MIS	A3	Salary for Officer		22000	36487		58487
MIS	A4	Staff Salary			17500		17500
MIS	B1	Computer Hardware	2610078	4867820	4764273		12242171
MIS	B2	Equipment Software					0
MIS	B4	Air Conditioner					0
MIS	F2	Office Furniture					0
MIS	M1	Repairs and Maintenance			31200		31200
MIS	O4	Consumable office Expenses	158649	44100	29600	9013	241362
MIS	O9	TA/DA Other than Work shop					0
MIS	O8	Contingency		6456	30000		36456
MIS	R3	Survey & Apprisal					0
MIS	T1	Training of data Entry Operator		3012			3012
MIS	T1	Training for all district OIC dist Level					0
MIS	T1	Training for CRC Each Block in One & Celected teacher					0
MIS	W1	Training for DISE					0
		POL Charges for DPC Vehicle	30275				30275
		New School Building	310752		3988189		4298941
	Q4	Some Special Awamess Programm	448100				448100
PFE		Primary Formual Education	23696273	18523070	20530864		62750207
PFE	C4	Drinking water Facility		0			0
PFE	C5	Toilet / Urinal					0
PFE	C1	Additional Classroom Exiting Building		16591765			16591765
PFE	A3	Salary for officer			20940		20940
PFE	A4	Salary for OIC / T T		22000			22000
PFE	I4	Printing & supply of supplimentary					0
PFE	I8	Printing & Supply of workbook					0
PFE	L1	Educational Magazines & Periodicals	916220	583770	1476810		2976800
PFE	L2	Books and Educational Material	386667	386666	681843		1455176
PFE	O5	Monthly Meeting CRG at BRC					0
PFE	O9	TA/DA Other than Work shop		3536			3536
PFE	R1	Reserch					0
PFE	O5	Monthly meeting of BRC/DRG at district level					0
PFE	Q3	Enrollment Motivation Litrature		291391			291391
PFE	Q8	Balmela / Metrix mela					0
PFE	T1	Training to CRG Members At Cluster Level					0
PFE	T1	Trainingof MTs for vidhyasahayak					0
PFE	T1	MTs training for TLM Workshop					0
PFE	T5	Training for Vidhyasahayak					0
PFE	T5	TLM training to std 1 to 5 teacher					0
PFE	T5	Monthly reinforcement training to the teacher					0
PFE	T5	Training for TLM					0
PFE	V1	Hired for Vehicle		18310	144481		162791
PFE	W1	Reserch Grants for Teachers					0
PFE	W1	Workshop of CRC/BRC/DIET Aeis	21600		512761		534361
PFE	W2	Teleconferences			2120		2120
PFE	W2	Conferences / teachers training					0
TRI	D1	Development for awarness materials					0
TRI	D4	Development for Supplymentrary TLM					0
TRI	D6	Development for Teaching Learning					0
TRI	D7	Development of awarness material for					0
TRI	DA	Development & review of training					0
TRI	I7	Printing & education materials					0
TRI	L2	Books and Education Materials					0
TRI	O5	Meeting arrangements					0
TRI	O5	Meeting arragements (BRC)					0
TRI	Q4	Organization of special campaign			80000		80000
TRI	QB	Promotion of education exhitbion			40000		40000

TRI	T1	Training to RPs / MTs					0
TRI	X1	Tribal Corner					0
TRI	W1	Workshop and type					0
TRI	W2	Conference					0
TRI	W2	Conference and Seminars					0
P & M	O5	Meeting for AWP & B					0
P & M	R4	Micro Planning					0
P & M	R1	Preparation of SIP & VER in					0
P & M	T1	Reorientation training to VEC, MTA			164563		164563
P & M	W1	Acadamic planing workshop for BRC					0
P & M		Planning & Management SPO				286696	286696
P & M	W2	Teleconference		65672			65672
VEC	E1	School Grant		1877000	4864000		6741000
VEC	E2	School Grant / New School					0
VEC	E2	Teachers Grant		2345000	4145500		6490500
VEC	X1	Awards any type					0
WDP		Woman Devlopment	645450				645450
WDP	A3	TA/DA for Gender OIC		2457			2457
WDP	A3	Salary for Officer		21633	22000		43633
WDP	O5	Meeting of BRC,CRC & HM of Pay Center School			2511		2511
WDP	O5	Mahila Shibir					0
WDP	O5	Meeting of DRG (gender) out district					0
WDP	O5	Meeting of MTA members					0
WDP	C8	Contingency					0
WDP	O5	Meeting of BRG Gender at Block Level					0
WDP	O9	Gender Awarness Suppoorter Training					0
WDP	O9	TA/DA other than workshop			3208		3208
WDP	Q2	Mobilization Programme of Girls Education		84686			84686
WDP	Q2	Mobilization Programme In Focues Area					0
WDP	Q4	Community sammalans & mahila			125000		125000
WDP	Q4	Maa Beti Sammelan			194315		194315
WDP	Q4(2)	Kishor sibir for low literacy taluka & village			110625		110625
WDP	Q4(3)	Cultural programming in law literacy village			18489		18489
WDP	T1	Gender Awareness training to CRC					0
WDP	T1	Gender Awareness training					0
WDP	T5	Awarness Campaign for Parents					0
WDP	T5	Gender Awarness Training for Female Teachers					0
WDP	T6	Training for mahila sarpanch & mahila					0
WDP		Women Development Programme		651050	1452625		2103675
WDP	W2	Mahila Jagruti Sammelam					0
WDP	W2	Teleconference					0
WDP	V1	Hired of Vehilce		13230	7125		20355
INV	N2	Innovation funds					0
CW	A4	Salary for DPE					0
CW	A4	Salary for TRP					0
CW	C1	Additional Classroom					0
CW	C2	CRC Building					0
CW	C3	New School Building					0
CW	C4	Drinking water in school					0
CW	C5	Toilet in School					0
CW	C7	Construction of BRC Building					0
CW	C8	Repairs of school		47531	361029		408560
CW	O9	TA/DA other than workshop					0
CW	C8	CRC Building					0
CW	C8	Electrification		26515		41900	68415
CW	C	Compound wall					0
CW		Exhibition Hall at SPO					0
		Total	61589241	68399587	77357274	6086825	213432927

ANNEXURE "II" NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS

a. The Financial Statements have been prepared under the historical cost convention on an accrual basis.

b. The Books of Accounts have been maintained in accordance with the Project Agreement and reflects the Grant Received and Grant Utilized in a financial year. Any unutilsed Grant shall be reversed and adjusted at its confirmation.

c. All the relevant accounting has been done in accordance with the sound accounting principles.

d. No fund has been applied for any object or purpose other than the object or purpose of the Project Agreement or purpose approved by the State Project Director.

e. Grant received under this program are disbursed to each district for utilization, the balance undisbursed or unutilized amount at each district level are treated as Balance with respective district.

f. In terms of the Programme, Interest or any other income / receipts received have been treated as Funds of the Programme and in that accordance the same has been accounted.

g. Balances of Advances, Payables and Receivables are as per books of accounts and subject to confirmation from respective parties.

h. Grant received and utilized for acquisition or construction of moveable and immoveable assets at districts have been treated as Grant Disbursed at each district level in the year of disbursement.

i. Figures have been rounded to nearest rupee.

S.D. Solanki
Finance & Accounts Officer
District Primary Education Programme IV
(Kutch, Surendranagar &
Sabarkantha Districts) External Aided
State Project Office

Meena Bhatt
State Project Director
District Primary Education Programme IV
(Kutch, Surendranagar &
Sabarkantha Districts) External Aided
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 27-09-2005

For Jaydev Parmar & Co.
Chartered Accountants

(Jaydev R Parmar)
Proprietor M.No. 47031

Place : Ahmedabad
Date : 27-09-2005

FORMS

FORM GFR 19-A

[See Government of India's Decision (1) below Rule 150]

Form of Utilization Certificate

Sr.No.	Letter No. & Date	Amount
1	No. F.8-14/2005-EE-06 dated 08/06/2005	795.10
	Total	**795.10**
1	Date 20/04/2005	64.50
2	Date 27/05/2005	31.75
	Total	**96.25**

Certified that **Total Receipt** Rs. **891.35 Lacs (Rupees Eight Crores Ninety One Lacs & Thirty Five Thousand)** (from GOI Rs.**795.10 Lacs** & GOG is Rs.**96.25 Lacs**) of grants-in-aid sanctioned during the Quarter ending on June, 2005 in favour of **Gujarat Council of Primary Education,Sector : 17 Gandhinagar** under this Ministry/ Department. Letter No. given in the margin and **Total unspent balance** is Rs.**2062.28 (Rupees Twenty Crores Sixty Two Lacs & Twenty Eight Thousand Only)** (Rs. **1476.51 Lacs** unspent balance of GOI and Rs. **585.79 Lacs** unspent balance of GOG) for previous year, & **Total expenditure** of Rs.**2134.33 Lacs (Rupees Twenty One Crores Thirty Four Lacs & Thirty Three Thousand Only)** (Rs. **1814.18 Lacs** under GOI share & Rs. **320.15 Lacs** under GOG share) has been utilized for the purpose for which it was sanctioned and that the **Total balance** of Rs. **819.32 Lacs (Rupees Eight Crores Nineteen Lacs & Thirty Two Thousand Only)** (Rs. **457.43 Lacs** of GOI share & Rs. **361.89 Lacs** of GOG) remain unutilized at the end of June 2005, has been surrendered to Government (vide No............, dated............).

2. Certified that I have satisfied myself that the conditions on which the grants-in-aid was sanctioned have been duly fulfilled/are being fulfilled and that I have exercised the following checks to see that the money was actually utilized for the purpose for which it was sanctioned.

Kinds of checks exercised

1. **Books of Account**
2. **Progress Report**
3. **Audit Report**

Place : Gandhinagar
Date : 28-09-2005

JAYDEV PARMAR & CO. MEMBERSHIP No. 47031 CHARTERED ACCOUNTANTS

FOR JAYDEV PARMAR & CO.

JAYDEV RATILAL PARMAR
PROPRIETOR
CHARTERED ACCOUNTANTS

Meena Bhatt
State Project Director
DPEP/SSA
B/h Old M.L.A Canteen, Sec.17
Gandhinagar

Annexure 1	2005-2006		(Rs.in Lacs)
Particulars	**GOI**	**GOG**	**Total**
Unutilised Opening Balance	1476.51	585.79	2062.30
Add:			
Grant Received during the Year	795.10	96.25	891.35
Less:			
Expenditure for the Year 2005-2006	1814.18	320.15	2134.33
Unutilised Closing Balance of Grant	**457.43**	**361.89**	**819.32**

JAYDEV PARMAR & CO. MEMBERSHIP No. 47031 CHARTERED ACCOUNTANTS

FOR JAYDEV PARMAR & CO.

JAYDEV RATILAL PARMAR
PROPRIETOR
CHARTERED ACCOUNTANTS

Place : Gandhinagar
Date : 28-09-2005

PARAG R. RAVAL
B.Com., F.C.A., A.I.C.W.A.

Phone : 2748 54 46

P. R. RAVAL & CO.

CHARTERED ACCOUNTANTS
B - 11, Galaxy View Flat, B/s. Pavan Party Plot,
Nr. Hari Park, Naranpura, AHMEDABAD-380 013.

DPEP IV State Aided (Bhavnagr, Jamnagar, Junagadh), Gujarat State

AUDITOR'S REPORT

1. We have audited the attached Balance Sheet of **DPEP IV State Aided, Gujarat State** as at 31st March 2005 and its Income and Expenditure Account, to be read with Notes forming part of Accounts for the year ended on that date. These financial statements are the responsibility of the management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. Our Audit coverage includes audit of All District Project Offices also.

2. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those Standards required that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

3. 'DPEP IV State Aided (Bhavnagar,Jamnagar,Junagadh)' is a programme of Government of India. The objectives of this programme are being implemented in a Mission mode by a Society formed under the Societies Registration Act, by the name, State Project Office of Gujarat Council of Primary Education.

   The Grants received by the Society's State Project Office are either released to various District Levels for utilization or State Project Office themselves utilize the Grants for various Districts.

   The Grant received, Grant Returned (Savings), Undisbursed Grant of previous years, Bank Interest, Tender Fees Received and various Other Incomes are taken as Income and amount expended under various activities of this programme are treated as Expenditure. The amount expended under various activities may include disbursement for construction and/or acquisition of Fixed Assets for the purpose or object of this Programme, all such expenditure are considered as revenue expenditure.

Subject to Clause No. 3 above we report that:-

a. The Grant Receipts and Disbursements have been properly and correctly shown in the books of accounts. And the accounts have been maintained using double entry accounting principles.

b. The Cash balance, if any, and vouchers were in the custody of the Officer In- charge of the respective offices on the date of our audit. The cash balances, if any, at the year end has not been physically verified by us.

c. The balances of amount in current liabilities and current assets are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties.

d. Books, deeds, accounts, vouchers and other documents and records required by us were produced before us for our audit, establishment registers, stock register, non consumable and consumable article register, and register for works, register for grants of advances to mobilization agencies/NGOs/Voluntary Agencies and temporary advance to VECs

e. It has been observed during the course of our audit no Grant fund or any part thereof have been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the Office of the State Project Director.

For Parag Raval & Co.
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Proprietor M.No. 44902.

Place: Ahmedabad
Date: 12.09.05.

District Primary Education Programme IV - *Gujarat State*

[Bhavnagar, Jamnagar & Junagadh Districts] - State Aided

BALANCE SHEET *AS AT 31.03.2005*

SOURCES		Amount Rs.	APPLICATIONS		Amount Rs.
GRANT DETAILS			**BANK & CASH BALANCES** *[At State & District Level]*		
Opening Balance	-74615100		Balance with Bank	74751318	
Add : Balance Brought Forward from Income and Expenditure A/c	135515342	60900242	Cash on Hand	0	74751318
PAYABLES *[At State & District Level]*			**BALANCES WITH DISTRICTS**		
Bid Security	495000		Bhavnagar District	9041189	
G C P E Account	29359857		Jamnagar District	9005675	
Perfomance Security	37658		Junagadh District	1343487	19390352
Retention Money	3346713				
Security Deposite	2200	33241428			
TOTAL		**94141670**	**TOTAL**		**94141670**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE II ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date
For Parag Raval & Co
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Proprietor M.No. 44902

Place : Ahmedabad
Date : 12/09/2005

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHAT
State Project Director

District Primary Education Programme IV
Bhavnagar, Jamnagar & Junagadh Districts
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 12/09/2005

District Primary Education Programme IV - *Gujarat State*

[Bhavnagar, Jamnagar & Junagadh Districts] - State Aided

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT *For the period ending 31.03.2005.*

INCOME *(Receipts)*	*Amount Rs.*	**EXPENDITURE** *(Payments)*	**ANN**		*Amount Rs*
GRANT FOR UTILIZATION		GRANT DISBURSED	I		
[Grant Received during the year]		*[At State & District Level]*			
[At State & District Level]	346860000				
		Bhavnagar District		68869375	
Bank Interest Earned	1038700	Jamnagar District		58791585	
Tender Fees Earned	172150	Junagadh District		90296000	217956960
Grant Retured Savings	5401452				
		Balance of Expenditure over Income Carried Forward to Balance Sheet			**135515342**
TOTAL	**353472302**	**TOTAL**			**353472302**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE II ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date
For Parag Raval & Co
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Proprietor M.No. 44902

Place : Ahmedabad
Date : 12.09.2005

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHAT
State Project Director

District Primary Education Programme IV
Bhavnagar, Jamnagar & Junagadh Districts
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 12.09.2005

ANNEXURE I

FUNDS DISBURSED	BHAVNAGAR DISTRICT	JUNAGADH DISTRICT	JAMNAGAR DISTRICT	TOTAL
A1 Renumuneration for Balmitra	3574550			3574550
A4 Salary for OIC ALS	16000	1918690	10194	1944884
O8 Contigency	34300			34300
T5 Training for Balmitra Equipment	5320			5320
Alst5 Balmitra Training		7595	5460	13055
O9 TADA (ALS)	10979	4903		15882
Bridge Course	202560			202560
I6 Educational Kits		72000		72000
T8 Training for Project Staff		71000		71000
T5 Training for ALS Center		266319		266319
W1 Teleconference		10350		10350
A4 Salary for BRc Co Ordinator	1440341	2190291	1393876	5024508
O8 Office Contigency	144000	71853		215853
F2 Phone Fax			100000	100000
O9 TADA (BRC)	18312	54301	97200	169813
O4 Contigency BRC			100000	100000
O4 Stationery for BRC			50000	50000
O5 Monthly Meeting			133874	133874
O7 Electric Bill - BRC			120000	120000
BRC Electric Fitting	394785			394785
W1 BRC Conceptional Workshop		7000		7000
W1 Orientation Training		2320		2320
O5 Mothly Meeting		757	51894	52651
O5 Monthly meeting BRG		35391		35391
BRC Computer Training		20164		20164
B8 Other Equipment		9225		9225
O4 Light & Telephone BRc		159543		159543
A4 Salary for CRC	12198940	20456522	11276833	43932295
O8 Contigency (CRC)	362400	23900		386300
TA DA Otherthan Workshop		363938	450117	814055
O4 Stationery CRC			345600	345600
B9 DRS Set	1333017			1333017
D6 TLM Grant CRC		74894		74894
I4 ECCE, Anganwadi Workers Salary	1623300	871250		2494550
Neutrtion	1225153			1225153
I6 Kit for ECCE & ICDS Center		198875	357600	556475
I6 Training for ECCE Workers		28254		28254
D4 Devlopment Material (DEP)			6520	6520
DIET		952137		952137
A4 Salary for OIC IED	48000	44167	46438	138605
O8 Contigency IED	3702			3702
Equipment for IED Children	1846			1846
O9 TADA IED	12038	9813		21851
IE Books	454736	460608	382232	1297576
T1 Teachers Training IED		61634		61634
A4 Salary for Office Staff	1041999			1041999
O4 Light & Telephone	96120	[illegible]	[illegible]	[illegible]
O9 TADA for DPO Staff			36314	36314
O4 Stationery for Office	73289	60388		133677
O8 Contigency for Office	62073	226867	195267	484207
O8 News Paper & Magazine		2591		2591
B3 Maintenance and Repairing		2855		2855
V1 Vehicle for Office	48286			48286
A4 Salary for MIS	135688	66615	43101	245404
A4 Data Entry Oprator Salary		42392	90150	132542
O4 Computer		12661	16025	28686

O4 Consumables office items MIS			6318	6318
O8 Contigency of Mis			2618	2618
O9 TA DA (MIS)		2672		2672
F3 Furniture	1551	20775	4268	26594
W1 Data Shairing Workshop	18427		487	18914
OP Managments	32039	32039	32039	96117
O9 TA DA (MGT)	24938	39037		63975
A3 Ad & Acc. Office (II)		60803		60803
Å4 Accountant / Account Cleark		26735	211870	238605
A4 Senior Clerk		103981		103981
A4 Office Assistant		33600	36000	69600
A4 Peon / Sweepar / Watchman		40859		40859
M1 Maintenance of Equipment DPO			500	500
M3 Vehicle Travel			2479	2479
A4 Salary for Teacher Training Office	450400			450400
O3 Rented Vehicle		73520		73520
F2 Furniture for Office		4750		4750
E1 Annual Grants for School	2500000	2904823	2600000	8004823
E2 Annual Grant for Teachers	3436500	3195600	2324500	8956600
Q2 Gyanjyoti Pad Yatra			50000	50000
O8 Contigency (PFE)	33527			33527
T1 Teachers Training	24994			24994
W1 Workshop for Devlopment of TLM	22007			22007
O9 TADA (PFE)	245283			245283
A4 Salary for WDP	128871	36548	59065	224484
I7 Printing & Supply of Awerness Material	153850			153850
O8 Gender Awarenss Training	106			106
O9 TA DA (WDP)	23667	14313		37980
W2 Mahila Jagruti Sammelan			30000	30000
O8 Cdontigency (WDP)	13797			13797
W2 Seminar		1070		1070
C7 Construction of BRC	7124950	9975	12075	7147000
BRCC7 Construction of BRC Building		5474363	2444669	7919032
C7 Construction of CRC	7460923	3345718	1351449	12158090
CRC7 CRC Building		5215911	7050407	12266318
C1 Additional Classroom	13531861	10681916	14377803	38591580
C5 Toilet / Urinal	1584190	1440083	2032481	5056754
Compound Wall BRC	3457598			3457598
Repairing	2089749	2477249	1000605	5567603
New School	1513618	1903935		3417553
Water Facility	231676	2210	1135973	1369859
TA DA Civil (DPE & TRP)		142603		142603
W Communication & News Letter		2000		2000
A4 Salary for OIC TT		69080	54706	123786
TA DA Other than Workshop		23979		23979
Teachers Training		1161077		1161077
O5 Monthly Meeting of VEC PTA			3171	3171
T1 Training for VEC		235842		235842
Q8 Community Mobilization	203110	238830	93600	535540
Q3 Preveshotsav			389400	389400
ECEB9 Early Child Care		511695	309446	821141
IEDB1 BRC Level Form		252	148	400
IEDC1 CRC Level Form		2332	1526	3858
Management		386977	508858	895835
New School Building		1275608	20758	1296366
PFEC1 Additional Classroom		16746779	6744350	23491129
PFEC1 Additional Classroom		3410661		3410661
Tansfer of Expenditure		106		106
Books & Periodicals			165915	165915
BRC Book & Periodicals			1350	1350
Community Mobilisation			355680	355680
CRC Book & Periodicals			19440	19440
Total	**68869375**	**90296000**	**58791[illegible]**	**217[illegible]**

ANNEXURE "I" NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS

DPEP IV State Aided (Bhavnagr, Jamnagar, Junagadh**),** Gujarat State

a. 'DPEP IV State Aided (Bhavnagr, Jamnagar, Junagadh)' is a programme of Government of India. The objectives of this programme are being implemented in a Mission mode by a Society formed under the Societies Registration Act, by the name, State Project Office of Gujarat Council of Primary Education.

The Grants received by the Society's State Project Office are either released to various District Levels for utilization or State Project Office themselves utilize the Grants for various Districts.

b. The Financial Statements have been prepared under the historical cost convention and on cash basis.

c. The Grant Received, Grant Returned (Savings), Undisbursed Grant of previous years, Bank interest, Tender Fees Received and various Other Incomes are taken as Income and amount expended under various activities may include disbursement for construction and/or acquisition of Fixed Assets for the purpose or object of this Programme, all such expenditure are considered as revenue expenditure.

d. Grant amount disbursed under a particular budget head in the current financial year and returned as unspent / unutilized in the current financial year are reversed in that same budget head itself. And Grant amount disbursed under a particular budget head in the previous financial years and returned as unspent / unutilized in the current financial year are considered as Grant Returned (Savings) and treated as Income.

In terms of the Programme, in a particular year, if an outlay approved is not spent fully the same becomes outlay saved and this shall be treated under non-recurrent heads and becomes eligible for being considered as spill over activities for the forthcoming year.

e. No Grant fund or any part there of have been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the Office of State Project Director, the implementing authority of this Programme.

f. The balances of amount in current liabilities and current assets are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties. The bank balances are reconciling with respective Bank's balances

g. The State Project Office, during the course of implementation of this Program has complied with all the relevant business laws as applicable to each transaction. The Programme does not have any liabilities for breach or non compliance of any law in the year under review.

h. Figures have been rounded to nearest rupee.

S.D.Solanki	**Meena Bhatt**
Finance & Account Officer	**State Project Director**
Sarva Shiksha Abhiyan	Sarva Shiksha Abhiyan
State Project Office	*State Project Office*
Gandhinagar	Gandhinagar

Place: Gandhinagar
Date: 12.09.05

For Parag Raval & Co.
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Proprietor M.No. 44902.

Place: Ahmedabad
Date: 12.09.05

A. S. Merchant F.C.A
A. K. Shah F.C.A
D. P. Shah F.C.A
P. R. Patel F.C.A
B. M. Vashi F.C.A

SHAH MERCHANT & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS
14/4, 'L' Colony,
Nr. Sahjanand College,
Ambavadi, Ahmedabad 380 015
Tel. : (079) 2630 9829/2630 7809
Fax : (079) 2630 6243
Email : shahmerchant@hotmail.com

KASTURBA GANDHI VIDYALAY PROGRAMME, GUJARAT STATE

AUDITOR`S REPORT

1. We have audited the attached Balance Sheet of **Kasturba Gandhi Balika Vidyalay Programme, Gujarat State** as at 31st March 2005 and its Income and Expenditure Account, to be read with Notes forming part of Accounts for the year ended on that date. These financial statements are the responsibility of the management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India and are specific to particular project expenditure tracked by us. Those Standards required that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

3. 'Kasturba Gandhi Balika Vidyalay' is a programme of Government of India. The objectives of this programme are being implemented in a Mission mode by a Society formed under the Societies Registration Act, by the name, State Project Office of Gujarat Council of Primary Education.

   The Grants received by the Society's State Project Office are either released to various District Levels for utilization or State Project Office themselves utilize the Grants for various Districts.

   The Grant received, Grant Returned (Savings), Undisbursed Grant of previous years, Bank Interest, Tender Fees Received and various Other Incomes are taken as Income and amount expended under various activities of this programme are treated as Expenditure. The amount expended under various activities may include disbursement for construction and/or acquisition of Fixed Assets for the purpose or object of this Programme, all such expenditure are considered as revenue expenditure.

Subject to Clause No. 3 above we report that:-

a. The Grant Receipts and Disbursements have been properly and correctly shown in the books of accounts. And the accounts have been maintained using double entry accounting principles.

b. The Cash balance, if any, and vouchers were in the custody of the Officer in-charge of the respective officers on the date of our audit. The cash balances, if any, at the year end has not been physically verified by us.

c. The balances of amount in current liabilities and current assets are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties.

d. Books, deeds, accounts, vouchers and other documents and records required by us were produced before us for our audit, establishment register, stock register, non consumables and consumable article register, and register for works, register for grants of advances to mobilization agencies/NGOs/Voluntary Agencies.

e. It has been observed during the course of our audit no Grant fund or any part thereof have been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the Office of the State Project Director.

For, **Shah Merchant & Associates**
Chartered Accountants

(Ashok K Shah)
Partner M.No. 303

SHAH MERCHANT & ASSOCIATES AHMEDABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

Place : Ahmedabad.
Date : 15.09.05.

KASTURBA GANDHI BALIKA VIDYALAY PROGRAMME
GUJARAT STATE

BALANCE SHEET

AS AT 31.03.2005

SOURCES		Amount Rs.	APPLICATIONS		Amount Rs.
GRANT DETAILS			**BANK & CASH BALANCES** *[At State & District Level]*		
Opening Balance	0		Balance with Bank	37718197	
Add			Cash on Hand	0	37718197
Balance Brought Forward from Income and Expenditure A/c	47588697	47588697			
PAYABLES *(At State Level)*			**RECEIVABLES** (At State & District Level)		
Bid Security		129500	Advance to Mahila Samakhya	500000	
			Advances to Districts	9500000	10000000
TOTAL		47718197	**TOTAL**		47718197

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date
For Shah Merchant & Associates
Chartered Accountants

(Ashok K. Shah)
Partner M No. 30331

Place : Ahmedabad
Date : 15 09 05

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director

Kasturba Gandhi Balika Vidhyalay Programme
Gujarat State, State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 14.09.05

KASTURBA GANDHI BALIKA VIDYALAY PROGRAMME
GUJARAT STATE

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT *For the period ending 31.03.2005.*

INCOME *(Receipts)*	*Amount Rs.*	**EXPENDITURE** *(Payments)*		*Amount Rs*
GRANT FOR UTILIZATION	49703000	GRANT DISBURSED / REVERSED		
[At State & District Level]		*[At State & District Level]*		
[Grant Received during the year]				
		Non Recurring Expenses		
		Bedding Expenses		2100000
		Recurring Expenses		
		Course Books, stationary	9780	
		Miscellanous & Maintenance	4523	14303
		Balance of Income over Expenditure Carried Forward to Balance Sheet		**47588697**
TOTAL	**49703000**	**TOTAL**		**49703000**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date
For Shah Merchant & Associates
Chartered Accountants

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director

Kasturba Gandhi Balika Vidhyalay Programme
Gujarat State, State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 14.09.05.

(Ashok K. Shah)
Partner M.No. 3033

SHAH MERCHANT & ASSOCIATES AHMEDABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

Place : Ahmedabad
Date : 15.09.05

ANNEXURE "I" NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS

KASTURBA GANDHI VIDYALAY PROGRAMME, GUJARAT STATE

a. 'Kasturba Gandhi Balika Vidyalay ' is a programme of Government of India. The objectives of this programme are being implemented in a Mission mode by a Society formed under the Societies Registration Act, by the name, State Project Office of Gujarat Council of Primary Education.

The Grants received by the Society's State Project Office are either released to various District Levels for utilization or State Project Office themselves utilize the Grants for various Districts.

b. The Financial Statements have been prepared under the historical cost convention and on cash basis.

c. The Grant Received, Grant Returned (Savings), Undisbursed Grant of previous years, Bank interest, Tender Fees Received and various Other Incomes are taken as Income and amount expended under various activities may include disbursement for construction and/or acquisition of Fixed Assets for the purpose or object of this Programme. all such expenditure are considered as revenue expenditure.

d. Grant amount disbursed under a particular budget head in the current financial year and returned as unspent / unutilized in the current financial year are reversed in that same budget head itself. And Grant amount disbursed under a particular budget head in the previous financial years and returned as unspent / unutilized in the current financial year are considered as Grant Returned (Savings) and treated as Income.

In terms of the Programme, in a particular year, if an outlay approved is not spent fully the same becomes outlay saved and this shall be treated under non-recurrent heads and becomes eligible for being considered as spill over activities for the forthcoming year.

e. No Grant fund or any part there of have been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the Office of State Project Director, the implementing authority of this Programme.

f. The balances of amount in current liabilities and current assets are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties. The bank balances are reconciling with respective bank's balances

g. The State Project Office, during the course of implementation of this Program has complied with all the relevant business laws as applicable to each transaction. The Programme does not have any liabilities for breach or non compliance of any law in the year under review.

h. Figures have been rounded to nearest rupee.

S.D.Solanki
Finance & Account Officer
Kasturba Gandhi Balika Vidhyalay
Programme. Gujarat State
State Project Office
Gandhinagar

Meena Bhatt
State Project Director
Kasturba Gandhi Balika Vidhyalay
Programme. Gujarat State
State Project Office
Gandhinagar

Place: Gandhinagar
Date: 14.09.05.

For, **Shah Merchant & Associates**
Chartered Accountants

(Ashok K Shah)
Partner M.No. 30331

SHAH MERCHANT & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

Place: Ahmedabad.
Date: 15.09.05.

कन्या शिक्षा प्रोत्साहन

बनासकांठा जिले के समी स्थित कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय का एक चित्र, जिसमें मुस्लिम समुदाय की लाभान्वित कन्याओं को दर्शाया गया है ।

गांधीनगर जिले के ग्राम कोबा स्थित संस्था, प्रेक्षा भारती में प्रशिक्षण पाती हुई कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय के लिये नियुक्त बालसखियाँ ।

भावनगर जिले के वल्लभीपुर तालुके के ग्राम पटवा में एनपीईजीईएल के तहत रु. १५०/- के मूल्य की शैक्षिक सामग्री प्राप्त करती हुई कन्याओं का द्रश्य ।

प्रवेशोत्सव

जामनगर जिले के ध्रोल तालुके के ग्राम लाटीपुर में कन्या केळवणी रथयात्रा का ग्रामजनों द्वारा स्वागत ।

अहमदाबाद में वादी स्कूल नं. २५ में कागजी टोपी पहेने नव नामांकित बच्चों का तिलक द्वारा स्वागत करती हुई वोर्ड एज्यूकेशन कमिटी की अध्यक्षा ।

गुजरात के सभी विभागों के अधिकारियों ने प्रवेशोत्सव में हिस्सा लिया । अहमदाबाद जिले के सरखेज विस्तार के एक स्कूल में नव नामांकित बच्चों को बस्ते की भेंट देते हुए डायरेक्टर जनरल ओफ पोलीस ।